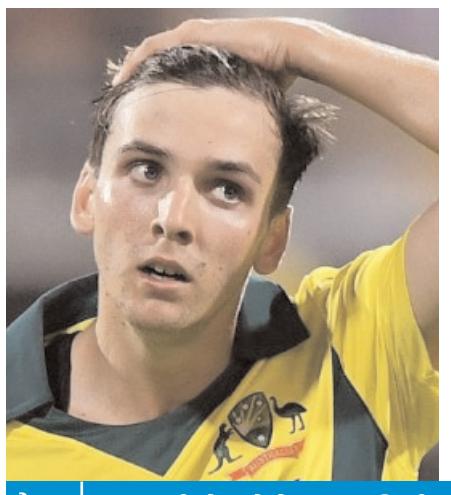

TITLE CODE :-DELHIN29015

राजनीतिक दांव

जीत सत्य की...

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित

पेज-8 | अपनी चोट को लेकर जाय रिचर्डसन ने कहा, इससे मैं काफी परेशान था | वर्ष-01 | अंक-35 | नई दिल्ली, शनिवार 04 जून, 2022 | पृष्ठ-08 | ₹-2 रु0

सीमा सुरक्षा बल के 42 जांबाज वीरता पदकों से सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मातृ भूमि के लिए प्राणों का बलिदान करने वाले वीर सीमा प्रहरियों को आज यहां अदम्य साहस, वीरता और कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए वीरता पदक प्रदान किए। बल के अलंकरण समारोह में श्री राय ने 42 जवानों तथा अधिकारियों को पदकों से सम्मानित किया जिनमें से 16 को वीरता के लिए पुलिस पदक और 26 को उल्लेखनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक प्रदान किये।

इस मौके पर रुस्तमजी स्मारक व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। राय ने इस कार्यक्रम में ड्रोन विरोधी तकनीक प्रारूप का हस्तांतरण भी किया गया। समारोह में बीएसएफ के महानिदेशक पंकज कुमार सिंह, अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशक और सीमा सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में राय ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल का गौरवशाली इतिहास बलिदानी वीरों की गाथाओं से परिपूर्ण है। बल की स्थापना से अब तक सीमा प्रहरियों को एक पद्म विभूषण, दो पद्म भूषण, एक महावीर चक्र, चार कीर्ति चक्र, सात पदमश्री, 13 वीर चक्र, 13 शौर्य चक्र और 56 सेना मेडल सहित 1202 वीरता पदक मिले हैं जो इस बात का प्रमाण है कि सीमा सुरक्षा बल के जवान देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री ने कहा कि कश्मीर की बफीलीं चोटियों, झुलसा देने वाले थार, कच्छ का रण और घने वर्षा वनों के बीच से भारत-पाकिस्तान और भारत-बांग्लादेश से लगतीं अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं सीमा सुरक्षा बल के अभेद्य सुरक्षा घेरे में सुरक्षित हैं।

उन्होंने कहा कि समय के साथ-साथ नवीनतम तकनीक के समावेश से सीमावर्ती अपराधों और चुनौतियों में नित नए बदलाव देखने को मिल रहे हैं। पड़ोसी देश प्रतिदिन नई युक्तियों से देश विरोधी शक्तियों द्वारा राजनैतिक नुकसान पहुंचाने के प्रयास लगातार कर रहा है। देश की पश्चिमी सीमाओं पर ड्रोन की गतिविधियां, सीमापार से खोदी गई सुरंगों, घुसपैठ के प्रयास आदि घटनाएं सीमा प्रहरियों के बुलंद हौसलों का प्रतिदिन इम्तिहान ले रही है और बीएसएफ इस इम्तिहान में सफल भी हो रहा है।

राय ने कहा कि गृह मंत्रालय ने सीमा सुरक्षा बल को मजबूती प्रदान करते हुए सुंदरवन डेल्टा क्षेत्र की प्रभावी निगरानी और सुरक्षा के लिए छह नई फ्लोटिंग सीमा चौकियाँ तैनात की हैं। प्रत्येक सीमा चौकी आधुनिक सुविधाओं एवं तकनीकी उपकरणों से सुसज्जित है जो लगातार लगभग एक महीने तक बिना दोबारा ईंधन भरे तैनात रह सकती हैं। उन्होंने कहा कि 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता युद्ध में बीएसएफ महानिदेशक श्री के. एफ. रुस्तमजी के नेतृत्व में सीमा सुरक्षा बल ने बांग्लादेश की मुक्तिवाहिनी के साथ मिलकर जिस तरह की भूमिका को अंजाम दिया है आज पूरा देश उससे परिचित है और इसकी प्रशंसा करता है।

उन्होंने कहा कि बल ने स्थापना से लेकर आज जो मुकाम हासिल किया है उसमें रुस्तमजी की महती भूमिका को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होने कहा कि बल के संस्थापक व प्रथम महानिदेशक श्री रुस्तमजी की स्मृति में सीमा सुरक्षा बल द्वारा प्रत्येक वर्ष अलंकरण समारोह और रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान का आयोजन बहुत महत्वपूर्ण है। इस वर्ष रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान श्रृंखला में ह्लसीमावर्ती जनसंख्याः सीमा प्रबंधन से राष्ट्र निर्माण तकह्व विषय बहुत ही सामयिक एवं विषयगत है।

इस अवसर पर बीएसएफ के महानिदेशक पंकज कुमार सिंह ने सबसे पहले कर्तव्य की वेदी पर मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले बल के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने रणनीति, बुनियादी ढांचे, हथियार और प्रशिक्षण के मामले में खुद को तैयार करने में बल के निरंतर प्रयास पर जोर दिया। महानिदेशक ने पहले पूर्व महानिदेशक रुस्तमजी के 'सैनिक गुणों और दूरदर्शी नेतृत्व कौशल' के बारे में भी बताया, जिन्हें लोकप्रिय रूप से ह्लबीएसएफ के संस्थापक पिताह्व के रूप में जाना जाता है।

कौन है पद्म विभूषण के एफ रुस्तमजी

के एफ रुस्तमजी 'बीएसएफ के संस्थापक पिता' के रूप में प्रसिद्ध और आधुनिक भारत के सबसे प्रसिद्ध पुलिस अधिकारियों में से एक हैं। पहले महानिदेशक पद्म विभूषण के एफ रुस्तमजी की याद में 2003 से बीएसएफ अलंकरण समारोह मनाया जा रहा है। के एफ रुस्तमजी की असाधारण दूरदृष्टि और दृढ़ नेतृत्व ने बीएसएफ को अपने अस्तित्व में ही आकार दिया। उनके करिश्माई व्यक्तित्व ने बाद में बीएसएफ को एक दुर्जेय फाइटिंग फोर्स बनाया।

25 बटालियनों के साथ एक दिसंबर 1965 को स्थापित बीएसएफ में अब 2.65 लाख से अधिक जवान हैं। बल की तीन आपदा प्रबंधन बटालियनों सहित 193 बटालियन हैं। अपने स्वयं के आर्टिलरी, एयर विंग, वाटर विंग, कैवेलरी और मेडिकल सेटअप द्वारा समर्थित, बीएसएफ पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करता है।

इन वीरों को मिला सम्मन

-16 अक्टूबर 2017 के दिन दीपक कुमार मंडल द्वितीय कमान अधिकारी त्रिपुरा में तैनात बीएसएफ की 145 बटालियन के कार्यकारी कमांडेंट की भूमिका का निर्वहन कर रहे थे। रात्रि 1. 40 बजे इनको सोनामूरा के नजदीक बीएसएफ की गाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली। जिस पर ये आरक्षक बी. चंद्रकांत व आरक्षक प्रेम सिंह को साथ लेकर तुरंत घटनास्थल की ओर रवाना हुए।

इस दौरान दीपक कुमार मंडल की नजर सीमा चौकी 'बेलारीदप्पा' के नजदीक गो-तस्करी करते लगभग 25-30 संदिग्ध तस्करों पर पड़ी। उन्होंने तस्करों को ललकारते हुए चुनौती दी। वहीं साथ में तैनात जवानों को उन्होने तस्करों की धरपकड़ के लिए भेजा। तस्करों ने बेहद उग्र होते हुए दीपक कुमार मंडल पर पत्थरों व तेजधार वाले हथियारों से हमला कर दिया। वहीं कुछ तस्करों ने स्वयं के घेरे जाने के भय से अचानक दीपक कुमार मंडल को गाड़ी से कुचलने के उद्देश्य से टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल हो चुके दीपक कुमार मंडल को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इन्होने 20 अक्टूबर 2017 के दिन अंतिम सांस लेते हुए सर्वोच्च शहादत दी।

इनके अदम्य शौर्य, साहस व राष्ट्र के लिए समर्पित कार्रवाई के लिए भारत सरकार द्वारा इन्हें वर्ष 2020 के गणतंत्र दिवस पर बलिदानोपरांत ह्यवीरता के लिये पुलिस पदकह्व से सम्मानित किया गया।

-कश्मीर सीमांत मुख्यालय, गोगोलैंड में मुख्यालय के साथ स्थित श्रीनगर एयरफील्ड की सुरक्षा की जिम्मेदारी 182 बटालियन बीएसएफ को दी गई थी। 3 अक्टूबर 2017 को सुबह लगभग 4.10 बजे तीन हथियारबंद आतंकवादियों ने अंधेरे का फायदा उठाते हुए कम ऊंचाई वाली चारदीवारी व कंसर्टिना कॉइल को काटकर परिसर में प्रवेश कर लिया।

उप-महानिरीक्षक सुरजीत सिंह गुलेरिया, सीमांत मुख्यालय, कश्मीर में तैनात थे। हमले की सूचना मिलते ही गुलेरिया घटनास्थल की ओर दौड़े। गुलेरिया ने आतंकवादियों के संभावित स्थानों का पता लगाया। कार्रवाई के दौरान गुलेरिया बल के परिसर में स्थित प्रशासनिक भवन पहुंचे जहां पर आतंकी ने इनको लक्षित कर अचानक फायरिंग शुरू कर दी।

ऑपरेशन के दौरान गुलेरिया ने अपनी जान की परवाह किए बगैर जिस अनुकरणीय नेतृत्व, साहस और पेशेवर कुशलता का प्रदर्शन किया, उसके मान्यता स्वरूप भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस पर उप-महानिरीक्षक श्री एस.एस. गुलेरिया को ह्यवीरता के लिये पुलिस पदकह्व से सम्मानित किया गया।

दुनिया आज जिस भरोसेमंद साथी को तलाश रही है, उस पर खरा उतरने का सामर्थ्य भारत के पास है : मोदी

लखनऊ, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यहां तीसरे उत्तर प्रदेश निवेशक सम्मेलन के उदघाटन समारोह में कहा कि दुनिया आज जिस भरोसेमंद साथी को तलाश रही है, उस पर खरा उतरने का सामर्थ्य सिर्फ लोकतांत्रिक भारत के पास है। उन्होंने कहा कि दुनिया आज भारत की संभावना को भी देख रही है और भारत के प्रदर्शन की भी सराहना कर रही है। उन्होंने कहा, मैं उत्तर प्रदेश के काशी के सांसद के नाते निवेशकों का स्वागत करता हूं। निवेशकों का इसलिए मैं धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने उप्र की युवा शक्ति पर भरोसा किया है। उत्तर प्रदेश की युवा शक्ति में वह सार्मथ्य है, जिससे आपके सपनों और संकल्पों को नई उड़ान, नई ऊंचाई मिल सकती है। आप जिस संकल्प को लेकर आए हैं, प्रदेश के नौजवानों का परिश्रम, उनका पुरूषार्थ, उनका सार्मथ्य, उनकी समझ, उनका समर्पण आपके सभी संकल्पों को पूरा करके रहेगा, यह मैं आपको विश्वास दिलाता हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यहां तीसरे उत्तर प्रदेश निवेशक सम्मेलन की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में राज्य में 80,000 करोड़ रुपये से अधिक की 1,406 परियोजनाओं का शुभारंभ किया। मोदी ने कहा, दुनिया में जो वैश्विक परिस्थितियां बनी हैं, वह हमारे लिए बड़े अवसर भी लेकर आई हैं। दुनिया आज जिस भरोसेमंद साथी को तलाश रही है, उस पर खरा उतरने का सामर्थ्य सिर्फ लोकतांत्रिक भारत के पास है। दुनिया आज भारत की संभावना को भी देख रही है और भारत के प्रदर्शन की भी सराहना कर रही है। कोरोना काल में भी भारत रुका नही, बल्कि उसने अपने सुधार की गति को और बढ़ा दिया है। इसका परिणाम आज हम सभी देख रहे हैं। उन्होंने कहा, हम जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ रहे हैं। आज भारत, वैश्विक खुदरा सूचकांक में दूसरे नंबर पर है। भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा का उपभोक्ता देश है। बीते साल दुनिया के सौ से अधिक देशों से 84 अरब डॉलर का रिकार्ड एफडीआई आया है। भारत ने बीते वित्त वर्ष में 417 अरब डॉलर यानि तीस लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की वस्तुओं का निर्यात कर नया रिकॉर्ड बनाया है।

मोदी ने कहा, 'हाल ही में केंद्र की राजग सरकार ने अपने आठ वर्ष पूरे किए हैं। इन वर्षों में हम 'रिफार्म, परफार्म, ट्रांसफार्म' के मंत्र के साथ आगे बढ़े हैं। हमने नीतिगत स्थिरता पर जोर दिया है, समन्वय पर जोर दिया है, कारोबारी सुगमता पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, हमने सुधारों के माध्यम से एक राष्ट्र के रूप में भारत को मजबूती देने का काम किया है। एक राष्ट्र-एक कर जीएसटी हो, एक राष्ट्र-एक ग्रिड हो, एक राष्ट्र-एक मोबिलिटी कार्ड हो, एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड होह्व ये प्रयास हमारी ठोस और स्पष्ट नीतियों का प्रतिबिंब हैं। मोदी ने कहा कि तेज वृद्धि के लिए हमारी डबल इंजन की सरकार अवसंरचना, निवेश और विनिर्माण, तीनों पर एक साथ काम कर रही है। इस साल के बजट में साढ़े सात लाख करोड़ रुपये के अभूतपूर्व पूंजीगत व्यय का आवंटन किया गया है।

उन्होंने कहा कि 2014 में देश की 100 से भी कम ग्राम पंचायतें ऑप्टिकल फाइबर से जुड़ी थीं। आज ऑप्टिकल फाइबर से जुड़ी ग्राम पंचायतों की संख्या भी पौने दो लाख को पार कर गई है । 2014 में हमारे देश में सिर्फ साढ़े छह करोड़ ब्रॉडबैंड ग्राहक थे। आज इनकी संख्या 78 करोड़ से ज्यादा हो चुकी है। 2014 में एक जीबी डेटा करीब-करीब 200 रुपये का पड़ता था। आज इसकी कीमत घटकर 11-12 रुपये रह गई है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में है, जहां इतना सस्ता डेटा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले हमारे यहां कुछ सौ स्टार्टअप ही थे, लेकिन आज देश में पंजीकृत स्टार्टअप की संख्या भी 70 हजार के आसपास पहुंच रही है। अभी हाल ही में भारत ने 100 यूनिकॉर्न का रिकॉर्ड भी बनाया है।

शुक्रवार को शुभारंभ की गयी परियोजनाओं में कृषि और संबद्ध क्षेत्र, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स, एमएसएमई, विनिर्माण, अक्षय ऊर्जा, फार्मा, पर्यटन, रक्षा एवं एयरोस्पेस, हथकरघा तथा कपड़ा आदि जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं। इस समारोह में देश के उद्योग जगत के दिग्गज शामिल हुए, जिसमें अडाणी समूह के गौतम अडानी, आदित्य बिड़ला समूह के कुमार मंगलम बिड़ला, हीरानंदानी समूह के निरंजन हीरानंदानी शामिल थे। गौरतलब है कि 21-22 फरवरी, 2018 को उत्तर प्रदेश निवेश सम्मेलन 2018 का आयोजन किया गया था, जबकि पहला ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 29 जुलाई 2018 को और दूसरा ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 28 जुलाई 2019 को आयोजित किया गया था।

पहले ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के दौरान 61,500 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 81 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया था और दूसरे ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह में 67,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली 290 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा किए गये ट्विट में बताया गया कि इससे पहले मोदी के लखनऊ पहुंचने पर हवाई अडडे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया।

कोविड संक्रमण बढ़ने के कारण सतर्कता बरतने के दिशा निर्देश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोविड संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र को सतर्कता बरतने के दिशा निर्देश जारी किये हैं और कोविड मानकों का सख्ती से पालन करने को कहा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र के प्रधान सचिवों को लिखे एक पत्र में कहा है कि पिछले तीन महीनों से कोरोना महामारी से निपटने के संयुक्त प्रयासों के कारण कोविड संक्रमण में लगातार कमी आ रही थी लेकिन पिछले एक सप्ताह के दौरान संक्रमण में तेजी का रुख सामने आया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने

शुक्रवार को यहां इन पत्रों की प्रतिलिपि जारी की। श्री भूषण ने प्रत्येक राज्य के प्रधान सचिव को अलग अलग लिखे पत्र में कहा है कि कोविड संक्रमण के तेजी वाले जिलों और बस्तियों की पहचान की जानी चाहिए। पत्रों में उन्होंने केरल के 11, तमिलनाडु के दो, महाराष्ट्र के छह और कर्नाटक के एक जिले का उल्लेख किया है जहां कोविड संक्रमण में अचानक तेजी देखी गयी है।

पत्रों में कहा गया है कि संबंधित राज्य सरकारों को कोविड मानकों का सख्ती पालन कराना सुनिश्चित करना चाहिए और कोविड टीकाकरण तेजी से चलाना चाहिए। इसके अलावा संक्रमित व्यक्तियों की पूरी तरह से निगरानी की जानी चाहिए और उनको स्थानीय स्तर पूरा इलाज उपलब्ध कराना चाहिए। श्री भूषण ने कहा कि प्रत्येक संदिग्ध मामले का अनुवांशिक अनुक्रम किया जाना चाहिए और स्थानीय स्तर पर ही संक्रमण रोकने के पूरे प्रबंध किये जाने चाहिए।

इस बीच मंत्रालय के जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 4041 नये मरीज सामने आयें हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या 21 हजार 177 हो गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.05 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.95 प्रतिशत हो गयी है। देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 193.83 करोड से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं।

सरकार करे सुनिश्चित, आज के बाद कश्मीर में न हो कोई हत्या : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के फिर से जोर पकड़ने पर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि वहां शांति बहाली के लिए सख्त कदम उठाने के साथ ही सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि आज के बाद कश्मीर में कोई हत्या नहीं हो।

कांग्रेस वरिष्ठ नेता विवेक तन्खा ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कश्मीर घाटी में पिछले एक माह के दौरान आठ से ज्यादा निर्दोष नागरिकों की हत्या हो चुकी है। आतंकवादी लक्षित हत्या कर रहे हैं और इससे वहां सरकारी दफ्तरों में तैनात कर्मचारियों में दहशत फैल गई है और विभिन्न क्षेत्रों में तैनात सरकारी कर्मचारियों ने वापसी की मांग शुरू कर दी है।

उन्होंने कहा कि अब सरकार को जवाब देना चाहिए कि उसकी कश्मीर में शांति के लिए क्या नीति है। वहां सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है और सरकार को सभी दलों के नेताओं के साथ बातचीत कर देश को बताना चाहिए कि सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए वह क्या कदम उठा रही है। सरकार को सभी पक्षधारकों से शांति लाने के लिए बात करनी चाहिए क्योंकि उनसे बात किए बिना समस्या का समाधान संभव नहीं है। यह पूछने पर कि वह पक्षधारक किसको मानते हैं तो उन्होंने कहा कि यह तय सरकार को करना है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि जम्मू कश्मीर में लम्बे समय से केंद्र सरकार शासन चला रही है इसलिए यह बहाना नहीं चलेगा कि वहां की स्थिति 60-70 साल के काम से बिगड़ी है। पिछले एक माह के दौरान राज्य में आठ से ज्यादा निर्दोष नागरिक मारे गये हैं। कश्मीर घार्टी में सरकारी संस्थान भी सुरक्षित नहीं हैं इसलिए सरकारी कार्यालयों में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए जाने चाहिए और सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए

कि कल रात हुई निर्दोष लोगों की हत्या आखिरी साबित हो और अगले 24 घंटे के बाद किसी दूसरे निर्दोष व्यक्ति की हत्या हो।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के दुख मिटाने का काम प्रचार प्रसार करके नहीं करती है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी का संवेदनशील चेहरा नहीं है इसलिए वह प्रोपागेंडा पर भरोसा करती है और उसी का परिणाम है कि घाटी में आज यह स्थिति पैदा हो गई है। उनका कहना था कि कश्मीर का मामला 370 से ज्यादा है इसलिए स्टेक होल्डर से बात किये बिना समस्या का समाधान नहीं हो सकता है

श्री तन्खा ने कहा कि जम्मू कश्मीर में सबसे पहले सरकार को वहां फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए काम करना चाहिए। उनका कहना था कि जैसे ही सरकार राज्य का केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा खत्म कर उसे पूर्ण राज्य का दर्जा देगी उसी दिन वहां की आधा समस्या खत्म हो जाएगी और आधा से ज्यादा खुशहाली लौट आएगी।

राहुल को ईडी ने 13 जून को किया तलब

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नेशनल हेराल्ड मामले में पूछताछ के लिए अब 13 जून को तलब किया है। उन्हें इस मामले में अपना पक्ष रखने के लिए पहले आठ जून को बुलाया गया था लेकिन उन्होंने विदेश में होने का हवाला देकर ईडी से इसके लिए कोई नयी तारीख देने का आग्रह किया था। सूत्रों ने यहां बताया कि श्री गांधी को इस मामले में पूछताछ के लिए नया समन जारी किया गया है और उन्हें बयान दर्ज कराने के लिए अब 13 जून ईडी कार्यालय में बुलाया गया है। इससे पहले ईडी ने इस प्रकरण की जांच के सिलसिले में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को आठ जून को और श्री गांधी को दो जून को बुलाया था। सूत्रों के अनुसार श्री गांधी की ओर से ईडी को बताया गया कि वह दिल्ली में नहीं हैं, उसके बाद उन्हें नयी तारीख पर बुलाने का समन जारी किया गया है। गौरतलब है कि श्रीमती गांधी इस समय कोरोना वायरस से संक्रमित बतायी गयी है और इन दिनों वह क्वारंटीन में हैं। कांग्रेस ने ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित और विपक्षी दलों की आवाज दबाने की सरकार की योजना का हिस्सा बताया है लेकिन कहा है कि श्रीमती गांधी और श्री गांधी इससे डरने वाले नहीं हैं और जांच में शामिल होंगे।

सड़क हादसे में तीन की मौत, दो घायल

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर जिले के कैन्ट थाना क्षेत्र स्थित पैडलेगंज में शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गयी तथा दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि आज तड़के चार बजे मिट्टी से लदा एक डंपर अनियंत्रित होकर एक पिकअप में ठोकर मारते हुए सड़क किनारे झोपड़ियों पर चढ़ गया। हादसे में पांच लोग घायल हो गये। पुलिस ने इसकी सूचना मिलने पर घटनास्थल पहुंच कर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। दो घायलों की हालत नाजुक बतायी गयी है, इनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। तीनों मृतक, पैडलेगंज में राजमार्ग के किनारे बच्चों के खिलौने बेचने का काम करते थे। रात के समय वे सड़क किनारे ही झोपड़ी में सो रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर डंपर को कब्जे में लेकर चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

इस हादसे में सिद्धार्थनगर के भवानीगंज थाने के कुरैना निवासी 22 वर्षीय अर्जुन, हरदोई के विहानी थाने के मनसून निवासी 25 वर्षीय शैलेंद्र और हरदोई के संडीला निवासी 35 वर्षीय गंगाराम की मौत हो गयी। वहीं, सिद्धार्थनगर के कुरैना निवासी 20 वर्षीय राजेश तथा हरदोई के मनसूरन निवासी 15 वर्षीय कुलदीप घायल हो गये। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों का समुचित उपचार कराने के जिला प्रशासन को निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दो ल्ल दो लाख रुपये तथा घायलों को 50 - 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा भी की है।

आरएसएस चीफ पर परमहंसाचार्य ने किया हमला

बोले; उम्र ज्यादा होने से जुबान फिसल जा रही है, मंदिर तोड़कर बनी मस्जिद लेकर रहेंगे

अयोध्या, एजेंसी। जगदगुरु परमहंस आचार्य संघ प्रमुख मोहन भागवत पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि मोहन भागवत की नीति व नीयत में कोई शंका नहीं है पर उम्र ज्यादा होने के कारण उनकी जुबान फिसल जा रही है। अब उन्हें हर मंदिर में शिवलिंग नहीं दिखाई पड़नी चाहिए जैसी भाषा बोलनी पड़ रही है। परमहंस आचार्य ने कहा कि संघ संहार नहीं सृजन चाहता है, खुशियों से भरा वतन चाहता है। पर हमें अपने धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के लिए देश विरोधी लोगों पत्थर फेंकने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करनी होगी। इन लोगों को रास्ते से हटाना होगा। यह समझाने से मानने वाले लोग नहीं हैं। अगर समझाने से बात बनती तो हनुमान जी जैसे बुद्धिमान रावण जी को समझाने में असफल नहीं होते।

परमहंस आचार्य ने कहा कि जितने भी मंदिरों को तोड़कर मस्जिद बनाई गई हैं वहां पुनः मंदिर का स्थापना करना होगा उन्होंने कहा कि कश्मीर में सरकार के प्रयास के बावजूद हिंदू स्थापित नहीं हो पा रहे हैं। कश्मीरी पंडित भयग्रस्त है। इसलिए सनातन संस्कृति की रक्षा ही मानवता की रक्षा है।उन्होंने कहा कि हिंदू तुष्टीकरण से देश पड़ गया हिंदुओं पर संकट छाया हुआ है। मुगल आक्रांताओं के द्वारा तोड़े गए मंदिरों को हम हर हाल में लेकर ही रहेंगे।

अयोध्या की तपस्वी छावनी के जगद्गुरु परमहंसाचार्य ने आगरा ताजमहल में उन्हें जाने से रोकने का आरोप लगा चुके। उनका कहना है कि भगवा पहने होने की वजह से उन्हें रोका गया। हालांकि अफसरों का दावा किया था कि जगद्गुरु को लोहे का ब्रह्मदंड अंदर ले जाने से मना किया गया था। विवाद बढ़ने पर अफसरों ने माफी भी मांग ली है। इस घटना के विरोध में हिंदू महासभा के कार्यकताओं ने एएसआई का पुतला फूंकने की भी कोशिश की। परमहंस ने ताज महल को भगवान शिव का तेजोमय महल बताकर वहां शिव की प्राण प्रतिष्ठा करने की घोषणा की थी।

परमहंसाचार्य ने पंजाब में पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा था पीएम मोदी की हत्या करने के लिए पंजाब में जो साजिश रची गई उसका वे घोर विरोध करते हैं। आज से कांग्रेस पार्टी को आतंकवादी पार्टी घोषित करते हैं। आज से कांग्रेस राजनीतिक पार्टी नहीं बल्कि आतंकवादी संगठन समझा जाएगा। परमहंस ने कहा था कि इस साजिश के पीछे मोदी विरोध पार्टियां हैं।वे चीन,पाकिस्तान से मिलकर साजिश रच रही हैं।

चकरोड की सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने का मामला

अपर जिलाधिकारी ने एसडीएम से मांगी जानकारी, कार्यवाही के दिए निर्देश

सुशील शर्मा

लोनी। राम पार्क एक्सटेंशन, ग्राम हकीकतपुर (खुरबास) की सरकारी चकरोड पर क्षेत्रवासियों के विरोध के बावजूद कुछ दबंग लोग अवैध कब्जा करने से बाज नहीं आ रहे हैं। हालांकि एक बार फिर शिकायत करने पर अपर जिलाधिकारी गाजियाबाद ने एसडीएम लोनी को नियमानुसार कार्यवाही किए जाने के निर्देश पारित किए हैं।

बता दें कि कॉलोनी में ही रहने वाले गौतम नागर पुत्र आशाराम का आरोप था कि राम पार्क एक्सटेंशन, हकीकतपुर, गोदावास के खसरा संख्या 182 में सरस्वती इंटर कॉलेज से सटी सरकारी चकरोड है। विगत 19 मार्च 2022 के दिन

कॉलेज के प्रबंधक विजयपाल कोशिक व उसके पुत्र रॉकी, रोहित, अमन व ताराचंद द्वारा स्थानीय प्रधान राहुल शर्मा के संरक्षण में चकरोड की भूमि पर अवैध कब्जा होता देख जब उसने क्षेत्रीय नागरिकों की ओर से उनका विरोध किया तो भू माफिया शरीके उक्त दबंगों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की थी। घटना के मामले में संबंधित थान ट्रॉनिका सिटी पर लिखित शिकायत की गई थी। यही नहीं अवैध निर्माण के संदर्भ में थाना दिवस के अलावा जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी व एसएसपी को भी अवगत कराया गया था। प्रकरण का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों के निदेर्शानुसार विगत 24 मई को पटवारी महेश व अन्य अधिकारी/कर्मचारी मय पुलिस बल उक्त अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर सहित पहुंचे थे। मगर उस दौरान अवैध निर्माण ध्वस्त होने की कार्यवाही किसी घटिया राजनीति की भेंट चढ़ गई थी। और अधिकारी उक्त कार्यवाही को फिर किसी दिन करने की बात कह कर बैरंग लौट गए थे।

यथास्थिति के निदेशों की अवहेलना, कार्यवाही ना होने पर दी आत्मदाह की चेतावनी

क्षेत्रवासियों का प्रतिनिधित्व कर रहे शिकायतकर्ता गौतम नगर का कहना है कि सरकारी भूमि पर हुए उक्त अवैध अतिक्रमण के मामले में एसडीम द्वारा यथा स्थिति के आदेशो पर भी विपक्षियों ने अपनी दबंगता के चलते रातों-रात वहां पिलर खड़े कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया नतीजन क्षेत्रवासियों के बीच का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मामले में एसडीएम साहब से बातचीत नहीं हो पाने पर जब संबंधित पटवारी व थाना प्रभारी से शिकायत की गई तो उन्होंने निर्माण कार्य रुकवाने की बात तो कही, मगर वह कोरा आश्वासन बनकर रह गई। अंत में एडीएम से मिलकर शिकायत करनी पड़ी जिन्होंने एसडीएम लोनी को निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से रुकवाने व मामले में जानकारी मांगने के साथ-साथ आवश्यक कार्यवाही हेतु आदेश पारित कर दिए हैं। अब देखना है कि प्रकरण में कब और क्या कार्यवाही अमल में लाई जाती है या पूर्व की भांति मामला एक बार फिर ठंडे बस्ते में चला जाएगा। जिन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि ऐसा हुआ तो वह आत्मदाह करने को मजबूर होंगे।

लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में खुलेआम संचालित हैं शराब पिलाने के अवैध मयखाने

लोनी। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र के लगभग एक दर्जन स्थानों पर शराब पिलाने का अवैध धंधा आजकल खूब जोरो पर है। सूत्रों की माने तो इसके कारोबारियों को स्थानीय पुलिस का संरक्षण प्राप्त है। अफसोस की बात तो यह है कि आम नागरिकों के लिए आफत का सबब बन चुके ऐसे ढाबे व होटल आदि के विरुद्ध न जाने क्यों क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि भी सब कुछ जानते हुए भी अंजान बने बैठे हैं।

यह बात जगजाहिर है कि बॉर्डर क्षेत्र में स्थित अनेक होटल, ढाबो व ठेलियों आदि पर शराब परोसने के धंधे पर पुलिस प्रशासन की कोई रोक-टोक नहीं हो पाने के कारण यह लगातार फलता फूलता जा रहा है। जहा सुबह से रात के लगभग 10 बजे तक शराब पीने के शौकीनों को जाम से जाम टकराते देखा जा सकता है। होटल व ढाबों के नाम पर चल रहे इन अवैध मयखानो में संचालक द्वारा शराबियों को गिलास, पानी के अतिरिक्त मीट मांस आदि

बनाकर परोसने की व्यवस्था भी मुहैया वह जाने से यहा शराब पीने आने वाले लोगों का जमावड़ा बना रहता है।नतीजन नशे में धुत लोगों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा होता रहता है। जहां एक और गोली चलने जैसी घटना हो चुकी तो वहीं दूसरी ओर बाहर की पुलिस द्वारा कई बार शातिर बदमाशों की गिरफ्तारी भी की जा चुकी है। यही नहीं जहां बैठकर शराब पीने वाले युवक मुख्य मार्ग से गुजरने वाली युवतियों पर भी अश्लील फब्तियां कसते हैं।

पुलिस पर मिलीभगत का आरोप

क्षेत्रीय नागरिकों का आरोप है कि शराब पिलाने का अवैध धंधा करने वाले लोगों के साथ स्थानीय पुलिस की मिलीभगत के कारण ही इस पर कोई रोक नहीं लग पा रही है जिसके बदले वह अपना निजी स्वार्थ सिद्ध करते हैं। जबकि स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी कुछ ऐसा ही हाल है जो सब कुछ जानते हुए भी न जाने क्यों आम लोगों के लिए मुसीबत बन चुके इन अवैध मकानों की अनदेखी करते चले आ रहे हैं।

पीड़ित नागरिकों ने अब इस मामले में संबंधित अधिकारियों से मिलकर शिकायत करने के लिए कहा है।

राज्यसभा के सभी 11 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश कोटे के राज्य सभा के सभी 11 उम्मीदवारों के निर्वाचित होने की घोषणा कर दी गयी है। सभी नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्यों को शुक्रवार को प्रमाणपत्र मिल गया है। किसी भी सीट पर मतदान नहीं हुआ। नाम वापसी का समय पूरा होते ही निर्वाचित होने की घोषणा की गयी है। द्विवार्षिक निर्वाचन-2022 में विधान सभा के विशेष सचिव एवं निर्वाचन अधिकारी बृज भूषण दुबे ने नाम वापसी की समय-सीमा समाप्त होने के उपरान्त सभी 11 प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित किए जाने की घोषणा की है। निर्वाचन अधिकारी दुबे ने बताया कि तीन जून को दोपहर तीन बजे नाम वापसी की अंतिम तिथि समाप्त हो जाने के उपरान्त सभी 11 प्रत्याशियों को राज्य सभा के सदस्य हेतु निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। इसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी, सुरेन्द्र कुमार नागर, डॉ के. लक्ष्मण मिथलेश कुमार, बाबू राम निषाद, डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल, दर्शना सिंह एवं श्रीमती संगीता यादव निर्विरोध निर्वाचित की गईं। इसके साथ ही कपिल सिब्बल-निर्दलीय, रालोद के जयंत चौधरी और समाजवादी पार्टी से जावेद अली खाँ राज्य सभा सदस्य के लिए निर्वाचित किए गए। हालांकि कपिल सिब्बल और जयंत चौधरी सपा के समर्थन से ही जीते हैं। निर्वाचन अधिकारी दुबे ने राज्य सभा सदस्य के लिए निर्वाचित किए गए प्रत्याशियों को निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपे हैं।

पत्रकार पुत्र पर हुआ जानलेवा हमला, रिपोर्ट दर्ज न होने पर डीएम से लगाई न्याय की गुहार

गौरव राय

लोनी। कोतवाली क्षेत्र की प्रेम नगर कॉलोनी में कथित पत्रकार पुत्र पर हुए जानलेवा हमले के मामले को 6 माह से भी अधिक बीत जाने के बाद भी आजतक कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं हो पाने से पीड़ित पक्ष ने शुक्रवार के दिन जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई है। आरोप है कि दबंग हमलावरों की पुलिस संग मिलीभगत होने के चलते उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं हो सकी है।

पीड़ित भगवान सिंह

पीड़ित पत्रकार जय भगवान ने बताया कि विगत 18 नवंबर 2021 को उनके पड़ोस में ही रहने वाले मुन्ना पुत्र कमांडो, कैफ पुत्र कय्यूम, आशु पुत्र मोहम्मद मियां निवासीगण प्रेम नगर व इनके अन्य 3-4 साथियों ने अपनी दबंगता चलते घर वापस लौट रहे उसके पुत्र के साथ रास्ते में गाली-गलौज व मारपीट करने के दौरान उसके सिर में तमंचे की बटों से प्रहार करने के साथ-साथ उसका गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया चीख-पुकार की आवाज सुनकर उस ओर दौड़कर आए कुछ लोगों ने किसी तरह उसे हमलावरों के चंगुल से बचाया था। सौरभ को लहूलुहान कर बेहोश हालत में छोड़कर जाते समय हमलावर उसकी जेब में रखे 1230 रु0 भी निकाल कर ले गए। घटना के मामले में जब पीड़ित स्थानीय कोतवाली पर शिकायत दर्ज कराने के लिए गया तो पुलिस ने उसे टरकाते हुए वापस भेज दिया।

इन्वेस्टर्स ग्राउंड सेरेमनी में भी किसानों की आय बढ़ाने पर ज्यादा जोर

लखनऊ, एजेंसी। चाहे उद्योग की बात हो या छोटे व्यापार। हर जगह किसानों की चिंता योगी सरकार कर रही है। यदि बाहर से कोई इंवेस्ट करने आ रहा है तो उसमें भी सर्वाधिक कृषि से जुड़े उद्योग को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाता है। यही कारण है कि शुक्रवार की तीसरी इन्वेस्टर्स गाउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में खेती व युवाओं से जुड़े उद्योग को विशेष बढ़ावा देने के झलक दिखी। यही कारण है कि सबसे ज्यादा प्रोजेक्ट एमएसएमई के 805 हैं, तो वहीं कृषि से संबंधित पोजक्ट 275 है।

वहीं यदि रुपये व्यय की दृष्टि से देखें तो कृषि व उससे संबंधित उद्योगों पर 11297 करोड़ रुपये का निवेश होने जा रहा है। वहीं एमएसएमई पर 4459 करोड़ रुपये व्यय होगा। वहीं डेयरी से संबंधित सात प्रोजेक्ट हैं, जिन पर 489 करोड़ रुपये का निवेश होगा। पशुपालन के छह प्रोजेक्ट पर 224 करोड़ रुपये का व्यय किया जाना है। यदि इन किसानों की आय

11297 करोड़ रुपये का निवेश किसानों की बढ़ाएगा आय

बढ़ाने वाली तीन योजनाओं को एक साथ कर लिया जाय तो 288 प्रोजेक्ट किसानों की प्रत्यक्ष तौर पर आय बढ़ाने वाले हैं। उद्योगपतियों द्वारा इसमें 12010 करोड़ रुपये निवेश किये जाएंगे। निवेश किये जा रहे बजट के हिसाब से भी सबसे ज्यादा बजट डाटा सेंटर 19928 करोड़ रुपये है। उसके बाद कृषि व उससे संबंधित उद्योगों पर 12010 करोड़ रुपये सर्वाधिक निवेश होना है। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के जरिए प्रदेश में डेटा सेंटर से लेकर यूनिवर्सिटी व डेयरी प्लांट तक लगने जा रहे हैं। कृषि, फार्मास्यूटिकल्स और मेडिकल सप्लाई, शिक्षा, डेयरी व पशुपालन के प्रोजेक्ट में भी काफी निवेश होना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में 80 हजार करोड़ से ज्यादा के निवेश वाली 1406 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इन प्रोजेक्ट के धरातल पर उतरने पर प्रदेश में पांच लाख रोजगार के नए अवसर सृजित होने का दावा किया गया है।

यदि सेक्टर वार प्रोजेक्ट की संख्या व निवेश की राशि को देखें तो डेटा सेंटर में सात प्रोजेक्ट पर 19928 करोड़ रुपये निवेश होगा। वहीं कृषि, डेयरी व पशुपालन पर से संबंधित 288 प्रोजेक्ट पर12010 करोड़ रुपये निवेश होने हैं। वहीं आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स के 26 प्रोजेक्ट पर 7876 करोड़ रुपये, इंफ्रास्ट्रक्चर के 13 प्रोजेक्ट पर 6632 करोड़ रुपये, मैन्युफैक्चरिंग के 27 प्रोजेक्ट पर 6227 करोड़ रुपये, हैंडलम व टेक्सटाइल्स के 46 प्रोजेक्ट पर 5642 करोड़, रिन्युवल एनर्जी के 23 प्रोजेक्ट पर 4782 करोड़, एमएसएमई के 805 प्रोजेक्ट पर 4459 करोड़ रुपये, हाउसिंग व कामर्शियल के 19 प्रोजेक्ट पर 4344 करोड़ रुपये का निवेश होना है।

इसी तरह हेल्थकेयर के आठ प्रोजेक्ट पर 2205 करोड़ रुपये, डिफेंस-एयरोस्पेस के 23 प्रोजेक्ट पर 1773 करोड़, वेयरहाउसिंग-लाजिस्टिक्स के 26 प्रोजेक्ट पर 1295 करोड़, शिक्षा के छह प्रोजेक्ट पर 1183 करोड़, फार्मा-मेडिकल सप्लाई के 65 प्रोजेक्ट पर 1088 करोड़, टूरिज्म-हास्पिटेलिटी के 23 प्रोजेक्ट पर 680 करोड़ रुपये निवेश होने हैं। इसी तरह फिल्म एंड मीडिया के एक प्रोजेक्ट पर 10 करोड़ रुपये निवेश होगा।

तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग में सबसे ज्यादा उद्योगों को जमीन पर आने का मौका

इससे पहले 2018 में इंवेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ था। तब 4.68 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए थे।

संक्षिप्त समाचार

योगी सरकार जैसा अनुभव 40 साल में कभी नहीं रहा : हीरानदांनी

लखनऊ, एजेंसी। उप्र की तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में देश भर के नामी उद्यमियों ने उप्र की योगी आदित्यनाथ सरकार की सराहना की। हीरानंदानी ग्रुप के एमडी निरंजन हीरानंदानी ने कहा कि मै 40 वर्षों से कंट्रक्शन क्षेत्र में काम कर रहा हूं। उप्र की योगी आदित्यनाथ सरकार में जिस प्रकार बेहतर अनुभव रहा, इससे पहले कभी नहीं मिल। निरंजन हीरानंदानी ने कहा कि यहां आना मै सम्मान की बात समझता हूं। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री डबल इंजन की तरह काम कर रहे हैं। उनका काम बुलेट ट्रेन की तरह तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश का अनुभव मेरा बहुत बेहतर रहा है। 40 वर्षों से कंट्रक्शन क्षेत्र में हूं। उत्तर प्रदेश जैसा कार्य कभी नहीं देखा। यह तीसरी ग्रांउड ब्रेकिंग सेरेमनी है। नंदानी ने बताया कि अगस्त में पहले डेटा सेंटर के साथ हम लाइव हो जा रहे हैं। नंदानी ने उत्तर प्रदेश से जुड़े तमाम अनुभवों को साझा किया। उन्होंने उप्र में निवेश की घोषणा की। नंदानी ने कहा कि यूपी में अगले पांच साल तक हर साल एक हजार करोड़ रुपये केवल डेटा सेंटर पर निवेश करेंगे। हमारी पूरी टीम यूपी सरकार की आभारी है। योगी सरकार ने हमे बेहतर काम करने का अवसर दिया है। सभी से कहता हूं कि वर्तमान यूपी सरकार आप को आगे बढ़ाने के लिए काम करती है। इसलिए सभी निवेशकों का स्वागत करता हूं।

इमामबाड़ा में हिंदू भगवान के साथ पोज देने वाला शख्स गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। राज्य की राजधानी लखनऊ में एक व्यक्ति पर बड़ा इमामबाड़ा में हिंदू भगवान की मूर्ति के साथ कथित तौर पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने का मामला दर्ज किया गया है। उसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिसके बाद चौक पुलिस ने एक टेंट कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज किया।

थाना प्रभारी (एसएचओ), चौक, पुलिस स्टेशन, प्रशांत मिश्रा ने कहा कि शामिल शाम्सी की शिकायत के बाद एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसने आरोप लगाया था कि टेंट हाउस कार्यकर्ता, नुसरत हुसैन, बड़ा इमामबाड़ा में स्थापित तम्बू लेने आए थे, जिसके बाद उन्होंने मूर्तियों के साथ समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाली तस्वीर ली। मिश्रा ने कहा कि पूछताछ के दौरान हुसैन ने पुलिस को बताया कि जिस ट्रक से वह तंबू लेने इमामबाड़ा आया था, उसमें कुछ सजावटी सामान और विवाह स्थल से उठाई गई मूर्तियां थीं।

आरोपी ने दावा किया कि मूर्ति को क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिए उन्होंने इसे इमामबाड़े की सीढ़ियों पर रख दिया और किसी ने फोटो क्लिक कर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी और यह वायरल हो गई। इमामबाड़ा में एक जगह है, जहां लोग इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की मजलिस (शोक सभा) के लिए इकट्ठा होते हैं। एसएचओ ने कहा कि मामले की आगे की जांच की जा रही है।

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर चर्चा करेगी उत्तर प्रदेश की पंचायतें

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पंचायतों का एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें जलवायु परिवर्तन के ग्राम स्तर पर प्रभाव और पीपीपी (निजी-पंचायत भागीदारी) मोड के माध्यम से स्थानीय स्तर पर इससे निपटने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर राज्य के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभागों के सहयोग से कार्यशाला का भी आयोजन किया जाएगा। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता के अनुसार, जहां 250 पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान कार्यशाला में ऑफलाइन भाग लेंगे, वहीं शेष 58,000 ग्राम पंचायतें ऑनलाइन इसमें शामिल हो सकेंगी। विभाग के सचिव आशीष तिवारी ने कहा, पंचायत स्तर पर जिन लोगों ने सराहनीय कार्य किया है, वे कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में अपने अनुभव साझा करेंगे। अन्य सत्र तकनीकी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे जिन्हें जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए ग्रामीण स्तर पर शुरू किया जाना है। ग्राम पंचायत विकास कार्यक्रम जैसी सरकारी योजनाओं के माध्यम से की जा सकती हैं और शेष सीएसआर के तहत निजी क्षेत्र द्वारा वित्तपोषित की जा सकती हैं। इस कार्यक्रम में ग्राम प्रधानों और पंचायत सचिवों के साथ-साथ कॉरपोरेट्स, शिक्षाविद और जलवायु संबंधी विषयों के विशेषज्ञ भी भाग लेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य स्थानीय संस्थानों को जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न जोखिमों से निपटने और समाधान उत्पन्न करने में सक्षम बनाना है। तिवारी ने कहा कि पंचायतों तक पहुंचना गांवों में जलवायु परिवर्तन के प्रबंधन की दिशा में पहला कदम हो सकता है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने आर्य समाज विवाह प्रमाणपत्रों की जांच का आदेश दिया

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने आर्य समाज मंदिर द्वारा जारी प्रमाण पत्रों की जांच के आदेश दिए हैं। न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रजनीश कुमार की खंडपीठ ने प्रयागराज के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को कथित प्रधान संतोष कुमार शास्त्री के माध्यम से प्रयागराज के किडगंज में विवाह प्रमाण पत्र जारी करते समय आर्य समाज के कामकाज के तरीके और कार्यप्रणाली की जांच करने का निर्देश दिया है।

पीठ ने आगे निर्देश दिया कि इस बात की जांच की जानी चाहिए कि क्या शादियां हो रही हैं कि या सिर्फ शादी के खाली प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं। संतोष कुमार शास्त्री को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे पिछले पांच वर्षों में उनके द्वारा हुए सभी विवाहों के रजिस्टर पेश करें। मामले की जांच एक अधिकारी द्वारा की जाएगी जो अंचल अधिकारी के पद से नीचे का नहीं होगा और सुनवाई की अगली तारीख पर रिपोर्ट अदालत में प्रस्तुत की जाएगी। पीठ ने कहा, बाहरी कारणों से एक संगठित रैकेट के काम करने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है, जिसमें दूसरों की भागीदारी/सहायता संभव है। पीठ ने स्पष्ट किया, व्यक्ति की गतिविधियों को निष्पक्ष और न्यायसंगत नहीं पाए जाने की स्थिति में अधिकारी अपनी कार्रवाई शुरू कर सकते हैं। कोर्ट ने ये निर्देश कपिल कुमार नाम के शख्स की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिए। याचिकाकर्ता ने अदालत के समक्ष दावा किया कि उसने निजी प्रतिवादी के साथ शादी कर ली है और इसलिए उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करना अनुचित है।

कानपुर में बाजार बंद करवाने को लेकर दो पक्ष भिड़े, कई घायल

कानपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर से करीब 60 किमी दूर ग्राम परौंख में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री का कार्यक्रम हो रहा था। इसी दौरान शहर के बेकनगंज के यतीमखाना इलाके में जुमे की नमाज के बाद बाजार बंद कराने को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। दोनों ओर से पथराव हुआ। स्थिति नियंत्रित करने पहुंची पुलिस पर भी पत्थर फेंके गए। इस दौरान कई लोग घायल हुए हैं, जिनको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कई राउंड फायर किया। लाठीचार्ज का भी सहारा लेना पड़ा। पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। संदेह के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्हें अलग-अलग थानों में रखा गया है। इस बवाल के बाद कानपुर के अन्य बाजारों में भी दुकानें बंद करवा दी गई हैं।

नई शराब नीति के तहत लाईसेंस वितरण में हुए हजारों करोड़ के घोटाले की जांच के लिए पुलिस से मिले कांग्रेस नेता

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल आज दिल्ली सरकार द्वारा नई आबकारी नीति 2021-22 की शर्तो का उल्लंघन करके ओएसिस ग्रुप की चुनिंदा कम्पनियों को अवैध रुप से शराब लाईसेंस वितरण करने में हजारों करोड़ रुपये के घोटाले की जांच के संबध में विशेष आयुक्त (अपराध शाखा) से पुलिस मुख्यालय में मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा। प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार द्वारा शराब लाईसेंस वितरण करने में की गई अनियमितताओं और पक्षपात से संबधित पुख्ता दस्तावेज भी ज्ञापन के साथ पुलिस विशेष आयुक्त महोदय को दिए।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि विशेषायुक्त (अपराध शाखा) ने प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल की शिकायत को धैयपूर्वक सुना और प्रदेश कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों पर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार के साथ पूर्व विधायक एवं

कम्युनिकेशन विभाग के चैयरमेन श्री अनिल भारद्वाज, पूर्व विधायक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष श्री जय किशन, पूर्व विधायक श्री विजय लोचव प्रदेश उपाध्यक्ष मुदित अग्रवाल और श्री अली मेंहदी और लीगल एवं मानव अधिकार विभाग के चैयरमेन एडवोकेट सुनील कुमार मुख्य रुप से शामिल थे।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के नागरिकों से वादा किया था कि सरकार भ्रष्टाचार और एकाधिकार प्रवृति को रोकने में प्राथमिकता देगी परंतु सभी नियमों, कानूनां को ताक पर रखकर और सावधानियों को नजरअंदाज करके कुछ मनपंसद ग्रुप की कुछ चुनिदां कम्पनियों को शराब के एल-1 लाईसेंस देकर हजारों करोड़ो रुपये का गैर कानूनी लेन-देन भ्रष्टाचार के तहत हुआ। लाईसेंस देने की प्रक्रिया में राजस्व विभाग के अधिकारी और मंत्रियों के हस्तक्षेप प्रमुख भूमिका रही और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने शिरोमणी अकाली दल के पूर्व विधायक दीप मल्होत्रा के साथ गठजोड़ कर दिल्ली में अवैध टेंडर प्रक्रिया पर एकाधिकार बनाया और हजारों करोड़ों के भ्रष्टाचार में मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल सहित मनीष सिसोदिया मुख्य रुप से शामिल है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने शराब नीति के तहत टैंडर दने के लिए निम्न नियम रखेंः 1. कम्पनी को किसी भी प्रॉक्सी मॉडल का सहारा लिए बिना पारदर्शी तरीके से व्यापार करने की अनुमति देना। 2. थोक लाइसेंस रखने वाली संस्था देश या विदेश में कहीं भी सीधे या सहयोगी संस्थाओं के माध्यम से निमार्ता/वाइनरी/ शराब की भठ्ठी/बॉटलिंग प्लांट नहीं होनी चाहिए। 3. थोक लाइसेंस रखने वाली संस्थाओं के पास प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई खुदरा लाइसेंस भी नहीं होगा। 4. किसी भी निमार्ता या थोक लाइसेंस धारक को खुदरा विक्रेताओं या इसके विपरीत बोली लगाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और 5. किसी भी इकाई को दो क्षेत्रों से अधिक आवंटित नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने ओएसिस ग्रुप की शेल कंपनियों को लाइसेंस आवंटित करने के लिए लागू सभी नियम और शर्तों का घोर उल्लंघन किया गया।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि जब नियमानुसार यह निश्चित किया गया कि कि किसी भी कम्पनी को दो जोन से अधिक अलॉट नही किया जाऐंगे परंतु केजरीवाल के इशारे पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सभी नियमों को ताक पर रखकर एक ही ग्रुप की कई कम्पनियों को लाईसेंसों का वितरण करके हजारों करोड़ का भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने कहा कि ओएसिस ग्रुप के अलावा जिन दो कम्पनियां नोवा और ऑरिजिन ग्रुप को दिल्ली भर में शराब के ठेके चलाने के लिए लाईसेंस वितरित किए गए है, उनका ओएसिस ग्रुप से आपस में कनेक्शन है।

भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल ने दिल्ली उपराज्यपाल से जनहित में की मुलाकात

गौरव राय

पूर्वी दिल्ली, भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल ने विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी के नेतृत्व में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना से मुलाकात की तथा दिल्ली और अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर चर्चा की एवं सभी विधायकों ने लिखत में ज्ञापन उपराज्यपाल दिल्ली को दिया।

रोहताश नगर के विधायक जितेंद्र महाजन ने मुख्य रूप से लोनी रोड को चौड़ा करने ,नत्थू चौक फ्लाई ओवर के निर्माण एवं मरम्मत में कोताही बरतने वाले सम्बंधित अधिकारियों तथा ठेकेदार कम्पनी के खिलाफ कार्यवाही करवाने एवं जल्द से जल्द फ्लाईओवर की मरम्मत करवाकर पुनः भारी वाहनों के लिए खोलने की मांग की , विधायक जितेंद्र महाजन ने रोहताश नगर विधानसभा में स्वीकृत वऋक्षको रद्द किए जाने का विरोध किया तथा उपराज्यपाल महोदय से पुनः वऋक्ष निर्माण प्रक्रिया को शुरू किये जाने की मांग की, अशोक नगर अंडरपास का रुका हुआ कार्य शीघ्र कराने की मांग की । साथ ही साथ विधायक जितेंद्र महाजन ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा रोहताश नगर विधानसभा में अभी तक भी सीसीटीवी कैमरे, वाईफाई लगाने की प्रक्रिया भी शुरू नहीं की गई है। जबकि आसपास की विधानसभाओं में कार्य चालू है। विधायक जितेंद्र महाजन ने दिल्ली सरकार पर रोहताश नगर विधानसभा के साथ भेदभाव पूर्ण रवैया अपनाने का आरोप भी लगाया।

राज्य आवश्यकता अनुरूप मिश्रित पाठ्यक्रम विकसित करें

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राज्यों की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न शिक्षा पाठ्यक्रमों को मिश्रित तरीके विकसित करने का सुझाव दिया।

इसका उद्देश्य राज्यों का महत्व बरकरार रहना है। मंत्रालय का कहना है कि इसके जरिए जीवंत शिक्षा परिध्श्य और 21वीं सदी का भारत बनाने के लिए लगातार मिलकर काम किया जा सकता है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित स्कूली शिक्षा मंत्रियों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान पाठ्यक्रमों के मिश्रित तरीके विकसित करने का यह सुझाव दिया गया। अपने समापन भाषण में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 32 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के सभी मंत्रियों और हितधारकों को सीखने और शैक्षिक प्रथाओं में उत्कृष्टता लाने के तरीकों पर अपनी सीख और अनुभवों को साझा करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने एनसीएफ के विकास और शिक्षक क्षमताओं के निर्माण में सभी राज्यों से अधिक सक्रिय समर्थन, सहयोग और भागीदारी का आग्रह किया।

मंत्री ने कहा कि एनईपी स्किलिंग पर भी जोर देती है। उन्होंने राज्यों से डाइट को मजबूत करने और पर्याप्त संख्या में कौशल केंद्रों के साथ आने के लिए स्कूल के समय के बाद स्कूल के बुनियादी ढांचे का लाभ उठाने का आह्वान किया। मंत्री ने कहा कि हर राज्य की अपनी प्रोपोजिशन होती है।

777 चार्ली पशुओं से प्रेम को देती हैं बढ़ावा

सुषमा रानी

नई दिल्ली। 777 चार्ली फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान फिल्म के एक्टर रक्षित शेट्टी, अदाकारा संगीता ऋंगारी ,राज बी शेट्टी, बोबी सिम्हा भी उपस्थित थे। 777 चार्ली फिल्म के केन्द्र में एक स्ट्रीट डॉग को दिखाया गया है। किस तरह से सड़क पर रहने वाला एक कुत्ता , एक फेक्ट्री में काम करने वाले धर्मा (रक्षित शेट्टी) की जिंदगी में आ जाता है। अपने आप में खोएं रहने वाले, और की किसी से भी मतलब ना रखने वाले धर्मा की जिंदगी एक स्ट्रीट डॉग की वजह से पूरी तरह से बदल जाती है। पशुओं के लिए काम करने वाली संस्था की एक अधिकारी (संगीता ऋंगारी) भी धर्मा की जिंदगी में आ जाती है।

स्ट्रीट डॉग को 777 चार्ली का नाम मिल जाता है।धर्मा अपने डॉग

चार्ली को स्नोफॉल दिखाने ले जाता है। इस सफर के दौरान धर्मा को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में कुत्ते की वफादारी और प्यार को बहुत ही सुन्दर अंदाज में फिल्माया गया है। फिल्म के क्लाइमेक्स में कश्मीर में फिल्माय गए स्नोफॉल के दृश्य मन को मोह लेते हैं।

फिल्म 777 चार्ली इंसान और कुत्ते की दोस्ती पर आधारित एक शानदार फिल्म है। आज के वक्त में सड़कों पर रहने वाले जानवरों के प्रति मानवीय मूल्यों और संवेदना को प्रकट करती ऐसी फिल्म को दर्शकों का प्यार मिलना चाहिए।

फिल्म 777 चार्ली10 जून को रिलीज होने वाली है। फिल्म के प्रोड्यूसर रक्षित शेट्टी और जी एस गुप्ता हैं। फिल्म के लेखक और निर्देशक किरणराज के.है, फिल्म में संगीत नोबिन पॉल का है।

फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी भी मौजूद थीं।

संक्षिप्त समाचार

बीवी से अनबन कर ली खुदकुशी

नई दिल्ली, सुषमा रानी। देश की राजधानी दिल्ली में पत्नी के साथ थोड़ी अनबन क्या हुई, पति ने अपनी जीवनलीला ही समाप्त कर डाली. दिल्ली के मुंडका इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने पत्नी से अनबन के बाद गुरुवार शाम कथित तौर पर आत्महत्या कर ली.

2जून को दिल्ली पुलिस को मुंडका इलाके में पति-पत्नी के बीच झगड़े की पीसीआर कॉल आई. सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि 54 वर्षीय संजय नाम के शख्स ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है. दिल्ली पुलिस की अपराध जांच टीम ने घटना स्थल का गहन निरीक्षण किया. इसके बाद, मृतक के शव को संजय गांधी अस्पताल के मोर्चरी में स्थानांतरित कर दिया गया. प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मृतक एक सरकारी शिक्षक था जो शराब का सेवन करता था और उसकी रितु नाम की पत्नी से अक्सर झगड़ा होता था. पुलिस ने मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है, हालांकि मृतक की मौत को लेकर किसी तरह की साजिश की आशंका नहीं है. मामले में आगे की जांच की जा रही है. पुलिस ने कहा कि इससे पहले गुरुवार को आत्महत्या की एक और घटना सामने आई थी, जिसमें 41 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी क्योंकि वह अपनी पत्नी के साथ तनावपूर्ण संबंधों के कारण कथित रूप से उदास था. उन्होंने बताया कि उमेश धर त्रिवेदी पूर्वी उत्तम नगर में अपने घर के पंखे से लटके पाए गए.

बीयर की बोतल नहीं दी तो चाकू घोंपकर कर मारा

नई दिल्ली, सुषमा रानी। दिल्ली के आदर्श नगर में 23 वर्षीय अस्पतालकर्मी दुर्गेश शुक्ला की बीयर की बोतल नहीं देने पर चाकू घोपकर हत्या कर दी गई. इस घटना में शामिल तीन आरोपियों को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने बताया कि बताया कि आरोपियों की पहचान मुकुंदपुर निवासी अंकित कुमार (21), बृजेश माथुर (20) और हिमांशु कुमार (19) के रूप में हुई है. इसके साथ ही पलिस ने खून से सने कपड़े और चाकू को भी बरामद कर लिया है. इस घटना को लेकर डीसीपी ऊषा रंगनानी ने बताया कि 29 मई की रात को करीब 11 बजे पुलिस को वर्धमान मॉल, जीटीके रोड, आजादपुर के पास खून से लथपथ एक व्यक्ति की सूचना मिली. इस दौरान पुलिस की एक टीम वहां पहुंची और घायल को बीजेआरएम अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया. पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर जांच के लिए स्पेशल स्टाफ के प्रभारी इंस्पेक्टर अमित कुमार तिवारी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई.

केंद्रीय मंत्री रिजिजू बोले- क्रिकेट के अलावा बाकी खेलों को भी आगे बढ़ाने की जरूरत

सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से मिला आरोपियों का सुराग

पुलिस ने जांच करते हुए आस-पास के सीसीसीटी फुटेज चेक किए तो तीन लोग पीड़ित के साथ मारपीट करते हुए दिखाई दिए. जिसमें साफ दिखाई दे रहा था कि तीन युवक दुर्गेश का गला चोक कर कुछ छीन रहे हैं. पुलिस उपायुक्त उषा रंगनानी ने बताया कि बाद में पुलिस ने आरोपियों की पहचान की और छापेमारी करके तीनों को दबोचा. पुलिस टीम ने सर्विलांस की मदद से बवाना, नरेला और मुंडका से आरोपियों हिमांशु, अंकित और बृजेश को गिरफ्तार कर लिया.

केजरीवाल सरकार ने पीडब्ल्यूडी द्वारा एक कम्पनी को 100 कमरे बनवाने के लिए तय 37 करोड़ की जगह 54 करोड़ दिये-हरीश खुराना

सुषमा रानी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजन तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मनीष सिसोदिया को भी ईडी गिरफ्तार करेगी इस बात की जानकारी हमें एक गोपनीय सूत्रों से पता चली है। दरअसल इस तरह का नैरेटिव फैलाकर वह हिमाचल और गुजरात में होने वाले चुनाव में सहानुभूति बटोरना चाहते हैं। प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए श्री राजन तिवारी ने कहा कि जब भी केजरीवाल के कोई मंत्री गिफ्तार होते हैं तो वह खुद को ईमानदार बताने का नाटक करने लगते हैं। सत्येन्द्र जैन के जेल जाते ही उनके

मंत्रालय शिफ्ट कर दिए गए, लेकिन उन्हें अभी तक मंत्री पद से हटाया नहीं गया। जबकि आज डेढ़ दर्जन मंत्रालय मनीष सिसोदिया के पास है। राजन तिवारी ने कहा कि सिद्धान्तों और मयार्दा की बात करने वाले केजरीवाल सत्येन्द्र जैन को मंत्रालय से तब तक के लिए हटा देते जब तक वे निर्दोश नहीं साबित हो जाते लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। आज एक क्लास रूम बनाने के लिए अधिकतम 3 से 4 लाख रुपये का खर्च आता है तो उसमें 27 से 28 लाख रुपये क्यों लग गए। इस बात का जवाब देने की जगह उन्होंने कई तरह की बातें की और केजरीवाल को इस बात का डर सता रहा है कि कही इस पूरे मामले में इन्वेस्टिगेशन हो गया तो सतेंद्र जैन की तरह मनीष सिसोदिया भी जेल की सलाखों के पीछे न चले जाएं।

दिल्ली भाजपा रिलेशन विभाग के प्रभारी हरीश खुराना ने कहा कि साल 2019 में की गई शिकायत को लेकर एंटी करप्शन ब्रांच ने हमसे प्रमाण मांगे हैं क्योंकि वह इस पर कार्रवाई करने जा रहे हैं। लेकिन इसके बाद अरविंद केजरीवाल ने जिस बौखलाहट के साथ अपनी बातें कही वह बताता है कि सिर्फ दाल में कुछ काला ही नहीं बल्कि पूरी दाल ही काली है। केजरीवाल कह रहे हैं कि हिमाचल में चुनाव होने के कारण मनीष सिसोदिया को फंसाया जा रहा है जबकि यह शिकायत 3 साल पहले की है। उन्होंने चिट्ठी दिखाते हुए कहा कि 3 साल पहले की गई शिकायत पर कार्रवाई अब शुरू हुई है इसका जवाब भी केजरीवाल ही देंगे, लेकिन पिछले डेढ़ सालों से लोकायुक्त का ना होना अपने आप में कई सारे सवालों का जवाब है।

शिक्षक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी जिले के मुंडका इलाके में एमसीडी स्कूल के एक शिक्षक ने फांसी लगाकर जान दे दी। उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शुरूआती जांच में पता चला है कि शराब पीने को लेकर पत्नी से कहासुनी हुई थी। वहीं एक अन्य मामले में बिंदापुर इलाके में एक शख्स ने फांसी लगाकर जान दे दी। उसके पास से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें पता चला कि उसका अपनी पत्नी से तनावपूर्ण संबंध थे। उसकी पत्नी बच्चों को लेकर स्विटजरलैंड चली गई थी और पति का नंबर ब्लॉक कर दिया था। जिससे वह अवसाद में आकर यह कदम उठाया है। पुलिस दोनों ही मामलों की जांच कर रही है।

मृत शिक्षक की शिनाख्त बक्करवाला निवासी संजय (54) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम पुलिस को शिक्षक की पत्नी ने फोन कर बताया कि पति उसे परेशान कर रहे है और झगड़ा कर कमरे को बंद कर लिया है। सूचना मिलते ही मुंडका थाने में तैनात हवलदार पवन मौके पर पहुंचे। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा खटखटाने पर अंदर से कोई जवाब नहीं आया। पुलिसकर्मी ने लोगों की मदद से दरवाजा तोड़ दिया। अंदर जाने पर पुलिस ने देखा कि संजय ने खिड़की में लगे लोहे से चुन्नी बांधकर खुदकुशी कर ली है। पुलिस ने फंदे से हटाने के बाद जांच करने पर पाया कि संजय की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

छानबीन के दौरान उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। उसकी पत्नी रीतू ने बताया कि संजय पिछसे एक माह से शराब पीकर उसके साथ झगड़ा करते थे। झगड़ा करने के बाद अकसर वह खुद को कमरे में बंद कर लेते थे।

हत्याकांड में वांछित आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेशल सेल ने गुरुवार देर रात मुठभेड़ के दौरान एक हत्यारोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी प्रिंस वाधवा के कब्जे से पिस्तौल और छह कारतूस भी बरामद किए हैं। मुठभेड़ में प्रिंस की कलाई में गोली लग गई। जिसके बाद उसे एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्पेशल सेल के डीसीपी ने बताया कि 24 मई को कृष्णा नगर में दूध कारोबारी जितेंद्र चौधरी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने एक आरोपी गौरव को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन मुख्य आरोपी प्रिंस वाधवा फरार चल रहा था। आरोपी ने रोडरेज में अपने साथियों गौरव और विकास के साथ मिलकर जितेंद्र की हत्या की थी।

ऑटो सवार मां-बेटी समेत तीन से लूट, विरोध पर हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर में एक बदमाश ने ऑटो सवार मां-बेटी समेत तीन से लूटपाट की। वहीं, विरोध करने पर महिला की बेटी पर नुकीले हथियार से हमला कर दिया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़िता की शिकायत पर बुधवार को पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पीड़िता 50 वर्षीय राम प्यारी गांधी नगर के शांति मोहल्ला में रहती हैं। रात 10:30 बजे वह बेटी रेखा के साथ कश्मीरी गेट से ऑटो से घर लौट रही थीं। ऑटो में एक महिला पहले से बैठी थी। कुछ दूर चलने के बाद एक युवक ऑटो में बैठ गया। सीलमपुर फ्लाईओवर पर पहुंचने के बाद युवक ऑटो रुकवा कर उतर गया और चालक को किराया दिया। इसके बाद अचानक उसने नुकीला हथियार दिखाकर तीनों से लूटपाट करने लगा। राम प्यारी ने सोने की चार चूडियां व अंगूठियां निकाल कर दे दीं। दूसरी महिला ने भी अपने गहने दे दिए। जबकि रेखा विरोध करने लगी। इस पर बदमाश नुकीले हथियार से हमला कर दिया। रेखा के हाथ में चोट आई है। इसके बाद बदमाश कश्मीरी गेट की तरफ भाग गया। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

हत्या में वांछित बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कृष्णा नगर इलाके में हत्या की वारदात को अंजाम देकर फरार हुए बदमाश प्रिंस वधवा को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। इस दौरान उसके हाथ में गोली लगी है। उपचार के लिए उसे लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपित प्रिंस हत्या, हत्या प्रयास, आर्म्स एक्ट आदि वारदातों को अंजाम दे चुका है। हत्या के बाद फरार होते समय उसने शकरपुर इलाके में पुलिस टीम पर भी गोली चलाई थी।

डीसीपी प्रमोद कुशवाहा ने शुक्रवार को बताया कि बीते 24 मई को गीता कॉलोनी निवासी प्रिंस वधवा ने अपने साथी गौरव और विकास के साथ मिलकर जितेंद्र चौधरी उर्फ जीतू की हत्या कर दी थी। कृष्णा नगर इलाके में इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया था। इसे लेकर कृष्णा नगर थाने में हत्या प्रयास, हत्या और आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया गया था। इस वारदात के बाद प्रिंस वधवा स्कूटी पर अपने साथियों के साथ फरार हो गया था। लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन के पास पुलिस टीम ने उन्हें रोकने की कोशिश की थी। यहां पर उन्होंने पुलिस टीम पर भी गोली चला दी थी। इसे लेकर भी हत्या प्रयास, सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और आर्म्स एक्ट का मामला शकरपुर थाने में दर्ज किया गया था।

इस हत्याकांड के बाद से वह लगातार फरार चल रहा था। इससे पूर्व भी हत्या, हत्या प्रयास, दंगे आदि मामलों में प्रिंस शामिल रहा है। बीते दो जून को स्पेशल सेल को सूचना मिली कि गीता कॉलोनी स्थित एसडीएम ऑफिस के पास प्रिंस आएगा। इस जानकारी पर रात के समय पुलिस टीम ने वहां पर जाल बिछाया। उन्होंने देखा कि प्रिंस यू टर्न लेकर शास्त्री नगर की तरफ जा रहा था। पुलिस टीम ने उसे रोक लिया। इस दौरान उसकी बाइक असंतुलित हुई और वह गिर पड़ा।

मेट्रो में महिला से यौन उत्पीड़न, डीसीडब्ल्यू ने भेजा दिल्ली पुलिस को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। सड़क पार करवाने के बहाने एक नेत्रहीन लड़की के साथ बलात्कार का मामला अभी सुलझा नहीं था कि दिल्ली मेट्रो में एक लड़की के साथ यौन उत्पीड? की घटना ने सबको हैरान कर दिया है। पीड़िता ने ट्विटर पर उसके साथ हुई इस घटना का खुलासा किया है, जिसके बाद दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्षा स्वाति मालीवाल ने मामले पर संज्ञान लेते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। पीड़िता ने अपनी पोस्ट में दिल्ली मेट्रो के येलो लाइन के जोर बाग स्टेशन पर एक व्यक्ति द्वारा उसके यौन उत्पीड? की बात कही है। मामला 2 जून को दोपहर 2 बजे का है।

आयोग के अनुसार पीड़िता ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि जब वो येलो लाइन में यात्रा कर रही थी तो एक एक अजनबी उसके पास आया और पता पूछने के लिए उससे

मदद मांगी। उसकी मदद करने के लिए वो ट्रेन से उतर गई और टैक्सी बुक करने की कोशिश में प्लेटफॉर्म पर बैठ गई, आरोपी उसके पास आया और पते के बारे में और अधिक जानकारी मांगने लगा। इस बार जब उसने उसकी मदद करने की कोशिश की तो आरोपी ने अपने खुले गुप्तांग को उसके चेहरे पर मारने की कोशिश की। लड़की वहां से भागी और प्लेटफॉर्म पर मौजूद एक पुलिसकर्मी के पास पहुंची। पुलिसकर्मी ने उसकी मदद करने से इंकार कर उसे सीढ़ी से ऊपर जाने के लिए कहा, जिसके बाद वो एक अन्य पुलिसकर्मी के पास गई और उसने आरोपी की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज दिखाने का अनुरोध किया। लड़की को सीसीटीवी फुटेज दिखाया गया और तब लड़की ने उस आरोपी की पहचान की जो एक दूसरी मेट्रो ट्रेन में चढ़कर चला गया।

लड़की ने आरोप लगाया कि जब उसने पुलिसकर्मियों से इस मामले में कार्रवाई करने को कहा तो उन्होंने उस पर तुरंत ही कोई कदम उठाने की बजाय असमर्थता जाहिर की और तब तक आरोपी चला गया था। उक्त मामले पर सोशल मीडिया पोस्ट का संज्ञान लेते हुए आयोग ने तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए दिल्ली मेट्रो पुलिस उपायुक्त को नोटिस जारी किया है। आयोग ने दिल्ली पुलिस से मामले में गिरफ्तार आरोपी की जानकारी के साथ घटना की एफआईआर कॉपी और सीसीटीवी फुटेज की कॉपी उपलब्ध करवाने को कहा है। साथ ही लड़की की मदद नहीं करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी भी मांगी है।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्षा स्वाति मालीवाल ने कहा कि दिल्ली मेट्रो में दिन दहाड़े एक लड़की का यौन उत्पीड? करने की एक चौंकाने वाली घटना सामने

संपादकीय

पंजाब सरकार की विफलता व केजरीवाल

पंजाब में बहुत मुश्किल से पाकिस्तान की साजिश को नाकाम करते हुए शांति स्थापित हुई थी। लेकिन अराजकता के उस दौर में इस शांति स्थापना के लिए हजारों लोगों को अपने प्राणों का बलिदान देना पड़ा था। पंजाब को पुनः अशांति के दौर में धकेलने के लिए तत्पर बैठी देसी और विदेशी शक्तियां न तो चुप बैठी थीं और न ही चुप बैठ सकती थीं। वे केवल उचित सरकार की प्रतीक्षा कर रही थीं। इसकी चेतावनी पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह ने अनेक बार दी भी थी। विधानसभा के चुनाव के समय कुछ लोगों को ऐसा संशय भी था कि अराजकतावादी शक्तियां जिस उचित सरकार की प्रतीक्षा कर रही थीं, वह आम आदमी पार्टी की ही सरकार थी। लेकिन अकाली पार्टी और सोनिया कांग्रेस से लोग इतने त्रस्त हो चुके थे कि वे आकाश से गिरकर खजूर में भी अटकने को तैयार हो गए थे। और लगता है पंजाब सचमुच खजूर में अटक गया है। यह तब होता है जब सरकार जनहित व राष्ट्र हित की बजाय दलहित को ध्यान में रखना शुरू कर देती है। आम आदमी की अवधारणा है कि पंजाब में अपराधियों के गैंग पैदा करने और उन्हें प्रश्रय देने के लिए अकाली दल जिम्मेदार है। इनकी उत्पत्ति भी कहीं न कहीं पंजाब के नशा माफिया से जुड़ी हुई है। कांग्रेस ने अपने राज में नशा तस्करों व गैंग कल्चर को नियंत्रित करने की बजाय उससे अपने दलहित साधने शुरू कर दिए।

पंजाब के जनमानस में उपजी इसी निराशा और विवशता का लाभ उठाकर आम आदमी पार्टी सत्ता के शिखर पर पहुंची है। लेकिन केजरीवाल पंजाब की इस सत्ता का उपयोग देश के दूसरे हिस्सों में सत्ता प्राप्त करने के लिए करना चाहते हैं। यही कारण है कि वह पंजाब में भी दिल्ली की तरह नौटंकी करके अपने हित साधने में लगे हुए हैं। पंजाब में दिन प्रतिदिन बिगड़ रहे हालात को देखकर लगता है कि अराजकतावादी-अलगाववादी ताकतों को आम आदमी पार्टी की सरकार अपने अनुकूल लगती है और आम आदमी पार्टी को पंजाब में अराजकता का माहौल अपने अनुकूल लगता है। यही कारण है कि केजरीवाल ने बहुत ही सावधानी से मंत्रिमंडल में केवल उन लोगों को स्थान दिया है, जिन्हें आम पंजाबी नौसिखिया मानता है। एक उदाहरण ही पर्याप्त होगा।

कुंवर विजय प्रताप सिंह कुछ महीने पहले तक पंजाब पुलिस के मुखिया थे। अपनी ईमानदारी और दियानतदारी के लिए वे जाने जाते हैं। अपने इन्हीं गुणों के कारण उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका पंजाब की कांग्रेसी सरकार पर आरोप था कि वह जानबूझकर अपने सियासी मुफाद के लिए पंजाब में शांति स्थापित नहीं होने देना चाहती। उनको लगा राजनीति में आकर वे इस हालात को बदल सकते हैं क्योंकि इसी से वे आदेश का पालन करने की स्थिति से आदेश देने की स्थिति में आ जाएंगे। इसके लिए उन्होंने केजरीवाल का पल्ला पकड़ा। मुझे उस वक्त भी लगा था कि वे केजरीवाल को पहचानने में भारी भूल कर रहे हैं क्योंकि मैं मानता था कि केजरीवाल की रणनीति पंजाब को अराजकता से निकालने की बजाय उसे अराजकता के दलदल में धकेलने की ज्यादा रहेगी। अन्ना आंदोलन के दिनों में केजरीवाल स्वयं मंच से घोषणा किया करते थे कि वे अराजकतावादी हैं। यही कारण है कि उन्होंने पंजाब मंत्रिमंडल से कुंवर विजय प्रताप सिंह को बाहर रखा। दिन प्रतिदिन अराजकता की ओर बढ़ रहे पंजाब में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कुंवर को गृह मंत्रालय देना चाहिए, ऐसी आवाज पंजाब में सभी ओर से आ रही है, लेकिन केजरीवाल ऐसा नहीं होने देंगे। केजरीवाल की रणनीति साफ है। पंजाब में अराजकता फैलाकर उसकी जिम्मेदारी केन्द्र सरकार के गले में डाल सकते हैं। आने वाले चुनाव के दिनों में वे इसका उपयोग अन्य राज्यों में वोट मांगने के लिए कर सकते हैं। लेकिन यहां केजरीवाल एक भयंकर भूल कर रहे हैं। पंजाब, दिल्ली नहीं है। पंजाब की समस्याओं के लिए दिल्ली को जिम्मेदार ठहराना इतना आसान नहीं होगा। पंजाब में यदि हालात और भी खराब होते हैं तो उसका दबाव अंततः केजरीवाल की गर्दन को ही झेलना पड़ेगा। पंजाब में आम लोगों को यह लगने लगा है कि केजरीवाल ने अपनी ही पार्टी के कद्दावर नेताओं को मंत्रिमंडल से इसलिए बाहर रखा है क्योंकि उसको डर है कि अपने पैरों पर खड़े इस प्रकार के नेता उसके चरणों में बैठकर नहीं बल्कि उसके बराबर खड़े होकर बात करेंगे। लेकिन केजरीवाल को तो पंजाब प्रशासन का दुरुपयोग करके देश भर में अपने विरोधियों को सबक सिखाना है। यही कारण है कि देश भर में कोई भी आदमी फेसबुक पर भी केजरीवाल के बारे में कोई टीका टिप्पणी करता है तो पंजाब की पुलिस उसे घर से उठा लाती है। कुंवर विजय प्रताप सिंह इस प्रकार से पुलिस का दुरुपयोग नहीं होने देंगे, ऐसा केजरीवाल भी जानते हैं। यही कारण है कि कुंवर सड़कों की खाक छान रहे हैं और अराजकतावादी पंजाब में हत्याओं में मशगूल हैं। केजरीवाल ने पंजाब में चार-पांच सौ लोगों की सुरक्षा वापस ली है। ऐसा उसे अधिकार है। यदि सरकार के पास ऐसी सूचनाएं हैं कि अमुक व्यक्ति की जान को कोई खतरा नहीं है और उसने पुलिस सुरक्षा केवल तथाकथित सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए मिल मिलाकर ले रखी है तो उसे हटाना ही चाहिए।

सुरक्षा देना और सुरक्षा वापस लेना एक संवेदनशील मामला है। परंतु केजरीवाल के लिए इसकी इतनी ही संवेदनशीलता बची है कि उसे इस फैसले से वाहवाही चाहिए। यदि ऐसा न होता तो सुरक्षा हटाने को लेकर इतना प्रचार न किया जाता। जिन व्यक्तियों की सुरक्षा हटाई गई, उनके नामों का मीडिया में इस प्रकार प्रचार-प्रसार किया गया, मानो यह भी सरकार की उपलब्धियों का सरकारी विज्ञापन हो। परोक्ष रूप से यह आतंकवादियों को सूचना नहीं थी कि भाई लोगों हमने फलां-फलां व्यक्ति को सुरक्षाविहीन कर दिया है, आगे आप जानो और आपका काम जाने। सूचना शायद सही ढंग से पहुंच गई थी और दूसरे ही दिन कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा का चुनाव लड़ चुके पंजाब के एक जाने-माने गायक को गोलियों से भून दिया गया। केजरीवाल ने इसी प्रकार की एक और नौटंकी पंजाब में की। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डा. विजय कुमार सिंगला को मंत्रिमंडल से बर्खास्त ही नहीं किया, बल्कि उसे गिरफ्तार भी कर लिया गया। भगवंत सिंह मान का कहना है कि उसके पास सबूत हैं कि मंत्री ठेकेदारों से पैसा मांग रहा था। यकीनन ऐसा ही हुआ होगा। मुख्यमंत्री ने उसे सही ही हटाया और जेल में भी पहुंचा दिया। यह अलग बात है कि सिंगला पिछले दस साल से पार्टी में सक्रिय था, लेकिन इतने साल में भी केजरीवाल सिंगला की तबीयत को पहचान नहीं पाए। परंतु सिंगला की सार्वजनिक बलि क्या सचमुच भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए ही दी गई, या यह भी संगरूर लोकसभा के लिए होने वाले चुनाव को ध्यान में रखते हुए किया गया एक स्टंट ही है? यह मात्र स्टंट है, इसका सबूत कुछ दिन बाद ही मिल गया।

सिंगला के गिरफ्तार होने के कुछ दिन बाद ही दिल्ली प्रशासन के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को पैसे की तस्करी के आपराधिक मामलों में गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर एफ आईआर पुरानी है और जांच चल रही थी। लंबी जांच के बाद उनकी गिरफ्तारी हुई। लेकिन केजरीवाल का कहना है कि पंजाब का विजय कुमार सिंगला दोषी है और दिल्ली का सत्येन्द्र जैन बेकसूर है, जबकि दोनों पर मामला चल रहा है। ऐसा क्यों? क्योंकि डा. सिंगला की बलि से केजरीवाल की छवि चमकती है और संगरूर लोकसभा के चुनाव में पार्टी को लाभ होगा, लेकिन जैन के पकड़े जाने पर वह केजरीवाल के अनेकों भेद खोल सकता है।

TITLE CODE:-DELHIN29015

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक मो. अकिलुर रहमान द्वारा आरडी प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड नोएडा से मुद्रित व जे-29, जे-एक्स. गली नं-9, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित। सभी प्रकार के विवादित मामलों का निपटारा दिल्ली के न्याय क्षेत्र में ही होगा।

संपादक : मो. अकिलुर रहमान

E-mail : rajnitikdaon@gmail.com

Mob-9560268603

मासूम बच्चे मन के सच्चे - सारे जग के आंख के तारे

आक्रमिकता, शोषण के शिकार मासूम बच्चों का संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय दिवस 4 जून 2022 पर विशेष

शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शोषण के शिकार बच्चों के दर्द को स्वीकार कर निवारण करना परम मानवीय धर्म - एड किशन भावनानी

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया - वर्ष 1968 में रिलीज हुई फिल्म दो कलियां का 30 नवंबर 1967 को रिलीज 3 मिनट 48 सेकंड की अवधि का यह गीत, बच्चे मन के सच्चे, सारे जग के आंख के तारे, यह वो नन्हे फूल है जो भगवान को लगते हैं प्यारे जारी किया गया था, जिसे आज हर युवा को देखना सुनना समय की मांग है क्योंकि जिस तरह आज बच्चों के साथ क्रूरता, आक्रमकता, शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शोषण किया जा रहा है वह न केवल अपराध है बल्कि मानवीय मूल्यों का अंतिम स्तर तक हनन मानवता का सबसे बड़ा अपराध और जीवन में कभी ना भुला पाने वाला वह क्षण है जिसे ईश्वर अल्लाह भी माफ नहीं करेगा क्योंकि बच्चे ईश्वर अल्लाह का ही एक रूप है।

साथियों आज यूक्रेन-रूस युद्ध में भी टीवी चैनलों पर यूक्रेन के राष्ट्रपति के हवाले से बताया गया कि यूक्रेन के 2 लाख बच्चों को अनाथालय से अपहरण करके रूस के अलग-अलग शहरों में ले जाया गया है और कई बच्चों की युद्ध के दौरान मौत भी हुई है वैसे ही हर देश की विभिन्न रिपोर्टों में बच्चों के साथ क्रूरता के गंभीर आंकड़े हैं। आज हम बच्चों के आक्रमिकता के शिकार पर ही चर्चा करेंगे क्योंकि 4 जून 2022 को इसके पक्ष ने अंतरराष्ट्रीय दिवस है।

साथियों बात अगर हम हर साल 4 जून को आक्रमिकता शोषण के शिकार मासूम बच्चों का अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाने की करें तो, इस दिन का उद्देश्य दुनिया भर के उन बच्चों के दर्द को स्वीकार करना है जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शोषण के शिकार हैं। यह दिन बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इसका काम बाल अधिकारों पर कन्वेंशन 1989 (सीआरसी) (संयुक्त राष्ट्र, 2019) द्वारा निर्देशित है।यह दुनिया भर के लोगों के लिए बच्चों के खिलाफ, सभी रूपों में, दुर्व्यवहार की राक्षसीता के प्रभाव के बारे में जागरूक होने का समय है। यह एक ऐसा समय भी है जब संगठन और व्यक्ति बच्चों के अधिकारों की रक्षा पर केंद्रित जागरूकता अभियानों से सीखते हैं या उनमें भाग लेते हैं'

साथियों बात अगर हम बच्चों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शोषण की करें तो, बच्चों पर सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव हाल के दशकों में दुनिया में अलग अलग जगहों पर जहां आतंकी घटनाएं होती हैं, वहां सबसे बड़ा नुकसान बच्चों को होता है. वे मानसिक और शारीरिक हिंसा के भी शिकार हो जाते है जिनके बारे में पता तक नहीं चलता। जहां भी किसी तरह का छोट सशस्त्र संघर्ष शुरू होता है उसमें सबसे ज्यादा कमजोर कड़ी बच्चे ही होते हैं और वे ही सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं।

शारीरिक शोषण -यह शारीरिक आक्रामकता से बच्चे को होने वाली चोट है। चोट लगने, धक्का देने, हिलाने, लात मारने, फेंकने और गर्म वस्तुओं से जलने से चोट लग सकती है। कई बच्चों का उनके किसीकरीबी द्वारा शारीरिक शोषण किया जाता है। उन पर लगी चोटों से सैकड़ों हजारों बच्चे मर जाते हैं। जो लोग शारीरिक

शोषण से बचे रहते हैं, उनके लिए भावनात्मक निशान शारीरिक निशान से ज्यादा गहरे होते हैं।

भावनात्मक शोषण - यह बाल शोषण का सबसे आम प्रकार है। बच्चों को उनके माता-पिता, शिक्षकों, साथियों या अन्य वयस्कों द्वारा सत्ता के पदों पर भावनात्मक रूप से दुर्व्यवहार किया जा सकता है। भावनात्मक शोषण से पीड़ित बच्चा कम आत्मसम्मान, सामाजिक वापसी और सामाजिक कौशल की कमी के लक्षण दिखाता है। भावनात्मक शोषण का शारीरिक या यौन शोषण की तुलना में कहीं अधिक लंबे समय तक चलने वाला नकारात्मक प्रभाव हो सकता है।

साथियों बात अगर हम हाल ही में हुई कोविड महामारी का बच्चों पर असर पड़ने की करें तो, कोविड-19 की दूसरी लहर ने जो सबसे ज्यादा चिंता पैदा की है वह बच्चों का संक्रमित होना, पिछले साल पहली लहर में कोविड संक्रमण बच्चों में नहीं पाया गया था, लेकिन दूसरी लहर में बच्चों में अच्छी खासी संख्या में संक्रमण पाया गया है। वहीं भारत में अभी बच्चों के लिए वैक्सीन लगवाने की अनुमति दी गई है. ऐसे में अभिभावकों को बच्चों का खास ख्याल रखने की जरूरत है। उन्हें बच्चों पर खास तौर पर निगरानी रखनी होगी और देखना होगा कि उनमें किसी भी तरह के कोविड-19 संबंधी लक्षण दिखाई तो नहीं दे रहे हैं। इस दौरान वैसे तो संक्रमण से बचने और उसके इलाज के बारे में बहुत कुछ कहा जा चुका है, लेकिन इस मामलों में बच्चों की समस्याएं और उसके तनाव आदि से निपटने के लिए बहुत कम चर्चा हुई है। इन दो सालों में बच्चों को भावनात्मक निराशा, सामाजिक दूरियां जैसे की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से दो चार होना पड़ा है, जो एक तरह से हमें समांतर महामारी में धकेलता दिख रहा है।

साथियों बात अगर हम इस अंतरराष्ट्रीय दिवस को मनाने के इतिहास की करें तो, इस दिन को बाल अधिकारों की रक्षा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के संकल्प की पुष्टि वाला दिन भी माना जाता है। लेकिन इसकी शुरूआत 19 अगस्त 1982 को तब हुई जब इजराइल की हिंसा में फिलिस्तीन और लेबनान के बच्चों को युद्ध की हिंसा का शिकार होना पड़ा था और फिलिस्तीन ने संयुक्त राष्ट्र से इस बारे में कदम उठाने का आग्रह किया था। इसी हिंसा का ध्यान रखते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 4 जून को इंटरनेशन डे ऑफ इनोसेंट चिल्ड्रन ऑफ एग्रेशन के रूप में मानाने का निर्णय लिया था।

साथियों 4 जून साल 1982 को ही इजराइल ने दक्षिणी लेबनान पर हमला करने की घोषणा की थी। इस घोषणा के बाद इस हुए हमलों में बड़ी संख्या में निर्दोष लेबनानी और फिलिस्तीनी बच्चे या तो मारे या घायल हो गए या फिर वे बेघर हो गए। युद्ध हो या किसी अन्य तरह का सशस्त्र संघर्ष इसमें सबसे ज्यादा बुरा हाल बच्चों का होता है। वे सामान्य शिक्षा से तो वंचित होते ही हैं कुपोषण के भी शिकार हो जाते हैं। आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय दिवस बिना किसी अपवाद के बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मासूम बच्चे मन के सच्चे - सारे जग के आंख के तारे, आक्रमिता के शिकार मासूम बच्चों का संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय दिवस 4 जून 2022 पर विशेष है। शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शोषण के शिकार बच्चों के दर्द को स्वीकार कर निवारण करना परम मानवीय धर्म है।

भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का क्षरण और मानसिक यौन कुंठा'

संजीव ठाकुर

प्रागैतिहासिक काल से भारतीय संस्कृति सभ्यता में ऐसा लचीलापन है कि अनेक विदेशी सभ्यताओं को हमने आत्मसात कर उन्हें भी अपने रंग में रंग लिया है। उन सब के रंगों में हम भी रंग गए हैं' भारतीय समाज की विशेषता है कि यह क्रमिक रूप से बाहरी मूल्यों को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है जिसके फलस्वरूप आज समाज विभिन्न संस्कृतियों, सभ्यताओं तथा मूल्यों का अद्भुत समूह बन गया, यूं कहें कि अलग-अलग सभ्यताओं के पुष्पों का एक रंग बिरंगा गुलदस्ता ही बन गया है' वही सभ्यताओं के आत्मसात करने के परिणाम स्वरूप पाश्चात्य सभ्यता से हिंदुस्तानी समाज में बड़ी विसंगतियां जन्म लेने लगी है। सभ्यताएं तो आई लेकिन अपनी बुराइयों को भी लेकर आई हैं। इससे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का अवमूल्यन सी हुआ है। और इसके अलावा पाश्चात्य सभ्यता ने खुलेपन आमंत्रित कर युवाओं तथा पुरुषों के मन में वासनात्मक कुंठा को जन्म दिया है। जिसके कारण महिलाओं पर यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है। आज भारतीय समाज निश्चित तौर पर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और यही वजह है कि पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रवृतियों मानसिक भावनाओं को संक्रमित कर कुंठा को जन्म दिया है। यही कारण है कि मानसिक संक्रमण से भारतीय समाज पाश्चात्य सभ्यता का अंधा अनुसरण कर रहा है जिसके कारण मानवीय मूल्यों में नैतिक स्खलन स्पष्ट दिखाई देने लगा और इस नैतिक गिरावट से हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। पाश्चात्य सभ्यता के दुष्प्रभाव में सबसे गहरा दुष्प्रभाव यौन हिंसा के प्रचार प्रसार का है। पुरुष समाज की मानसिकता है की पुरुष होने के कारण उन्हें कुछ चीजों का हक नैसर्गिक रूप से प्राप्त है जैसे कि अच्छी पत्नी और संतान में बेटों की प्राप्ति, कोई भी पुरुष अपनी आने वाली पीढ़ी में पुत्री नहीं चाहता है जबकि पुत्र पुत्री एक समान ही होते हैं बल्कि जो मायूस होकर पुत्री जन्म का दुख मनाते हैं उन्हें वर्तमान में पीएससी और यूपीएससी की रिजल्ट लिस्ट देखनी चाहिए इसमें बालिकाओं ने बहुत अच्छे अंको से परीक्षा पास कर समाज में उनकी अहम भूमिका को सार्थक किया है। वर्तमान समाज में परंपरागत रूप से पुरुषों को ऐसा करते देख उसकी आने वाली पीढ़ी भी अपने महिला संगिनी से दुर्व्यवहार और हिंसा करने से नहीं चूकता है। पुरुष की कुंठा इस कदर बढ़ चुकी है कि वह किसी सुंदर स्त्री को देखकर यह चाहने लगता है कि वह स्त्री उसकी अंक शायनी हो जाए और यदि स्त्री उसके विमुख होती है तो वह उस पर बलात नियंत्रण करने की कोशिश में यौन अपराध की ओर उन्मुख हो जाता है। अपरिपक्व उम्र से ही किशोरावस्था के युवक सेक्सुअल हिंसा के प्रति उन्मुख होने लगे हैं हमें इसकी असली वजह तथा कारण को समझना होगा मोबाइल का इंटरनेट कंप्यूटर लैपटॉप ने इस विकृत संस्कृति को एक खुला आकाश दे दिया है समाज में बढ़ती योन अपराधिक हिंसा के मुख्य कारणों में से एक इंटरनेट मोबाइल और लैपटॉप का घर घर उपलब्ध होना ही है।

मानसिक रूप से अपरिपक्व को बच्चों के पास मोबाइल तथा लैपटॉप तथा इंटरनेट आ चुका है और उससे वह वह वासनात्मक कहानियां, चित्र और फिल्में देखकर युवतियों तथा छोटी-छोटी बच्चियों पर यौन अपराध करने से नहीं चूकते और यही वजह है कि भारतीय संस्कृति विकृत होकर युवकों द्वारा बड़ी संख्या में यौन अपराध किए जा रहे हैं। जिसके कारण महिलाओं की भावना तथा आत्म सम्मान में गिरावट आकर आत्महत्या तक के परिणाम सामने आने लगे हैं। आंकड़ों में यदि जाएं तो 2020 में लगभग 40,000 बलात्कार के मामले हिंदुस्तान में सामने आए हैं जिनमें 18 साल से कम आयु की लड़कियों की संख्या 16800 की और सबसे खतरनाक तथा विवाद,वीभस्त आंकड़ा जो है वह 6 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ बलात्कार की घटना के लगभग 600 मामले सामने आए हैं। यौन हिंसा के अलावा बच्चियों, युवतियों तथा महिलाओं द्वारा युवाओं द्वारा दिए गए प्रणय निवेदन तो ठुकरा दिए जाने के बाद तेजाब फेंकने की घटनाएं तीव्रता से बड़ी हैं 2010 से लेकर 2020 तक महिलाओं पर तेजाब फेंकने की 1208 घटनाएं विभिन्न जगहों में संबंधित थानों में पंजीकृत हुई है। माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रशासन को एसिड की खरीदी बिक्री पर रोक लगाने के आदेश भी दिए गए, पर आज भी पूरे देश में तेजाब की बिक्री खुलेआम हो रही है। तेजाब पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसके अलावा इंटरनेट मोबाइल पर भी प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है इस पर भी एक उम्र की सीमा से ऊपर के लोगों को इस्तेमाल करने की अनुमति दी जानी चाहिए। भारत में महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा कर एक अभियान चलाकर इसे योजनाबद्ध तरीके से कानून की मदद से हिंदुस्तान भर में विस्तारित किया जाना चाहिए। इसी तरह कन्या भ्रूण हत्या को भी समूल नष्ट करने का अभियान चलाकर एक प्रभावी योजना तैयार की जानी चाहिए। भारतीय संस्कृति के प्रचार प्रसार के साथ शासकीय योजनाओं को भी यौन हिंसा प्रताड़ना के खिलाफ आमजन को शिक्षित और जागरूक कर पाश्चात्य सभ्यता को ना अपनाने हेतु प्रेरित करना चाहिए।

जिंदगी मै रंग भरती बिटिया, चूल्हे-चौके से सिविल सेवा के शीर्ष तक

-प्रियंका 'सौरभ'-

सिविल सेवा परीक्षा के नतीजों में इस बार देश की बेटियों ने जैसी धूम मचाई है, वह न सिर्फ उनके परिवारजनों बल्कि संपूर्ण भारतीय समाज के लिए गर्व करने का विषय है..

श्रुति शर्मा, अंकिता अग्रवालतथा गामिनी सिंगला संघ लोक सेवा द्वारा घोषित सिविल सेवा परीक्षा 2021 में क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रैंक प्राप्त किया है। लड़कियों ने आज हर क्षेत्र में डंका बजा रखा है। पढ़ाई से लेकर नौकरी और व्यवसाय से लेकर अंतरिक्ष में छलांग लगाने के मामले में लड़कियों ने अपनी प्रतिभा से सबको परिचित करा दिया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिला बिजनौर की रहने वाली श्रुति शर्मा ने यूपीएससी 2021 प्रथम रैंक प्राप्त की है। यह उत्तर प्रदेश और विशेषकर जिला बिजनौर के लिए बेहद गर्व की बात है। जिस क्षेत्र को कृषि प्रधान क्षेत्र कहा जाता है और जहां पर शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ापन और जागरूकता का अभाव एक लंबे समय तक बना रहा; वहां पर एक स्त्री होने के नाते चुनौतियां और बढ़ जाती हैं। विवाह की जल्दी, बाहर पढ़ने जाने का संघर्ष, अच्छी संस्थाओं (केंद्रीय विश्वविद्यालय) का अभाव, मार्गदर्शन की कमी आदि बहुत कुछ झेलना पड़ता है, लड़ना पड़ता है। लेकिन ऐसे क्षेत्र से आने वाली कोई लड़की अगर यूपीएससी टॉप करती है तो यह भविष्य के लिए बहुत अच्छा संकेत है। इस बार टॉप १० में प्रथम तीन स्थान पर नारी शक्ति का बोलबाला रहा। यह भी समाज में स्त्री शिक्षा के बदलते स्वरूप को दिखाता है।

महिलाएं आने वाले समय में हजारों नवयुवतियों के लिए प्रेरणा की स्रोत बनेंगी। भारत जैसे परंपरागत समाज में भी अपनी प्रतिभा और लगन की बदौलत स्त्रियां अनछुई ऊंचाइयों तक पहुंच सकती हैं, उनकी वजह से यह आत्मविश्वास नई पीढ़ी की महिलाओं में पैदा होगा। सिविल सेवा परीक्षा में लड़कियां टॉप करती है तो जमीनी हकीकत भी सामने आती है। देश में 52 फीसदी लड़कियां स्कूल शिक्षा के स्तर पर ही पढ़ाई छोड़ देती हैं। क्यों हैं ऐसे हालात और क्या है इससे आगे निकलने का रास्ता? अगर ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे हमारे देश में जब लड़कियां बड़ी हो रही होती हैं तो उनमें से ज्यादातर को उतने मौके नहीं मिलते शिक्षा और दूसरे क्षेत्रों में आगे बढ़ड़े के, जितने की लड़कों को मिलते हैं। हमारा समाज घर और बाहर, अभिभावक और शिक्षक उनसे अपेक्षा ही नहीं करते कि वे घर के कामों के अलावा दूसरे काम भी अच्छी तरह से करें।

वास्तव में उनके ऊपर सामाजिक-आर्थिक और भावनात्मक रूप से उतना निवेश नहीं किया जाता जितना कि लड़कों पर किया जाता है। परिणामस्वरूप लड़कियों में आगे बढड़े का आत्मविश्वास, बंधनों से जूझने की हिम्मत ही विकसित नहीं होती। यह सभी के बारे में सच है कि अगर किसी बच्चे से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है तो फिर उसकी आत्मछवि में और सुधार आता है। लेकिन लड़कियों के साथ तो प्रायः उल्टा होता है। स्कूलों में या घर में उनके काम की सराहना कम होती है, उन्हें शाबासी कम मिलती है। जिससे उसकी अस्मिता सिमट कर रह जाती है और इसका उसके प्रदर्शन पर नकारत्मक असर होता है। बेटियों की शिक्षा और फिर उच्च शिक्षा से कब और क्यों वंचित कर दिया जाएगा, इस संशय से वे हमेशा भयग्रस्त रहती हैं। देश की करीब 52.2 प्रतिशत बेटियां बीच में ही अपनी स्कूली पढ़ाई छोड़ रही हैं। अनुसूचित जाति और जनजाति को करीब 68 प्रतिशत लड़कियां स्कूल में दाखिला तो लेती हैं, लेकिन पढ़ाई पूरी करने से पहले ही स्कूल छोड़ देती हैं।

हमारे देश में लड़कियों या महिलाओं के जीवन के कई मोड़ों पर उन के ऊपर यह दबाव आता है जब उनसे घरेलू जिम्मेदारियों तक सिमट जाने की अपेक्षा की जाती है। पहला मोड़ तब आता है जब उनकी इंटर तक की पढ़ाई पूरी हो जाती है। जो लड़कियां इस दबाव से बच पाती हैं वे सुनहरे भविष्य के लिए आगे निकल जाती हैं, पर जो इस बाधा-दौड़ से आगे नहीं निकल पातीं, वे बेचारी हाईस्कूल या इंटर तक पहुंच ही नहीं पातीं। कोई लड़की इस अनचाही बाधा-दौड़ को लांघ पाएगी या नहीं, यह लड़की पर बहुत ही कम निर्भर करता है। यह तो सीधा परिवार की आर्थिक और सामाजिक हैसियत और आसपास के क्षेत्र में स्कूल की मौजूदगी और कानून व्यवस्था की बेहतर स्थिति पर निर्भर करता है। देश में हम जिन बच्चियों को हम इंटर और हाईस्कूल आदि में टॉप करते और लड़कों से बेहतर प्रदर्शन करते देखते हैं, उनमें से अधिकांश संपन्न तबके से होती हैं। गरीब परिवारों से लड़कियां प्रायः इस मोड़ से आगे नहीं बढ़ पातीं। गरीब परिवारों से लड़के तो भी आगे बढड़े में सफल हो जाते हैं, पर लड़कियों का आगे बढड़ा काफी मुश्किल होता है। एक बार लड़की बाधा-दौड़ को पार कर जाये तो उसे यह अहसास होता है कि यह मौका बहुत संघर्ष से मिला है, गंवाना नहीं है, तो वह पूरे समर्पण और मेहनत से काम को अंजाम देती हुई लड़कों की तुलना में बेहतर सफलता अर्जित करती है।

मेरे देश की बेटियां क्यों स्कूल छोड़ देती हैं। इस विषय पर बिहार और उत्तर प्रदेश में किए गए एक शोधपत्र में तथ्य सामने आए हैं कि बीच में पढ़ाई छोड़ चुकी हर पांच लड़कियों में से एक का मानना है कि उनके माता-पिता ही उनकी पढ़ाई में बाधक हैं। समाज में असुरक्षित माहौल एवं विभिन्न कुरीतियों के कारण आठवीं या उससे बड़ी कक्षा की पढ़ाई के लिए उनके परिवार वाले मना करते हैं। करीब 35 प्रतिशत लड़कियों का मानना है कि कम उम्र में शादी होने के कारण बीच में ही पढ़ाई छोडड़ी पड़ती है। यह अध्ययन स्पष्ट इंगित करता है कि बेटियों की शिक्षा के मध्य अवरोध उनके परिवार के सदस्यों द्वारा ही खड़ा किया जाता है। हमारी बेटियां क्यों हतोत्साहित हैं? ऐसा क्या है, जो वह स्वयं को इन क्षेत्रों से दूर कर लेती है जहां समय और श्रम अधिक अपेक्षित हैं। शोध तो ऐसा बताते है कि 5 प्रतिशत लड़कियां ही विज्ञान, तकनीक, गणित और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना कॅरियर नहीं बनाना चाहती। गणित और विज्ञान जैसे विषयों में लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से कमतर नहीं रहा।

व्यक्ति हो या देश, उसकी सफलता इसमें मानी जाती है कि उसमें निहित संभावनाएं उभर कर आएं और इन संभावनाओं का भरपूर उपयोग हो। यदि कार्यबल में महिलाओं के लिए नए द्वार खुलते हैं तो इससे तमाम महिलाओं में निहित संभावनाओं को फलीभूत करने का मार्ग प्रशस्त होगा और हम अपने राष्ट्र की आबादी में मौजूद संभावनाओं का लाभ उठा सकेंगे। इसके लिए सरकार और निजी क्षेत्र दोनों को नए सिरे से आगे आना होगा। लड़कियों की यह कामयाबी सरकार के ह्यबेटी बचाओ बेटी पढ़ाओह्न अभियान को भी यकीनन बल देगी। इससे समाज में कमजोर पड़ रही वह सोच और भी बेदम होगी कि लड़कियां सिर्फ चूल्हे-चौके का काम करने के लिए होती है। इससे तमाम मां-बाप तक संदेश पहुंचेगा कि लड़कियां किसी भी मामले में कमतर नहीं है। अभिभावकों की बदलती सोच, सरकारी समर्थन के साथ-साथ खुद लड़कियों के तेवर भी जिस तरह बदल रहे हैं, उम्मीद की जानी चाहिए कि उनकी सफलता का सिलसिला भविष्य में और अधिक व्यापक रूप से जारी रहेगा।

उत्तर भारत में गर्मी व द. भारत में बारिश से फसल बर्बाद होने के कारण बढ़े दाम

दो सप्ताह में मिलेगी टमाटर की बढ़ती कीमतों से राहत

नई दिल्ली। टमाटर की बढ़ती कीमतों से परेशान आम जनता के लिए जल्द ही राहत मिलने वाली है। सरकार का कहना है कि अगले दो सप्ताह में टमाटर की कीमतें स्थिर हो जाएंगी। दरअसल, उत्तर भारत में समय से पहले भयंकर गर्मी ने टमाटर के पौधे को सुखा दिया। वहीं दक्षिण भारत की बारिश ने टमाटर की फसल को बर्बाद कर दिया। इस वजह से अभी टमाटर की खुदरा कीमतें 50 से 106 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है। केंद्रीय खाद्य मंत्रालय के सचिव सुधांशु पांडेय ने बताया कि दक्षिणी राज्यों में अगले दो सप्ताह में टमाटर की खुदरा कीमतें स्थिर होनी चाहिए। वहां बारिश की वजह से फसल को भारी नुकसान पहुंचने से कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, कई स्थानों पर टमाटर की खुदरा कीमतें 50 से 106 रुपए प्रति किलोग्राम के बीच चल रही हैं। यही स्थिति महाराष्ट्र में भी है।

दो जून को उच्चस्तर पर थीं टमाटर की कीमतें

मंत्रालय के आंकड़ों में बताया गया है कि दिल्ली में टमाटर 40 रुपये प्रति किलो बेचा जा रहा है। दिल्ली को छोड़कर, अन्य महानगरों में खुदरा कीमतें दो जून को उच्च स्तर पर थीं। मुंबई और कोलकाता में गुरुवार को टमाटर 77 रुपए प्रति किलो और चेन्नई में 60 रुपए प्रति किलो के भाव बेचा गया। दिल्ली के पास गाजियाबाद में भी टमाटर की औसत कीमत 50 रुपए किलो थी। पांडेय ने बताया दिल्ली में टमाटर की कीमतें स्थिर हैं। दक्षिणी भारत में स्थानीय बारिश के कारण फसल को हुए नुकसान की वजह से टमाटर की कीमतें बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि टमाटर का वास्तविक उत्पादन और आवक अधिक है। उत्पादन पक्ष में कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्यों के साथ इस मामले पर चर्चा की है। उन्होंने कहा, यह (कीमतें) अगले दो हफ्तों में स्थिर हो जानी चाहिए। सचिव ने यह भी उल्लेख किया कि इस साल प्याज का उत्पादन ज्यादा रहा है। तभी तो इसकी सरकारी खरीद भी पिछले साल से अधिक है। उन्होंने कहा, हमने रबी सत्र से अब तक 52,000 टन की खरीद की है, जो पिछले साल के 30,000 टन से कहीं अधिक है।

आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में क्वॉलिटी और पहुंच के हिसाब से काफी अंतर

हरी सब्जियों के भाव भले ही जमीन पर हों, लेकिन टमाटर पहले से और अधिक लाल हो रहा है। देश में सबसे महंगा टमाटर गुरुवार को 143 रुपये किलो मायाबंदर में बिका तो वहीं सबसे सस्ता 9 रुपये किलो पुरुलिया में। यह आंकड़े उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट से लिए गए हैं। आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में देश के अलग-अलग हिस्सों में उनकी क्वॉलिटी और पहुंच के हिसाब से काफी अंतर है।

प्याज के रेट में चार गुने का अंतर

दो जून को उत्तर भारत के अधिकतर शहरों में प्याज का भाव 15 से 20 रुपए किलो था तो पूर्वोत्तर में 60 रुपए। देश में सबसे महंगा प्याज सोहरा, आइजोल और कोहिमा में 60 रुपए प्रति किलो के रेट से बिका। वहीं, सबसे सस्ता प्याज सागर में 8 रुपए किलो बिका। अगर आलू की बात करें साहिबगंज और पुरुलिया में सबसे सस्ता 10 रुपए किलो बिका तो दो जून को ही मायबंदर में एक किलो आलू का भाव 55 रुपए था।

सरसों तेल 270 रुपए लीटर

इसी तरह खाद्य तेलों के भाव में भी काफी बड़ा अंतर है। जो सरसों तेल का पैकेट आपको जबलपुर में 147 रुपए में मिलेगा वही पैकेट रामनाथपुरम में 2 जून को 270 रुपए था। सबसे सस्ता वनस्पति (पैक) सूरत में 92 रुपए लीटर था तो वही पैकेट वायनाड में 214 रुपए। सोया तेल का भाव बोडेली में 105 रुपए था तो लोहरदगा में 203 रुपए। सूरजमुखी का तेल सबसे सस्ता सूरत में 139 रुपए पैकेट था तो सबसे महंगा 260 रुपए पैकेट सासाराम के रोहतास में। पाम ऑल सबसे सस्ता जमशेदपुर में 85 रुपए है तो पोर्ट ब्लेयर में 187 रुपए।

मूंग दाल सबसे सस्ती 80 रुपए किलो

अगर दालों की बात करें तो होशंगाबाद में मसूर दाल 70 रुपए किलो थी तो आइजोल में 130 रुपए किलो। बोडेली में मूंग दाल सबसे सस्ती 80 रुपए किलो तो कोषिक्कोड में 127 रुपए। जगदलपुर में एक किलो अरहर दाल का भाव 70 रुपए है तो कुपवाड़ा में 140 रुपए। वाघई में चना दाल 55 रुपए तो हल्द्वानी में 127 रु किलो। सभी चीजों के आंकड़े उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट से लिये गए।

कर्मचारियों की संख्या 10 प्रतिशत घटाएगी टेस्ला

एलन मस्क ने ईमेल भेजकर दुनिया भर में सभी नियुक्तियां भी रोकीं

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर शख्स और इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने कहा कि कार बनाने वाली कंपनी अपने कर्मचारियों की संख्या में 10 प्रतिशत की कमी करेगी। साथ ही दुनियाभर में सभी नई हायरिंग पर भी रोक लगा दी गई है। उन्होंने ग्लोबल इकोनॉमी को लेकर चिंता भी जाहिर की है।

उन्होंने कहा कि दुनियाभर में इकोनॉमी की वर्तमान हालात को देखकर बहुत बुरा फील हो रहा है। टेस्ला के अधिकारियों को एक इंटरनल ईमेल भेजा गया था। यह ईमेल दुनिया भर में सभी नियुक्तियों को रोकें, टाइटल से भेजा गया है। बता दें कि मस्क ने इस सप्ताह की शुरुआत में टेस्ला के कर्मचारियों को कार्यालय वापस लौटने या कंपनी छोड़ने के लिए कहा था। मस्क पहले ही कह चुके हैं कि कर्मचारी को कम से कम 40 घंटे (हर हफ्ते) ऑफिस में आकर काम करना होगा वरना नौकरी छोड़ दें। मस्क ने मंगलवार रात कर्मचारियों को भेजे गए एक अन्य ईमेल में लिखा था, टेस्ला में सभी को हर सप्ताह कार्यालय में कम से कम 40 घंटे बिताने ही होंगे। यदि आप नहीं आते हैं, तो हम मान लेंगे कि आपने इस्तीफा दे दिया है। आपको बता दें कि मस्क भारत में टेस्ला का प्लांट लगाना चाह रहे हैं। हालांकि, अभी इसमें कई दिक्कतें आ रही हैं। हाल ही में मस्क ने कहा था कि टेस्ला उस जगह पर अपना कोई मैन्युफैक्चरिंग प्लांट नहीं लगाएगी, जहां उसे पहले कार को बेचने और सर्विस देने की परमीशन ना मिले।

चालू वर्ष में पुराने वाहनों की बिक्री में 58 प्रतिशत की वृद्धि

गुरुग्राम। चिप की कमी के कारण नये वाहनों के उत्पादन में कमी और लंबी प्रतीक्षा अवधि के कारण देश में पुराने वाहनों की मांग में जबरदस्त तेजी दर्ज की जा रही है और चालू वर्ष में अब तक पुराने वाहनों की बिक्री में 58 प्रतिशत की बढोतरी दर्ज की गई है।

ऑटोमोबाइल ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा कि 2019 से 2021 तक बिक्री में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने महामारी के दौरान पुराने वाहनों को अपनाने में बढ़ोतरी के कारण वर्ष 2022 में अभी तक 58 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। भारत के ऑनलाइन पुराने वाहन का बाजार वर्ष 2021 में 154 अरब रुपए का था और वित्त वर्ष 2026 तक इसके 70 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,994 अरब रुपए हो जाने का अनुमान है। वित्त वर्ष 26 तक पुराने ऑटोमोबाइल बाजार का ऑनलाइन अनुपात 10 प्रतिशत के करीब होने का अनुमान है, जो अभी लगभग 2 प्रतिशत है। को प्राथमिकता, अवांछित भौतिक डीलरशिप और पुराने वाहनों में कीमत के कई विकल्पों की उपलब्धता का नतीजा है। इसके अलावा, कोविड-19 के बाद अनिश्चित आर्थिक माहौल के कारण पुराने वाहनों के लिए मांग और ज्यादा बढ़ गई है।

पिछले पांच वर्षों में डिजिटल भुगतान परिदृश्य में देखी गई वृद्धि

डिजिटल भुगतान 2026 तक 10 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली। देश में डिजिटल भुगतान में आ रही तेजी के बल पर भारत का डिजिटल लेनदेन वर्ष 2026 तक वर्तमान तीन लाख करोड़ डॉलर की तुलना में तीन गुना बढ़कर 10 लाख करोड़ डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है।

डिजिटल भुगतान कंपनी फोनपे ने बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के सहयोग से भारत में डिजिटल भुगतानः 10 ट्रिलियन अवसर शीर्षक से आज एक रिपोर्ट जारी की जिसमें यह दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि इस अभूतपूर्व वृद्धि के परिणामस्वरूप, डिजिटल भुगतान (गैर-नकद) 2026 तक 3 में से 2 भुगतान होंगे। इसमें कहा गया है कि भारत के डिजिटल भुगतान परिदृश्य में पिछले पांच वर्षों में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कैसे डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम को सकारात्मक रूप से बाधित किया गया है, जिसमें कई नयी कंपनियों के आने से डिजिटल भुगतान को बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए विविध पेशकशें शामिल हैं। अग्रणी वैश्विक और भारतीय फिनटेक कंपनियां अंतिम उपयोगकर्ताओं के बीच भारत में यूपीआई अपनाने के प्रमुख वाहक रहे हैं, जो एक बड़े क्यूआर-कोड आधारित व्यापारी स्वीकृति नेटवर्क के निर्माण से सहायता प्राप्त है और उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस, नए ऑफर और एक खुले एपीआई इकोसिस्टम द्वारा समर्थित है।रिपोर्ट में भारत में डिजिटल भुगतान के और विकास के लिए सरलीकृत ग्राहक ऑनबोर्डिंग, उपभोक्ता जागरूकता के लिए निरंतर प्रोत्साहन, व्यापारी स्वीकृति का विस्तार, व्यापारियों को ऋण तक अधिक पहुंच, बुनियादी ढांचे का उन्नयन और एक वित्तीय सेवाओं की स्थापना अंडरपेनेटेड क्षेत्रों में मार्केटप्लेस ड्राइविंग ग्रोथ।

यूपीआई ने पिछले 3 वर्षों में लगभग 9गुना लेनदेन की मात्रा में वृद्धि देखी, वित्त वर्ष 19 में 5 अरब लेनदेन से बढ़कर वित्त वर्ष 22 में लगभग 46 अरब लेनदेन हो गया। वित्त वर्ष 22 में 60 प्रतिशत से अधिक गैर-नकद लेनदेन की मात्रा के लिए लेखांकन। यह दर्शाता है कि डिजिटल भुगतान ने वास्तव में देश भर में सर्वव्यापी स्वीकृति प्राप्त कर ली है। जबकि टियर 1-2 शहरों में डिजिटल भुगतान की उच्च स्वीकृति देखी गई है।

खाद्य तेलों में तेजी, दाल- चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में पूछपरख रही। खाद्य तेल तेजी लिए रहे। शुक्रवार को सोयाबीन रिफाइंड ऊंचा बिका। दलहनो में तेजी दर्ज की गई। दालो में मजबूती दर्ज की गई। चावल में कामकाज सुधार लिए रहा।किराना बाजारशक्कर में पूछपरख रही इससे भाव मजबूत रहे। शक्कर में कामकाज 3580 से 3620 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा तथा हल्दी में उठाव बढ़ा रहा इससे भाव मजबूत बताए गए। तेल - तिलहनखाद्य तेल में पूछपरख से तेजी दर्ज की गई। सोयाबीन रिफाइंड तथा पाम तेल ऊंचा बिका। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली सुस्ती से भाव कम हुए। दाल-दलहनस्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में चना तथा मूंग में मजबूती रही।

गारमेंट्स के लिए कई देशों ने छोड़ा चीन का साथ, भारत बन रहा नया बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन में कोविड लॉकडाउन के बढ़ते असर के कारण दुनिया के कई देश खरीदारी के लिए अब चीनी विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। इस कड़ी में भारत सबसे बड़ा ठिकाना साबित हो रहा है। रिपोर्ट बताती है कि चेक गणराज्य, मिस्र, ग्रीस, जॉर्डन, मैक्सिको, स्पेन, तुर्की, पनामा और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश कपड़ों की खरीदारी के लिए चीन के बदले भारतीय कंपनियों से बातचीत शुरू कर दी है।

स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और ग्रीस से आई मांग

नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर के प्रेसिडेंट ललित ठुकराल ने इकॉनमिक टाइम्स से बातचीत में कहा है कि स्पेन की गारमेंट कंपनी सोटोरेव्स एसएल टाई और डाई और प्रिंटेड शर्ट के 1 लाख पीस चाहती है। उनके साथ बातचीत शुरू हो गई है। उन्होंने आगे बताया है कि दक्षिण अफ्रीका का एक अन्य खरीदार लिजार्ड पीटीआई जिसके 180 स्टोर हैं। महिलाओं के कपड़े खरीदना चाहता है, जबकि ग्रीस का एक खरीदार पुरुषों के कपड़े चाहता है। बता दें कि नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर की 3,000 इकाइयां हैं जिनका सालाना कारोबार 35 हजार करोड़ का है और इसमें करीब 9 लाख लोग कार्यरत हैं।

मैन्युफैक्चरर्स की जगी उम्मीदें

चीन ने हाल ही में दो महीने के लॉकडाउन के बाद शंघाई सहित कई शहरों में कोविड प्रतिबंधों में ढील दी लेकिन चीन की जीरो कोविड पॉलिसी जारी है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि यही कारण है कि खरीदार अभी भी चीन में अनिश्चितता देखते हैं। नोएडा एक्सपोर्ट क्लस्टर में नए खरीदारों के आने से तिरुपुर गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स के लिए भी उम्मीद जगी है।

कपास की बढ़ती कीमतें चिंता का कारण?

तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजा शनमुगम ने बताया है कि हम भारत में बुने हुए कपड़ों के सबसे बड़े निमार्ता हैं। अगर वे नोएडा आते हैं, तो वे भी हमारे पास आएंगे। हमारी एकमात्र चिंता कपास की बढ़ती कीमतें हैं। जो निर्धारित समय सीमा के भीतर माल की डिलीवरी को प्रभावित कर सकती हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि कपास की ऊंची कीमतें निर्यात के अवसर को कम कर रही हैं लेकिन उसके बावजूद भारतीय निमार्ताओं के लिए एक बड़ा बाजार खुल गया है।

अमेरिका और यूरोप भेजे जा रहे कपड़े

भारत ने वित्त वर्ष 2022 में अपना उच्चतम कपड़ा और परिधान निर्यात 44।4 बिलियन डॉलर दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 2021 की तुलना में 41 फीसद अधिक है। हिस्सेदारी की बात करें तो 27 फीसद के साथ अमेरिका टॉप पर था। इसके बाद 18 फीसद के साथ यूरोपियन यूनियन, 12 फीसद के साथ बांग्लादेश और 6 फीसद के साथ संयुक्त अरब अमीरात का स्थान था।

टाटा प्रोजेक्ट्स जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण करेगी

मुंबई, एजेंसी। टाटा समूह की बुनियादी ढांचा और निर्माण शाखा- टाटा प्रोजेक्ट्स को उत्तर प्रदेश के जेवर में आगामी नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण का ठेका मिला है। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएपीएल) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस अनुबंध के तहत टाटा प्रोजेक्ट्स हवाई अड्डे पर टर्मिनल, रनवे, एयरसाइड इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़कों, उपयोगिताओं और अन्य सहायक भवनों का निर्माण करेगी। वाईआईएपीएल, स्विटजरलैंड की कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी है और इसे नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के विकास के लिए एक विशेष उद्देश्यीय कंपनी (एसपीवी) के रूप में शामिल किया गया है।

बयान में कहा गया, वाईआईएपीएल ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) के लिए टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड का चयन किया है। कंपनी को बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के डिजाइन, खरीद और निर्माण में उसके अनुभव के आधार पर अंतिम तीन में से से चुना गया।

कुल 1,334 हेक्टेयर में फैली ग्रीनफील्ड सुविधा के पहले चरण में 5,700 करोड़ रुपये के निवेश से एकल रनवे परिचालन शुरू किया जाएगा, जिसकी क्षमता हर साल 1.2 करोड़ यात्रियों को संभालने की होगी। नए हवाई अड्डे के 2024 तक चालू होने की उम्मीद है।

यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा, हमें नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के ईपीसी काम के लिए टाटा प्रोजेक्ट्स के साथ साझेदारी करने की खुशी है। इस अनुबंध के साथ हमारी परियोजना अगले चरण में प्रवेश करेगी। इससे कार्यस्थल पर निर्माण गतिविधियों में तेजी आएगी।

ईपीएफ पर 8.1 प्रतिशत ब्याज को मिली मंजूरी, चार दशक में सबसे कम

नई दिल्ली। सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के करीब पांच करोड़ अंशधारकों को वर्ष 2021-22 के लिये भविष्य निधि जमा पर 8.1 प्रतिशत ब्याज देने को मंजूरी दे दी है। चार दशकों में यह ईपीएफ पर मिलने वाली सबसे कम ब्याज दर है।

इस साल मार्च में ही ईपीएफओ के केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने 2021-22 के लिये देय ब्याज दर को 2020-21 के 8.5 प्रतिशत से घटाकर 8.1 प्रतिशत करने का निर्णय किया था।

शुक्रवार को जारी ईपीएफओ कार्यालय आदेश के अनुसार श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने 2021-22 के लिये ईपीएफओ अंशधारकों को 8.1 प्रतिशत ब्याज की मंजूरी मिलने के बारे में सूचना दी है। श्रम मंत्रालय ने इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिये वित्त मंत्रालय को भेजा था।

सरकार से मंजूरी मिल जाने के बाद ईपीएफओ अब कर्मचारियों के ईपीएफ खातों में ब्याज राशि डालना शुरू करेगा। ईपीएफ जमा पर 8.1 प्रतिशत ब्याज 1977-78 के बाद सबसे कम है। उस समय ब्याज दर 8 प्रतिशत रही थी।

सीबीटी में कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले न्यासी केई रघुनाथन ने कहा कि जिस गति से श्रम एवं वित्त मंत्रालयों ने ब्याज दर को मंजूरी दी है, कर्मचारियों को कोष की जरूरत को देखते हुए वह वास्तव में सराहनीय है। इससे उन्हें अपने बच्चों की शिक्षा और अन्य जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

सीबीटी ने 2020-21 के लिये ईपीएफ जमा पर 8.5 प्रतिशत ब्याज देने का निर्णय मार्च 2021 में किया था। वित्त मंत्रालय ने इसे अक्टूबर 2021 में मंजूरी दी। उसके बाद ईपीएफओ ने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को 2020-21 के लिये 8.5 प्रतिशत की दर से ईपीएफ खातों में ब्याज डालने का निर्देश दिया था।

ईपीएफओ ने 2019-20 के लिये मार्च 2020 में भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर सात साल के निचले स्तर 8.5 प्रतिशत पर कर दिया था।

हुंदै ने नई 'वेन्यू' की बुकिंग शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी। हुंदै मोटर इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी वेन्यू के नए संस्करण की बुकिंग शुरू कर दी है। ये गाड़ी इस महीने के अंत में बाजार में आने वाली है। कंपनी ने बताया कि ग्राहक नये मॉडल को कंपनी के डीलरशिप पर 21,000 रुपये देकर बुक कर सकते हैं। इसे ऑनलाइन भी बुक किया जा सकता है। हुंदै मोटर इंडिया के निदेशक (बिक्री, विपणन और सेवा) तरुण गर्ग ने एक बयान में कहा, ह्यभारत में वेन्यू को 2019 में पेशकश के बाद से शानदार सफलता मिली है। देश भर के ग्राहक इसके आने वाले डिजाइन, उन्नत तकनीक और शक्तिशाली प्रदर्शन से रोमांचित हैं। नए वेन्यू के साथ, हम और भी ऊंचे मानक स्थापित करेंगे। ग्राहक घर बैठे एलेक्सा और गूगल वॉयस असिस्टेंट के साथ होम-टू-कार (एच2सी) के माध्यम से वाहन की स्थिति की जांच कर सकेंगे और साथ ही कई कार्यों को नियंत्रित कर सकते हैं।

ईडी ने इफको के एमडी अवस्थी की 21 करोड़ की संपत्ति की कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) ने शुक्रवार को बताया कि उसने सरकारी क्षेत्र की दिग्गज उर्वरक कंपनी इफको के प्रबंध निदेशक उदय शंकर अवस्थी की 20.96 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। यह कार्रवाई धन-शोधन निवारक अधिनियम, 2002 के तहत अपराध की कमायी के विरुद्ध जांच के सिलसिले में की गयी है।

ईडी की विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह मामला इफको और इंडियन पोटास लिमिटेड (आईपीएल) के निदेशकों और अन्य के खिलाफ दर्ज एक मामले से जुड़ी है जिसकी जांच ईडी पहले से कर रहा है।

इफको एमडी अवस्थी की कुर्क की गयी संपत्तियों में नई दिल्ली के हौज खास एनक्लेव इलाके में आवासीय संपत्ति और गुरुग्राम तथा हिमाचल प्रदेश में स्थित संपत्तियां शामिल हैं। ईडी के अनुसार पीएमएलए कानून 2002 की धारा 5 के तहत दो जून को कुर्की की कार्रवाई की गयी। हौज खास एनक्लेव की संपत्ति पहले इफको कंपनी की थी जिसे श्री अवस्थी के नाम हस्तांतरित करा दिया गया था। ईडी इस मामले में अबतक करीब 86 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्तियां कुर्क कर चुका है। इससे पहले एजेंसी ने अमरेंद्र धारी सिंह के नाम की 27.76 करोड़ रुपये की सावधि जमा रशीदें, स्विटजरलैंड के बैंक खातों में पंकज जैन की एल्ट्रीयम होल्डिंग्स लिमिटेड और आर्टिस्टिक होल्डिंग्स लिमिटेड कंपनियों के खातों में जमा 47,54,606 डॉलर (करीब 36.55 करोड़ रुपये) और पंकज जैन की ही 54.11 लाख रुपये की आवासीय और वाणिज्यिक संपत्तियों को जब्त किया था। ईडी ने सीबीआई द्वारा 17 मई 2021 को दर्ज एक मामले के आधार पर विभिन्न संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ अपराध से कमाए धन को ठिकाने लगाने, अपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और अपराधिक आचरण के आरोपों में जांच शुरू की थी इनमें इफको के एमडी श्री अवस्थी, रेयर अर्थ ग्रुप दुबई तथा ज्योति ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन के प्रवर्तक पंकज जैन, अमरेंद्र धारी सिंह और अन्य शामिल हैं। ईडी ने कहा है कि जांच से पता लगा है कि श्री अवस्थी और इफको के अन्य लोगों ने अपराध से पैसा अर्जित किया और विभिन्न असम्बद्ध इकाइयों के जरिए उसको घुमाया तथा इस कमायी का कुछ हिस्सा श्री अवस्थी और अन्य के नियंत्रण वाली इकाइयों को हस्तांतरित किया। ईडी ने छह अभियुक्तों के खिलाफ पिछले साल 30 जुलाई को विशेष पीएमएलए अदालत में अभियोग पत्र दायर किया था और कोर्ट ने उसको संज्ञान में ले लिया है।

भारत के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां मई में 11 वर्ष के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्थव्यवस्था की मासिक गतिविधियों का जायजा लेने वाले एक मासिक सर्वे ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मई 2022 में मांग में सुधार और नये कारोबार के विस्तार की बदौलत 11 वर्ष के उच्चतम स्तर पर रही। एस एंड पी ग्लोबल की इस सर्वे रिपोर्ट के अनुसार भारत का सेवा क्षेत्र का पर्चेजिंग मैनेजर सूचकांक (पीएमआई) मई में बढ़कर 58.9 अंक रहा, जो 11 वर्ष का इसका उच्चतम स्तर है। अप्रैल में पीएमआई 57.9 था।

सूचकांक का 50 अंक से ऊपर गतिविधियों में विस्तार और उससे नीचे होना संकुचन दशार्ता है। एस एंड पी ग्लोबल की इस सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 का असर कम होने और लॉकडाउन खुलने के बाद आर्थिक गतिविधियों में सुधार के बीच भारत का सेवा क्षेत्र लगातार मजबूत हो रहा है। मई में इस क्षेत्र की गतिविधियां अप्रैल 2011 के बाद उच्चतम स्तर पर रहीं। सर्वे में कहा गया है कि कोविड-19 लॉकडाउन के खुलने के बाद मांग में सुधार जारी रहने के साथ-साथ नये कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि दिखी है।

पेयजल के लिए धरना

भाजपा नेता विजय गोयल शुक्रवार को नई दिल्ली में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेयजल संकट के विरोध में टाउन हॉल के सामने धरने पर बैठे।

कानपुर हिंसा में सात लोग घायल, अब तक 18 गिरफ्तार

आरोपियों पर लगेगा गैंगस्टर एक्ट, संपत्ति होगी कुर्क

लखनऊ/कानपुर ■ ब्यूरो

यूपी के कानपुर में जुमे की नमाज के बाद परेड, नई सड़क और यतीमखाना समेत कई इलाकों में हुए बवाल के बाद पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। इस मामले में सात लोग घायल हुए है, वहीं कानपुर पुलिस ने अब तक 18 लोगों को गिरफ्तार किया है।

इस घटना पर उत्तर प्रदेश के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने कहा कि एक पक्ष द्वारा दुकानें बंद करने का प्रयास किया, जिसका दूसरे पक्ष के लोगों ने विरोध किया। इसके बाद दोनों पक्षों में टकराव और पत्थरबाजी हुई। घटना को शासन ने बहुत गंभीरता से लिया है। इस वक्त 12 कंपनी और एक प्लाटून पीएसी कानपुर भेजी गई है। इसके साथ कुछ सीनियर अधिकारी भी भेजे जा रहे हैं।उत्तर प्रदेश के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर के मुताबिक, उपद्रव करने वालों की पहचान की जा रही है। अब तक

18 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। वीडियो फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई हो रही है। उपद्रव करने साजिश रचने वालों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई करने के साथ उनकी संपत्ति को जब्त या ध्वस्त किया जाएगा। वहीं, कानपुर पुलिस कमिश्नर विजय प्रकाश मीणा ने कहा कि कानपुर बवाल के आरोपियों की संपत्ति पर न सिर्फ बुलडोजर चलेगा, बल्कि गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई भी की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, इस घटना में मुकेश बाथम, संजय शुक्ला, उत्तम गौड़, मंजीत यादव, राहुल त्रिवेदी और अमर बाथम के रूप में घायलों की पहचान हुई है, जिन्हें इलाज के लिए अस?पताल में भर्ती कराया गया है।कानपुर के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जुमे की नमाज के बाद दो समुदायों के सदस्य आमने-सामने आ गए और उन्होंने एक-दूसरे पर ईंटों से पथराव किया। इस दौरान गोलीबारी भी हुई। इसके साथ उन्होंने बताया कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोग हाल ही में टीवी पर बहस के दौरान भाजपा प्रवक्ता नुपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ की गई कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर नाराज थे और इसी के विरोध में वो इलाके की दुकानें बंद कराने का प्रयास कर रहे थे।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड

नेपाल पहुंची दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में पंजाब और दिल्ली पुलिस की छापेमारी की कार्रवाई लगातार जारी है। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से पूछताछ के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम नेपाल पहुंच चुकी है। पुलिस को शक है कि सिद्धू मूसेवाला पर गोलियां बरसाने वाले शूटर्स नेपाल में छिपे हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि टीम ने नेपाल में शूटर्स की तलाश शुरू कर दी है। स्पेशल सेल की एक टीम मुजफ्फरनगर भी गई हुई थी। सूत्रों के मुताबिक, कुछ शूटर्स की पहचान हो गई है।

शूटर्स की तलाश में छापेमारी जारी

इससे पहले मूसेवाला हत्याकांड में पहली बार लॉरेंस बिश्नोई ने अपनी चुप्पी तोड़ी। उसने दिल्ली पुलिस की पूछताछ में कबूल किया कि उसके गैंग के मेंबर ने ही मूसेवाला को मरवाया है। लॉरेंस ने कहा कि विक्की मिद्दुखेड़ा मेरा बड़ा भाई था, हमारे ग्रुप ने चंडीगढ़ में कालेज के वक्त से उसकी मौत का बदला लेने की कसम खाई थी।' बिश्नोई ने पूछताछ में यह भी कहा कि इस बार ये काम मेरा नहीं है, क्योंकि मैं तिहाड़ जेल नंबर 8 में लगातार बंद था और फोन इस्तेमाल नहीं कर रहा था, लेकिन गैंगस्टर ने ये जरूर कबूल किया कि मूसेवाला की हत्या में उसके गैंग का हाथ है। लॉरेंस ने कहा कि इस हत्याकांड के बारे में उसे तिहाड़ जेल में टीवी देखकर पता चला।

सचिन बिश्नोई था साजिश में शामिल?

लॉरेंस के इस कबूलनामे से ये साफ हो गया है कि बिश्नोई गैंग को जेल के बाहर से आपरेट करने वाला सचिन बिश्नोई भी साजिश में शामिल था, वहीं सुरक्षा एजेंसियों ने सचिन बिश्नोई के इंटरव्यू की तस्दीक की है और बताया है कि ये आवाज सचिन बिश्नोई की ही है।

एक और आरोपी की हुई पहचान

हालांकि ये पूछताछ एक पुराने केस के सिलसिले में हो रही है, लेकिन स्पेशल सेल उससे मूसेवाला हत्याकांड के राज उगलवाना चाह रही है, जिस पर धीरे-धीरे बिश्नोई मुंह खोल रहा है, वहीं इस हत्याकांड में शामिल एक और आरोपी की पहचान पंजाब पुलिस ने की है, जिसका नाम मनप्रीत उर्फ मनी बताया जा रहा है, जो पिंड इलाके तरनतारन का रहने वाला बताया जाता है।

पीओके में रची गई थी कश्मीर में हिंदुओं के कत्लेआम की साजिश

हत्या करने के लिए 200 टारगेट किए थे फिक्स

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कश्मीर में हिंदुओं के कत्ल और घाटी की शांत वादियों को दहलाने की साजिश एक साल पहले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में रची गई थी। सुरक्षा एजेंसियों के पास जानकारी सामने आई है कि इस वक्त कश्मीर में हिंदुओं की टारगेट किलिंग का जो सिलसिला शुरू हुआ है, उसकी पटकथा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मुजफ्फराबाद में आईएसआई द्वारा रची गई थी। इसमें कुल 200 ऐसे लोगों की लिस्ट सामने आई है, जिनकी हत्या की जानी है। बता दें कि कश्मीर में पिछले 26 दिनों में 10 लोगों की हत्या हो चुकी है। लोग मारे डर के घाटी छोड़ने को मजबूर हैं। घाटी में रह रहे लोग अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित ठिकानों की तरफ रुख कर रहे हैं। इन हत्याओं पर अंकुश लगाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाई प्रोफाइल बैठक भी ली है, जिसमें सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के अलावा रॉ चीफ भी मौजूद रहे। सरकार इस मामले में बहुत बड़ा कदम उठा सकती है।

200 लोगों को मारने की प्लानिंग

कश्मीर में टारगेट किलिंग पर बड़ा खुलासा करते हुए खुफिया एजेंसियों ने कहा है कि इन हत्याओं की योजना पिछले साल पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मुजफ्फराबाद में की गई थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, 21 सितंबर 2021 को मुजफ्फराबाद में आईएसआई अधिकारियों और अन्य आतंकी संगठनों के बीच बैठक हुई थी। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, प्लानिंग के दौरान 200 ऐसे लोगों की लिस्ट तैयार की गई, जिनकी जान ली जानी है। एजेंसियों के मुताबिक बैठक में नए नामों से नए आतंकी समूह बनाने की योजना भी सामने आई है।

नए नामों से आतंकी संगठन

सूत्रों के अनुसार, पिछले साल अक्टूबर में इस मुलाकात का खुलासा हुआ था। आईएसआई के आतंकी संगठनों के साथ हुई इस बैठक में तय हुआ था कि अलग-अलग और नए नामों से आतंकी ग्रुप बनाए जाएंगे, जो टारगेट किलिंग की जिम्मेदारी लेंगे। बैठक में निर्णय लिया गया कि कश्मीरी पंडितों, सुरक्षाकर्मियों, आरएसआर और भाजपा के स्थानीय नेताओं के अलावा केंद्र सरकार के कर्मचारियों को निशाना बनाया जाएगा।

लगातार हो रहा पलायन

घाटी में हालात 1990 से भी खराब हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने बिहार के एक मजदूर और बैंक में घुसकर राजस्थान के मैनेजर विजय कुमार की हत्या कर दी। इससे पहले राहुल भट नाम के कश्मीरी पंडित को ऑफिस के अंदर गोलियों से भून दिया। इन हालातों से लोग काफी डरे हुए हैं। अब तक हमारे 30 से 40 परिवार घाटी छोड़ चुके हैं क्योंकि उनकी मांगों को सरकार पूरा नहीं कर सकी है। गौरतलब है कि पूरी कश्मीर घाटी में टारगेट किलिंग की अलग-अलग घटनाओं में 26 दिनों में कम से कम 10 लोग मारे जा चुके हैं। बीते रोज गुरुवार को दो जगहों पर आतंकी हमले हुए। सबसे पहले बैंक मैनेजर विजय कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद शाम को दो प्रवासी मजदूरों पर फायरिंग कर दी गई। उनमें से एक की मौत हो गई है।

यूक्रेन के 20 प्रतिशत हिस्से पर रूस का कब्जा : जेलेंस्की

युद्ध के 100 दिन बाद हालात पर चर्चा

कीव, (एजेंसी)। यूक्रेन पर 100 दिनों से अधिक से रूसी आक्रमण जारी है। पिछले कुछ दिनों में रूस ने यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्रों में हमले तेज कर दिए हैं और अपना फोकस डोनबास और लुहांस्क क्षेत्रों में बढ़ा दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक क्रेमलिन ने इन क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। यूक्रेन ने हाल ही में कहा कि मॉस्को यूक्रेनी क्षेत्र के 20 फीसद हिस्से पर नियंत्रण कर रहा है। इस क्षेत्रों में डोनबास सहित 2014 में क्रीमिया पर किया गया कब्जा शामिल है।

हर दिन मर रहे 100 यूक्रेनी सैनिक : रिपोर्ट्स बताती हैं कि अपेक्षित प्रगति से धीमी गति के बावजूद मास्को की सेना प्रगति कर रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने लक्जमबर्ग के सांसदों को बताया कि करीब 20 फीसद यूक्रेनी क्षेत्र अब रूसी हाथों में है। रूस द्वारा 24 फरवरी से हमले शुरू करने के बाद से हजारों लोग मारे गए हैं और लाखों लोग पलायन करने को मजबूर हुए हैं। जेलेंस्की के मुताबिक युद्ध के मैदान में हर दिन 100 यूक्रेनी सैनिक मर रहे हैं।

रूस से सीधे टकराव नहीं चाहता नाटो : यूक्रेनी सैनिकों ने राजधानी कीव के चारों ओर से रूसी सैनिकों को खदेड़ दिया है और कई इलाकों पर फिर से नियंत्रण कर लिया है जहां रूसी सैनिकों ने कब्जा कर लिया था। लुहांस्क के क्षेत्रीय गवर्नर सर्गेई गेडे ने कहा है कि यूक्रेनी सेना अंत तक लड़ेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वाइट हाउस से बातचीत के बाद नाटो प्रमुख जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने चेतावनी देते हुए कहा कि नाटो रूस के साथ सीधे टकराव नहीं चाहता है, लेकिन हमें लंबी दौड़ के लिए तैयार रहने की जरूरत है।

अमेरिका और पश्चिमी देशों ने की है यूक्रेन की मदद : अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों ने रूसी हमले से बचने में मदद करने के लिए यूक्रेन में हथियार और सैन्य आपूर्ति की है। हाल ही में अमेरिका ने कहा है कि वह यूक्रेन को एडवांस हीमर मल्टीपल रॉकेट लॉन्च सिस्टम भेज रहा है। अमेरिका ने करीब 700 मिलियन का पैकेज भेजा है, जिसमें हवाई-निगरानी रडार, गोला-बारूद और हेलीकॉप्टर आदि शामिल हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इसे आग में घी डालने का काम बताया है।

लोकसभा उपचुनाव : आजमगढ़ से डिंपल की चर्चा पर लगा विराम

अब सुशील आनंद लड़ेंगे उपचुनाव

आजमगढ़, (ब्यूरो)। लोकसभा उपचुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी की तरफ से डिंपल यादव के नाम पर चल रही चर्चाओं पर विराम लग गया है, वहीं अब सपा की तरफ से सुशील आनंद का नाम तय हो गया है। सूत्रों के अनुसार समाजवादी पार्टी की तरफ से लोकसभा उपचुनाव में सुशील आनंद को प्रत्याशी घोषित कर गया है। गौरतलब है कि सुशील आनंद पूर्व राज्यसभा सांसद स्व. बिहारी बाबू के बेटे हैं। सुशील आनंद को मैदान में उतारने के पीछे राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सपा दलित कार्ड खेलकर अपने किले को बचाने की रणनीति अपना रही है।

आज का इतिहास

- **1039:** हेनरी तृतीय रोम का सम्राट बने।
- **1896:** हेनरी फॉर्ड ने अमेरिका के डेट्रॉइट शहर में अपना पहला मॉडल परीक्षण के लिए उतारा।
- **1919:** अमेरिकी नौसेना ने कोस्टारिका पर हमला किया।
- **1928:** चीन के राष्ट्रपति हांग जोलिन की जापानी एजेंट ने हत्या की।
- **1929:** जॉर्ज ईस्टमेन ने पहली रंगीन फिल्म का नमूना पेश किया।
- **1936:** हिंदी सिनेमा की जानी मानी अभिनेत्री नूतन का जन्म। उन्हें बंदिनी, सुजाता, अनाड़ी सहित अनेक फिल्मों में उनकी सदाबहार अदाकारी के लिए जाना जाता है।
- **1940:** द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी की सेना ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में प्रवेश किया।
- **1944:** अमेरिकी सेना ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान रोम में प्रवेश किया।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में वोट बैंक की राजनीति न करें

अल्पसंख्यकों को लेकर अमेरिकी रिपोर्ट पर भारत का करारा जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को अमेरिकी विदेश विभाग की उस रिपोर्ट पर तीखी प्रतिक्रिया दी है जिसमें अमेरिका ने कहा था कि भारत में अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं। भारत ने बयान जारी कर कहा है कि अमेरिकी अधिकारियों ने इस मामले से अंजान हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में वोट बैंक की राजनीति चल रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि हमने अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी विदेश विभाग की 2021 की रिपोर्ट पर की गई टिप्पणी पर संज्ञान लिया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में वोट बैंक की राजनीति की जा रही है। हम आग्रह करेंगे कि गलत इनपुट के आधार पर आकलन से बचा जाए। दरअसल अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन द्वारा अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी विदेश विभाग 2021 की रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि भारत में अल्पसंख्यक समुदायों पर हमले पूरे साल जारी रहे। अरिंदम बागची ने कहा कि बहुलवादी समाज के तौर पर मानवाधिकारों को महत्व देता है। हम अमेरिका के साथ नस्लीय हमलों और हेट क्राइम से जुड़े अपराधों पर चर्चा करते हैं। इससे पहले भारत ने धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट को खारिज करते कहा था कि किसी विदेशी सरकार को भारत के नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों की स्थिति के बारे में टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है।

ड्राइविंग टेस्ट के लिए वेटिंग का झंझट होगा खत्म, सरकार बढ़ा रही है सुविधा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में अब ऑन लाइसेंस बनवाने वालों के लिए केजरीवाल सरकार और अच्छे इंतजाम करने जा रही है। ट्रांसपोर्ट विभाग फेसलेस सर्विसेज और ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक की सुविधा दुरूस्त बनाने जा रहा है। इतना ही नहीं सरकार ऑटोमेटेड टेस्ट के लिए मौजूदा ट्रैकों की संख्या भी 12 से 20 करने जा रही है, जिससे कि वेटिंग कम की जा सके।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाल में सराय काले खां स्थित आरटीओ दफ्तर का दौरा कर ऑटोमेटेड टेस्ट ट्रैक का जायजा लिया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि फेसलेस सर्विसेज और ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक के मामले में दिल्ली पूरे देश को रास्ता दिखा रही है। देश में फेसलेस सुविधा शुरू करने वाला दिल्ली पहला और अकेला राज्य है। दिल्ली में इन जगहों पर बने हैं ऑटोमेटिक ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक:दिल्ली में 12 ऑटोमेटिक ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक बन चुके हैं। यह ट्रैक शकूर बस्ती, राजा गार्डन, मयूर विहार, रोहिणी सेक्टर-28, लाडो सराय, हरि नगर, बुरारी, वीआईयू, लोनी रोड, द्वारका सं-22, झरोदा कलानी, विश्वास नगर में बन चुके है।

क्लास में हिजाब पहनने पर छह छात्राएं निलंबित

मंगलुरू, (एजेंसी)। कर्नाटक में दक्षिण कन्नड़ जिले के मंगलुरू में एक सरकारी कॉलेज में हिजाब विवाद गहरा गया। यहां की 6 छात्राओं को कक्षा के दौरान हिजाब पहनने पर निलंबित कर दिया गया है। हालांकि कॉलेज प्रबंधन ने छात्राओं को क्लास में हिजाब नहीं पहनने की चेतावनी दी थी, जिसे छात्राएं ने नजरअंदाज कर रही थीं। इसके बाद उप्पिनागेडी के सरकारी फर्स्ट ग्रेड कॉलेज के प्रिंसिपल शेखर एमडी ने सख्त कार्रवाई करते हुए 6 छात्राओं को निलंबित कर दिया। इस दौरान कुछ छात्रों ने लड़कियों के हिजाब पहनकर आने के विरोध में कॉलेज में ही भगवा शॉल पहनकर आना शुरू किया तो कॉलेज प्रबंधन ने कार्रवाई का फैसला लिया।

हिजाब विवाद को रिपोर्ट करने जब टीवी चैनलों के दो पत्रकार कॉलेज पहुंचे तो हिजाब समर्थक छात्रों ने उन्हें कैद कर लिया, यही नहीं, उनके मोबाइल फोन से वीडियो क्लिपिंग को भी मिटा दिया गया। कन्नड़ न्यूज चैनलों में काम करने वाले अजित कुमार और प्रवीण कुमार ने इसकी शिकायत दर्ज कराई है। उनके मुताबिक करीब 20 छात्रों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। धकेलते हुए एक क्लासरूम में ले गए और वहां पर कैद कर लिया। छात्रों ने उन्हें तभी छोड़ा, जब उन्होंने अपने फोन से वीडियो को हटा दिया।उप्पिनागेडी पुलिस ने कॉलेज के 25 छात्रों के खिलाफ आईपीसी की धारा 143, 323, 342, 506 और 149 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

8 साल भारत के इतिहास के लिए गोल्डन पीरियड है : सिंह

प्रयागराज (ब्यूरो)। रिपोर्ट टू नेशन मोदी सरकार के 8 साल पूरे होने पर मोतीलाल नेहरू सभागार जिला पंचायतराज में प्रेस वार्ता करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 8 साल के सफल कार्यकाल में चार युग निर्माण हुआ। पहला सुधार युग, दूसरा वैश्विक स्तर पर लीडरशिप युग, तीसरा युग परिवर्तन युग, चौथा प्रतिमान विस्थापन युग है।

सिंह ने कहा 2014 में जनधन योजना की शुरुआत हुई, इसमें मोबाइल नंबर व आधार कार्ड जोड़कर गरीबों को बड़ी सौगात दी। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहते थे एक रुपए दिल्ली से चलता है और 10 पैसे गांव में पहुंचता है। आज 8 साल में डीबीटी के जरिए 22 लाख करोड़ गरीबों के खातों में धनराशि पहुंची है।

सियासत उप्र में सभी 11, तमिलनाडु में छह, निर्विरोध निर्वाचित, 15 राज्यों की 57 रास सीटों के लिए 10 को चुनाव

चिदंबरम, सिब्बल सहित 41 उम्मीदवार राज्यसभा पहुंचे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राज्यसभा के लिए शुक्रवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित 41 उम्मीदवारों में कांग्रेस के पी. चिदंबरम और राजीव शुक्ला, भाजपा की सुमित्रा वाल्मीकि और कविता पाटीदार, कांग्रेस के पूर्व नेता कपिल सिब्बल, राष्ट्रीय जनता दल की मीसा भारती और राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधरी शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश में सभी 11, तमिलनाडु में छह, बिहार में पांच, आंध्र प्रदेश में चार, मध्य प्रदेश और ओडिशा में तीन-तीन, छत्तीसगढ़, पंजाब, तेलंगाना और झारखंड में दो-दो और उत्तराखंड में एक उम्मीदवार बिना किसी मुकाबले के निर्वाचित हुए। निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए 41 उम्मीदवारों में से 14 भाजपा के, चार-चार कांग्रेस और वाईएसआर कांग्रेस के हैं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम और बीजू जनता दल के तीन-तीन; आम आदमी पार्टी, राजद, तेलंगाना राष्ट्र समिति, अन्नाद्रमुक के दो-दो, झामुमो, जद(यू), सपा और रालोद के एक-एक नेता तथा निर्दलीय कपिल सिब्बल शामिल हैं।

पंद्रह राज्यों की 57 राज्यसभा सीट भरने के लिए 10 जून को चुनाव होने थे, जो जून और अगस्त के बीच अलग-अलग तारीखों पर सदस्यों के सेवानिवृत्त होने के कारण खाली हो जाएंगे। शुक्रवार को नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तारीख थी। अब महाराष्ट्र की छह, राजस्थान और कर्नाटक की चार-चार और हरियाणा की दो सीट के लिए 10 जून को चुनाव होंगे। उसी दिन परिणाम भी घोषित कर दिए जाएंगे।

उत्तर प्रदेश में निर्वाचित घोषित 11 उम्मीदवारों में से भाजपा के आठ तथा समाजवादी पार्टी और रालोद के एक-एक तथा निर्दलीय सिब्बल हैं। राज्य के विजेता नेताओं में जयंत चौधरी (रालोद), जावेद अली खान (सपा), दर्शन सिंह, बाबू राम निषाद, मिथिलेश कुमार, राधा मोहन दल अग्रवाल, के. लक्ष्मण, लक्ष्मीकांत वाजपेयी, सुरेंद्र सिंह नागर, संगीता यादव (सभी भाजपा) शामिल हैं। तमिलनाडु से सत्तारूढ़ द्रमुक के एस कल्याणसुंदरम, आर गिरिराजन और केआरएन राजेश कुमार, अन्नाद्रमुक के सी वी षणमुगम और आर धर्मर और कांग्रेस के चिदंबरम विजयी हुए हैं। उच्च सदन में, द्रमुक की 10 की मौजूदा ताकत अपरिवर्तित बनी रहेगी, लेकिन अन्नाद्रमुक का प्रतिनिधित्व पांच सदस्यों में घटकर चार सदस्यों का रह जाएगा। चिदंबरम के निर्वाचन के साथ ही, कांग्रेस पार्टी के पास लंबे अंतराल के बाद राज्यसभा में तमिलनाडु से एक सदस्य होगा। चिदंबरम 2016 में महाराष्ट्र से राज्यसभा के लिए चुने गए थे और उनका कार्यकाल चार जुलाई को समाप्त हो रहा है।

बिहार के सभी पांच उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए, जिनमें मीसा भारती और फैयाज अहमद (राजद), सतीश चंद्र दुबे और शंभू शरण पटेल (भाजपा) और खीरू महतो (जेडीयू) शामिल हैं। राजद प्रमुख लालू प्रसाद की सबसे बड़ी बेटी भारती और दुबे लगातार दूसरी बार राज्य सभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। आंध्र प्रदेश से सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस के वी विजयसाई रेड्डी, बीडा मस्तान राव, आर कृष्णैया और एस निरंजन रेड्डी भी निर्विरोध चुने गए। इस जीत के साथ, वाईएसआरसी की ताकत अब राज्यसभा में बढ़कर नौ हो गई है,।

प्रयागराज मंडल द्वारा राजस्व अर्जन में उत्कृष्ट प्रदर्शन

प्रयागराज (ब्यूरो) उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल द्वारा मौजूदा बाधाओं को दूर कर और ग्राहकों को बेहतर से बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए एवं माल लदान को तेज करने जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं, जिसके अंतर्गत मंडल द्वारा वैगन लदान में उत्कृष्ट कार्य करते हुए माह मई 2022 में 16651 वैगनों के माध्यम से 577987 मीट्रिक टन माल लदान करते हुए 58.26 करोड़ का राजस्व अर्जित किया, जो कि पिछले वर्ष समान अवधि में अर्जित रुपए 40.90 करोड़ से 42.45 प्रतिशत अधिक है। माल लदान में भी मंडल द्वारा पिछले वर्ष माह मई 2021 में लदान किए गए 416036 मीट्रिक टन माल के स्थान पर 577987 मीट्रिक टन माल लदान किया गया, जो की 38.93 प्रतिशत अधिक रहा।

अप्रैल से मई तक 117.02 करोड़ का राजस्व अर्जित

वहीं रेलवे प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार एटीवीएम (ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन) द्वारा जारी सभी सुविधाओं के लिए डिजिटल भुगतान अधिकृत किया गया है। इसमें यात्री, यात्रा हेतु टिकट, प्लेटफार्म टिकट एवं मासिक पास के नवीकरण के लिए एटीवीएम पर पेटीएम एवं यूपीआई क्यूआर कोड के माध्यम से डिजीटल भुगतान कर सकते हैं।

मोटी सैलरी शानदार करियर चाहिए तो करें कंपनी सेक्रटरी कोर्स

अभी जिन जॉब की मार्केट में काफी डिमांड है, उनमें से एक कंपनी सेक्रटरी (सीएस) की जॉब है। भारत में मौजूदा समय में करीब 7,000 कंपनी सेक्रटरीज की जरूरत है। हर साल इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) से 3,000 से 4,000 सीएस प्रफेशनल पास आउट होते हैं। हर साल जितने कंपनी सेक्रटरी पास होते हैं, उनकी संख्या से ज्यादा संख्या में हर साल कंपनियों की स्थापना हो रही हैं। जिन कंपनियों को सीएस की जरूरत नहीं होती है, उन कंपनियों ने भी कानून की जटिलताओं को देखते हुए कंपनी सेक्रटरीज को हायर करना शुरू कर दिया है। ऐसे में यह एक बेहतर करियर हो सकता है। कैसे करें, कहां से करें, क्या है अवसर, कितनी मिलेगी सैलरी, इस तरह की जानकारी के लिए आगे की स्लाइडों को देखें...

काम क्या करना होता है?

कंपनी सेक्रटरीज इन हाउस लॉयर्स की तरह होते हैं जो किसी संगठन में कॉर्पोरेट सेक्रटेरियल डिपार्टमेंट की हर दिन की गतिविधियों और कार्य की देख रेख करते हैं। वे प्रफेशनल होते हैं जो कंपनी में गवर्नेंस से संबंधित मामलों की देखभाल करते हैं और कॉर्पोरेट अफेयर्स मिनिस्ट्री, स्टॉक एक्सचेंज एवं सिक्यॉरिटीज ऐंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) समेत रेग्युलेटरों को भेजने जाने वाले दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते हैं। वे बोर्ड मीटिंगों का आयोजन करने, अजेंडा तैयार करने, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को नोटिस जारी करने और संगठन के कानूनी अनुपालन के मामले को हैंडल करने के लिए जिम्मेदार होते हैं। कंपनी लॉ के अलावा कई ऐसे लॉ हैं जो कंपनियों पर लागू होते हैं। उनको इन कानूनों के मुताबिक किसी मामले से निपटना होता है। लिस्टेड कंपनियों पर लागू होने वाले सेबी के रेग्युलेशन का कंपनी द्वारा पालन सुनिश्चित करना भी उनकी जिम्मेदारी होती है।

कैसे, कहां से करें कोर्स?

इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) एक अग्रणी नैशल प्रफेशनल बॉडी है जो भारत में कंपनी सेक्रटरीज के पेशे को विकसित और रेग्युलट करती है। सीएस कोर्स ऐच्छिक ऑरल कोचिंग के विकल्प के साथ पत्राचार/डिस्टेंस लर्निंग के माध्यम से ऑफर किया जाता है। छात्रों के लिए आईसीएसआई द्वारा एक ई-लर्निंग पोर्टल लॉन्च किया गया है। इसके लिए साल भर ऐडमिशन होते रहते हैं।

12वीं (आर्ट्स, साइंस या कॉमर्स) के बाद जो छात्र यह कोर्स करना चाहते हैं उनको कंपनी सेक्रटरीज के कोर्स के लिए तीन चरणों से गुजरना होता है। उनको (1) फाउंडेशन प्रोग्राम (चार पेपर्स) (2) एग्जिक्युटिव प्रोग्राम (छह पेपर्स) और (3) प्रफेशनल प्रोग्राम (आठ पेपर्स) करने होते हैं। ग्रैजुएशन के बाद छात्रों को सीएस प्रोग्राम के दो चरण यानी एग्जिक्युटिव प्रोग्राम और प्रफेशनल प्रोग्राम करना होता है। उनको प्रैक्टिकल ट्रेनिंग से भी गुजरना पड़ता है।

दाखिला प्रक्रिया

आर्ट्स, साइंस और कॉमर्स स्ट्रीम से 12वीं पास करने वाले छात्र (फाइन आर्ट्स समेत) फाउंडेशन प्रोग्राम में दाखिला लेने के पात्र हैं। फाउंडेशन प्रोग्राम या आर्ट्स, साइंसें और कॉमर्स ग्रैजुएट्स (फाइन आर्ट्स को छोड़कर) सीएस एग्जिक्युटिव प्रोग्राम में दाखिला लेने के पात्र हैं। छात्रों की आयु 17 साल से कम नहीं होनी चाहिए। छात्रों को अनिवार्य रूप से कंप्यूटर प्रशिक्षण पूरा करना होगा या सीएस एग्जिक्युटिव प्रोग्राम लिखने से पहले उनको बाहर कर दिया जाएगा। प्रफेशनल प्रोग्राम में तभी दाखिला मिलता है जब एग्जाम शुरू होने वाले महीने से कम से कम नौ महीने पहले प्रफेशनल प्रोग्राम के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया होता है।

एग्जिक्युटिव प्रोग्राम

एग्जिक्युटिव प्रोग्राम फाइन आर्ट्स स्ट्रीम को छोड़कर किसी भी स्ट्रीम के ग्रैजुएट कर सकते हैं। सीएस कोर्स के एग्जिक्युटिव प्रोग्राम को क्लियर करने के बाद ही प्रफेशनल प्रोग्राम कर सकते हैं। इसके अलावा छात्र को एग्जिक्युटिव प्रोग्राम या प्रफेशनल प्रोग्राम पास करने के बाद 15 महीने की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग लेनी होगी। प्रफेशनल प्रोग्राम पास करने और सभी तरह की जरूरी ट्रेनिंग पूरा करने के बाद 15 दिनों का सेक्रटेरियल मॉड्यूल ट्रेनिंग प्रोग्राम (एसएमटीपी) करना पड़ता है। सीएस प्रफेशनल प्रोग्राम पास करने के बाद छात्र प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने तक अपने विकल्प में आईसीएसआई में पंजीकरण करा सकते हैं। प्रफेशनल एग्जाम क्वॉलिफाई करने और ट्रेनिंग के सफल समापन पर कैंडिडेट को आईसीएसआई के असोसिएट सदस्य के रूप में दाखिला दे दिया जाता है। एक साल में दो बार जून और दिसंबर में परीक्षा होती है। आईसीएसआई का एनएलएस बेंगलुरु, नलसार, हैदराबाद, आईसीडब्ल्यूएआई और आईसीएआई, आईसीएसए लंदन एवं अन्यों से समझौता ज्ञापन है।

सैलरी

कंपनी सेक्रटरीज ऐसा कोर्स है जिसमें न सिर्फ जॉब के अवसर बहुत हैं बल्कि सैलरी भी काफी आकर्षक है। एक सीएस प्रफेशनल आराम से 25-30 लाख रुपये सालाना कमा सकता है।

अवसर

कुल 10 लाख कंपनियां हैं जिनमें से करीब एक लाख प्राइवेट लिमिटेड कंपनी हैं और 7,000 स्टॉक मार्केट में सूचीबद्ध हैं। इन 7,000 कंपनियों से करीब 1,000 बहुत ही बड़ी कंपनी हैं और उनको ऐसे कई प्रफेशनल्स की जरूरत हैं। यानी इस सेक्टर में अवसर की कमी नहीं है।

करना चाहते हैं बेहतरीन नेचुरल फोटोग्राफी, तो इन 7 जगहों पर जरूर जाएं

ऐसा नहीं है कि केवल फोटोग्राफर ही फोटो खींचने का हुनर रखते हैं। कुछ लोग शौक के तौर पर भी यह फोटोग्राफी करते हैं। अक्सर लोग जब कहीं घुमने जाते हैं तो वहां की मेमोरिज को कैमरे में कैद करते हैं। कुछ लोगों के लिए फोटोग्राफी वरशिप से कम नहीं होती। ट्रैवलिंग और फोटोग्राफी लगभग एक दूसरे के लिए जरूरी होती हैं। इंडिया में बहुत सारे टूरिज्म प्लेस हैं और बहुत सारे ऐसे जगह भी हैं जो फोटोग्राफी के लिए बेस्ट हैं। जानते हैं ऐसे हीं टूरिज्म प्लेस के बारे में...

तसोमोरीरी लेक

यह लेक लद्दाक में है। यह लेक इंडिया के सबसे हाई ऐल्टिट्यूड लेक में आता है। गर्मियों में जाना ज्यादा फायदेमंद होगा। इंडिया के बेस्ट लेक में से एक है।

थार डेजर्ट

थार डेजर्ट, इंडिया और पाकिस्तान के बीच के एक नेचुरल बार्डर का काम करती है। यहां खूबसूरत सैंड और कैमल राइड को कैमरे में बंद कर सकते हैं। थार डेजर्ट, गुजरात, पंजाब और हरयाणा तक फैला हुआ है। यह बहुत ही पॉपुलर टूरिस्ट डेस्टीनेशन है।

पंबन ब्रीज

पंबन ब्रीज रामेश्वरम में है और यह आईलैंड को इंडियन मेनलैंड से कनेक्ट करती है। बहुत ही सुंदर दिखता है, इसलिए आप यहां जरूर जीए और फोटो लेना बिल्कुल भी ना भुले।

हम्पी

कर्नाटक के उत्तरी भाग में स्थित हम्पी बेंगलुरु से केवल 350 किलोमीटर दूर है, और सड़कों के रास्ते से बेंगलुरु से हम्पी तक केवल कुछ घंटों में पहुंचा जा सकता है। यह यूनेस्को का विश्व विरासत स्थल है, जो हर साल लाखों टूरिस्ट को अपनी तरफ आटरैक्ट करता है। हम्पी अपने खंड़हरों की सुंदर वास्तुकला के लिए भी फेमस है। यहां कई फेमस मंदिर हैं जिनमें वीरूपाक्ष मंदिर, विट्ठल मंदिर और अंजनियाद्री मंदिर शामिल हैं।

नुब्रा वैली

लद्दाख के बाग के नाम से जाना जाने वाली नुब्रा वैली फूलों की घाटी कहलाती है। गर्मियों के मौसम में यहां पीले रंग के जंगली गुलाब खिल जाते हैं। जिनका दृश्य बेहद लुभावना लगता है। साल भर बर्फ से ढकी रहने वाली नुब्रा वैली बहुत फेमस है, जिसे हर नए जोड़ें पसंद करते हैं। वाराणसी वाराणसी भारत की धार्मिक राजधानी के रूप में फेमस है। यहां दुनिया के हर कोनें से तीर्थयात्रि आते हैं। यह गंगा नदी के तट पर स्थित है। यहां बहुत सारे ऐसे घाट हैं जहां पूजा होती है और बहुत सारे ऐसे हैं जहां बॉडी जलाया जाता है।

-मप्र श्रीवास्तव-

कहानी: सीमांत

एक दिन जब मोनिका ने अपने पति डा. सुधीर से कहा था, शादी होने से ही अगर आप यह समझ लें कि मैं आप की दासी बन गई हूं तो यह आप की गलतफहमी है. मैं आजादखयाल औरत हूं और मर्द की ताबेदारी में रह कर अपनी जिंदगी सड़ा देने के खिलाफ हूं, तब सुधीर थोड़ी देर हक्काबक्का सा रह गया था. फिर उस ने उसे समझाते हुए कहा था, मैं समझा नहीं, मोनिका. तुम्हें किस बात का कष्ट है? इतना बड़ा मकान है, कार है, अपने लड़के जैसी उम्र का देवर है. और अब तो हमारी एक छोटी सी बच्ची ऋचा भी है. सभी तो तुम्हारा मुंह जोहते रहते हैं. हां, मैं जरूर जरा व्यस्त रहता हूं डाक्टर होने के नाते, फिर जरा सूखी हंसी हंसते हुए उस ने यह भी जोड़ दिया, और रही मर्द की ताबेदारी, सो, मोनिका, मेरे घर में तुम्हीं एक मर्द हो. मैं तो एक परछाईं भर हूं.

मोनिका ने कुछ तल्खी से कहा था, ये सब तुम मर्दों की चालाकी भरी बातें हैं. असलियत में ये सबकुछ, जो तुम ने गिना डाला, तुम्हारा है, तुम्हारा काम है. मैं अगर उस में फंसी रहूं तो वह मेरे लिए बंध जाना मात्र हुआ. मैं तुम्हारी बातों में भूली रह कर इस बंधन में पड़ी रहूं तो मैं ने अपने लिए, अपना काम क्या किया. आधुनिक स्त्री, मर्द की इस धोखाधड़ी को पहचान गई है. इसीलिए तो उस ने नारीमुक्ति का नारा बुलंद किया है. मैं ने जब शादी की तब तक बंधन के स्वरूप से परिचित न थी पर अब मैं खूब जान गई हूं और इसीलिए मैं मुक्ति की ओर जाना चाहती हूं, समझे, डाक्टर साहब? सुधीर के मुख पर मुसकान आ गई थी, वह शायद अपने भीतर के तनाव को हलका करने का प्रयत्न कर रहा था. समझा तो मैं अब भी नहीं. मैं ने अब तक सुन रखा था कि पुरुष के लिए स्त्री ही बंधनस्वरूप है. परंतु आज की स्त्री यदि कहे कि नारी के लिए पुरुष एक बंधन है और उस से उसे मुक्ति चाहिए तब तो मुझे सचमुच समझ में नहीं आता कि यह मुक्ति क्या बला है. खैर, तुम मेरी तरफ से आजाद हो. जो भी चाहो, कर सकती हो, जहां भी चाहो, रह सकती हो.

फिर सुधीर धीरे से, जैसे अपने को समझा रहा हो, बोला, यह मुक्ति अगर कोई मर्ज, कोई सनक या फिसड्डीपन है, तब तो लक्षण पूरे प्रकट हो जाने पर ही इस का इलाज संभव है, उस ने मोनिका के मुकरते हुए मुख पर ध्यान न दिया था. इसी के बाद तो डाक्टर सुधीर और उन की पत्नी मोनिका के रास्ते अलगअलग हो गए थे. मोनिका के लिए समाज में अपना स्थान बनाना कठिन काम न था. वह अत्याधुनिक विचारों वाली और उच्चशिक्षिता थी, किसी से मिलनेजुलने, हंसनेबोलने में कोईहिचक नहीं, जैसा रूपरंग उजला, उतनी ही आला काबिलीयत. एक विख्यात प्राइवेट कंपनी के जनसंपर्क अधिकारी के पद के लिए आवेदन करने पर उसे साक्षात्कार के लिए बुलाया गया. डायरैक्टरों के सामने उस ने शीघ्र ही सिद्ध कर दिया कि उम्मीदवारों में वह सर्वश्रेष्ठ है. अन्य बातों पर ध्यान देते हुए जब पता चला कि वह डाक्टर सुधीर की पत्नी है तो डायरैक्टरों ने बगैर विमर्श के उस को पद के लिए मनोनीत घोषित कर दिया.

उन में से एकदो ने शक करते हुए जाहिर किया कि डाक्टर सुधीर जैसे सुविख्यात व्यक्ति की पत्नी होते हुए भी मोनिका को नौकरी की क्या जरूरत पड़ गई तो उन्हीं में से एकदो ने उस का उत्तर भी दे दिया कि स्त्री अपनी सुशिक्षा और योग्यता को घर की चारदीवारी में बंद कर के सड़ा दे क्या? नौकरी लग जाने के बाद मोनिका ने अपने को पूरी तरह से नए काम के सिपुर्द कर दिया. वह अपने कर्तव्य का बड़ी सावधानी से, बड़े मनोयोग से पालन करती, यथासंभव अपने काम में कोई कमी न रहने देती. यही नहीं, इस बात की भी चेष्टा करती कि जो काम वह हाथ में ले वह उच्चाधिकारियों की आशा से अधिक सफल हो. इस कारण उस के अधिकारी उस से बहुत खुश थे तथा उस के ऊपर काफी जिम्मेदारी के काम डालते रहते थे. इस तरह मोनिका काफी व्यस्त रहती थी. अपने घर लौटने या परिवार के साथ कुछ समय बिताने में भी उसे कोई विशेष रुचि न थी. उस की छोटी बच्ची ऋचा को उस की समीपता का अधिक सुख न मिल पाता था. मोनिका के घर लौटने या खानेपीने का कोई निश्चित समय न रह गया था.

सुधीर को इस विषय में कोई फिक्र न थी. उस ने तो अपने को मोनिका के व्यक्तित्व से अलग करने का निश्चय ही कर लिया था. परंतु घर वाले उदास हो जाते, जब वे मोनिका को सारे दिन की भागदौड़ के बाद थकान से चूर हो कर पड़ते देखते. सुधीर स्त्रियों को अपने व्यक्तित्व के विकास में पूरी सुविधा देने का कायल था. मोनिका के साहस की वह मन ही मन सराहना करता. परंतु साथ ही उस के मन के किसी कोने में यह भी था कि मोनिका छोटी सी सफलता से ही संतुष्ट हो कर अपनी कार्यशक्ति को कुंद कर ले या अपने दायित्व की गुरुता से टूट कर अपना पैर पीछे हटा ले, इसलिए उस ने मोनिका को एक झटका देना चाहा. एक दिन मोनिका के कमरे में जा कर सुधीर ने पूछा, कहो, कामधाम कैसा चल रहा है? मोनिका गर्वित स्वर में बोली, आप क्या मेरी हंसी उड़ा रहे हैं. मैं आप के बराबर चाहे कमाई न करती हूं परंतु काम के मामले में कंपनी के डायरैक्टर तक मेरा लोहा मानते हैं.

सुधीर ने हंस कर कहा, कुछ भी हो, पर तुम्हारे डायरैक्टर्स मुझे ज्यादा जानते हैं. मोनिका ने झपट कर कहा, क्या मतलब? मतलब साफ है. यह मैं नहीं कहता कि तुम्हारा महत्त्व नहीं है, परंतु इस बात का भी महत्त्व है कि तुम डाक्टर सुधीर की पत्नी हो. वह डाक्टर सुधीर, जिस ने यहां के समाज में ऊंची प्रतिष्ठा बना ली है.

मैं पूछती हूं कि आप साफसाफ क्यों नहीं कहते कि आप तलाक चाहते हैं?

मेरा कहना है कि यदि तुम्हें मुक्ति की चाह है तो पूरी मुक्ति पा लो. अभी तो तुम खूंटे से बंधी हुई उस गाय की तरह हो जिस की रस्सी लंबी कर दी गई हो, और जो घूमघाम कर फिर खूंटे पर लौट आती हो. यह खूंटा, चाहे नाम का ही हो, नहीं रहना चाहिए. मोनिका सन्न रह गई. उस की छाती के भीतर एक गोला उठा और गले पर आ कर अटक गया. आंखों के कोने पर जैसे कांटा चुभा, आंसू की बूंद छलकने को हुई कि वह संभल गई. उस ने सूखे स्वर में कहा, आप ठीक कहते हैं. दूसरे दिन जब मोनिका औफिस गई तो घर यानी कि डाक्टर सुधीर के मकान पर नहीं लौटी. कमाई उस की अच्छी थी ही, उस ने कामकाजी महिलाओं के होस्टल में एक कमरा ले लिया. परंतु उस के मन में शांति न थी. भीषण प्रतिक्रिया के आवेश में उस का मन अस्थिर रहता. सो, उस से बचने के लिए वह अपने को अधिक व्यस्त रखने लगी. उस ने अपने दफ्तर में ज्यादा जिम्मेदारी और वक्त की मांग करने वाले काम लेने शुरू कर दिए. यह चीज उस की उन्नति की दशा में सार्थक सिद्ध हुई. इस से कंपनी के संचालक वर्ग के बीच उस की प्रतिष्ठा भी बढ़ी.

दफ्तर के घंटे के बाद अपनेअपने घर की तरफ भागने की जल्दी सब को ही रहती है. काम से ज्यादा लदे हुए व्यक्तियों को जरूरी काम पूरे करने के लिए मजबूरन देर तक ठहरना पड़ता है. मोनिका को यदि उन चंद व्यक्तियों में गिना जाए, तब तो ठीक ही है. पर देर से उठने पर भी जहां दूसरे झटपट अपने घर पहुंचना चाहते थे, मोनिका के लिए तब भी कोई जल्दी न होती और तब उस के चेहरे पर एक अव्यक्त उदासी छा जाती. स्त्रियों के होस्टल में अकसर वही स्त्रियां रहती हैं जिन के घर कहीं दूर या दूसरे शहर में होते हैं और वे नौकरियां इस शहर में करती हैं. अधिक बड़े परिवार की सदस्याएं भी कभीकभी आवास समस्या के कारण होस्टल में आ ठहरती हैं तथा इस प्रकार अपने घर में जगह की तंगी को पूरा करने की चेष्टा करती हैं. इन सब की अपनी मंजिलें हैं, निजी दायरे हैं, सगेसंबंधी हैं. ये सभी होस्टल में रह कर भी एक दूरी से निकटता का अनुभव करते हुए अपनेआप को उन के नजदीक पाती हैं, अपने मांबाप, भाईबहन, बच्चे या पति की बातें करती रहती हैं.

हां, कुछ औरतें उस के होस्टल और दफ्तर, दोनों जगह ही थीं, जो उस के गुट में कुछकुछ फिट बैठ पाती थीं. वे सुशिक्षित कुमारिकाएं, जो विवाह बंधन में अभी तक न बंधी थीं तथा अपने को उन्मुक्त विचारों वाली आधुनिकाएं मानती थीं या फिर वे कार्यकुशल महिलाएं जो निश्चिंत निर्द्वंद्व हो कर आगे बढ़ना चाहती थीं. परंतु सिद्धांत रूप से वे दोनों भी उस की धारणा के स्तर से नीची ही थीं, क्योंकि आधुनिकाओं का लक्ष्य था, ग्लैमर तथा कैरियर. मोनिका अकसर खीझ उठती थी कि पुरुष की गुलामी में घिसटती हुई यह स्त्री क्या अभी भी मुक्ति की तड़प का अनुभव नहीं कर पा रही है? साजशृंगार कर मर्द को रिझाने या तलवे चाट कर मर्द की खुशामद करने में ही स्त्री जीवन की सार्थकता क्यों मान रही है? कंपनी के कर्मचारियों का अपने बीच ही नहीं, संचालकों के साथ भी काफी सहृदयतापूर्ण व्यवहार था. वे सभी आपस में बड़े सद्भाव से हंसतेबोलते तथा सामाजिक अवसरों पर मिलतेजुलते थे. इसलिए मोनिका का दैनिक जीवन किसी प्रकार की नीरसता से नहीं गुजर रहा था. उसे अकसर कभी चायपार्टी के, कभी भोजन के, किसी के त्योहार के, किसी के उत्सव आदि के निमंत्रण मिलते ही रहते थे. वह उन सब में शरीक भी होती थी.

हरीश के घर में एक ऐसे ही सम्मेलन के मौके पर परिचय के समय हरीश ने जब यह कहा, आप, मोनिकाजी हैं, डाक्टर सुधीर की श्रीमती, तो श्रीमती उमा झट से बोलीं, वाह, बड़ी खुशी हुई. डाक्टर सुधीर नहीं आए? और मोनिका के कान लाल हो उठे. उस ने कहा, क्यों, सिर्फ मेरा आना काफी नहीं है क्या? तब हरीश को अपनी गलती का भान हो गया, तुरंत बात बनाने की कोशिश में बोला, क्यों नहीं, इन्होंने तो ऐसे ही पूछ लिया.

मोनिका ऊपर से हंसते हुए भी भीतर के तनाव को स्पष्ट करते हुए बोली, वह मैं समझती हूं, मिस्टर हरीश. क्या किया जाए, संस्कार ही ऐसे घुसे हैं कि स्त्री का अस्तित्व पुरुष के बिना अधूरा ही माना जाता है.कंपनी का एक युवा अधिकारी लोकेश नायक, जो अपनी तत्परता और हंसमुख प्रकृति के कारण बड़ा लोकप्रिय था, टोकते हुए बोला, मैं आप के दृष्टिकोण की कद्र करता हूं, मोनिकाजी, बहुत योग्य और अति आधुनिक विचारों वाली स्त्री अपने पैरों पर खड़ी होने के बाद भी, जब अपने व्यक्तित्व को स्वतंत्र नहीं महसूस कर पाती तो यह बात विचारणीय हो जाती है. लोकेश और मोनिका के मतैक्य ने उन के बीच अनायास ही मैत्रीभाव का सृजन कर दिया. दोनों अकसर साथसाथ देखे जाते. कभी दफ्तर में आते समय, कभी जाते समय. कभी लंच के समय, कभी चाय के समय, धीरेधीरे औफिस में ऐसी सामान्य धारणा बन गई कि जिस स्थान पर एक होगा, वहां दूसरे को भी होना चाहिए.

उस दिन सिनेमा के संध्या शो के बाद लोकेश और मोनिका, दोनों कार की सामने वाली सीट पर बैठे जा रहे थे. लोकेश कार चला रहा था. अन्यमनस्क सी मोनिका चुपचाप थी. लोकेश ने उस का मौन भंग करने की एकदो बार कोशिश की, पर वह हूं-हां कर के ही रह गई. जाने किस आवेग के वश लोकेश ने बायां हाथ मोनिका की कमर में डाल कर उसे अपनी ओर खिसका कर सटा लिया.मोनिका ने प्रश्नवाचक दृष्टि से देखा. उन दोनों के विषय में बाहर चाहे जिस तरह की अफवाहें जुड़ी हों, पर सच यह था कि संगसंग रहते हुए भी किसी ने दूसरे का स्पर्श कभी न किया था. सो, आज लोकेश ने जब हाथ लगाया तो मोनिका आश्चर्य में आ गई. वह क्रुद्ध तो न हुई, पर असमंजस में पड़ गई.

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी 20 सीरीज में भारत के पांच खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल में डेब्यू कर रहे गुजरात टाइटंस ने 29 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 1,04,859 प्रशंसकों के सामने राजस्थान रॉयल्स को हराकर सीजन 2022 का खिताब अपने नाम किया। अब भारत की निगाहें ऑस्ट्रेलिया में इस साल अक्टूबर और नवंबर में होने वाले विश्व कप पर टिकी हुई हैं। सीरीज का पहला मैच 9 जून को अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीम एक-दूसरे से भिड़ेंगी। वर्तमान में भारत टी20 में लगातार 12 जीत के साथ अफगानिस्तान और रोमानिया के बराबर है। भारतीय टीम के प्रबंधकों ने मुख्य खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह को आराम देने का विकल्प चुना है, जिसमें केएल राहुल 18 सदस्यीय टीम का नेतृत्व कर रहे हैं और ऋषभ पंत को उप कप्तान की कमान सौंपी गई है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में यहां पांच भारतीय खिलाड़ियों पर निगाहें रहेंगी।

हार्दिक पांड्या : हार्दिक पांड्या ने अपने आलोचकों को एक उपयुक्त प्रतिक्रिया दी, जब उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल 2022 के फाइनल में एक अत्यधिक प्रभावशाली ऑलराउंडर प्रदर्शन दिया। उन्होंने आखिरी मैच में 17 रन देकर 3 विकेट झटके और बल्ले से 34 रनों का महत्वपूर्ण योगदान भी दिया। गुजरात टाइटंस के कप्तान पांड्या अभी अपनी फिटनेस को लेकर चिंताओं में हैं। पांड्या ने अहमदाबाद में आईपीएल खिताब के लिए शानदार कप्तानी भी की। उन्होंने 15 मैचों में 44.27 की औसत से 487 रनों के साथ सीजन का समापन किया, जिसमें आठ विकेट लेने के अलावा चार अर्धशतक भी शामिल थे। अब ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेंगे। इस बात से कोई इंकार नहीं है कि पांच मैचों की सीरीज में पांड्या और उनके हरफनमौला कौशल पर ध्यान दिया जाएगा।

केएल राहुल : केएल राहुल लखनऊ सुपर जायंट्स के नेतृत्व के साथ-साथ अपनी बल्लेबाजी से भी खूब सुर्खियों में रहे, जहां उनकी टीम आईपीएल 2022 में एलिमिनेट राउंड से बाहर हो गए थे। राहुल ने सलामी बल्लेबाज के साथ एक शानदार सीजन बिताया, जो दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। टूनार्मेंट में 51.33 की औसत से उन्होंने 616 रन बनाए, हालांकि उनके 135.38 के स्ट्राइक रेट पर काफी बहस हुई है। भारत उम्मीद कर रहा होगा कि राहुल अपनी 12 मैचों की जीत की लय को बढ़ाने के अलावा शीर्ष पर बल्ले से थोड़ा और आक्रामक हो जाए।

दिनेश कार्तिक : दिनेश कार्तिक ने आईपीएल सीजन 2022 का सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन पुरस्कार जीता। डेथ ओवरों के चरण में 220 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने 242 रन बनाए। कार्तिक भारतीय जर्सी में अपने आईपीएल 2022 के प्रदर्शन को दोहराना चाहते हैं और वर्ष के अंत में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के लिए उड़ान में एक स्थान हासिल करना चाहते हैं।

२२ जम्मू के रहने वाले सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज ने हर मैच में 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद को फेंककर सभी का ध्यान अपनी गेंदबाजी पर आकर्षित किया। हालांकि लॉकी फर्ग्यूसन ने मलिक से 157.3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से टूनार्मेंट की सबसे तेज गेंद का पुरस्कार छीन लिया, लेकिन उमरान ने अपनी कच्ची गति से भारतीय प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया। अपने पहले पूर्ण आईपीएल सीजन में, उमरान ने अंतिम चैंपियन गुजरात टाइटंस के खिलाफ चार ओवर में 25 रन देकर पांच विकेट झटके। खेल के महापुरूषों ने मलिक को भविष्य के भारत के खिलाड़ी बनने का समर्थन किया है और यह देखा जाना बाकी है कि क्या वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी लाइन और लेंथ को बरकरार रख पाएंगे या नहीं।

अर्शदीप सिंह : अर्शदीप सिंह मलिक की तरह ही एक और युवा तेज गेंदबाज रहे हैं, जिन्होंने आईपीएल 2022 में कई लोगों को उत्साहित किया। 23 वर्षीय पंजाब किंग्स के लिए डेथ ओवरों में यॉर्कर और लक्ष्य बनाने की अपनी क्षमता के साथ जाने-माने गेंदबाज थे। इस सबका मतलब है कि अर्शदीप ने 3/37 के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ों के साथ 10 विकेट लेने के अलावा 7.58 की डेथ-ओवर इकॉनमी रेट के साथ सीजन का समापन किया। 2018 में भारत की अंडर 19 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य अर्शदीप दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईपीएल 2022 से अपनी अच्छी फॉर्म को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक होंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की पांच मैचों की टी20 सीरीज का स्टार स्पोर्ट्स और डिज्नी प्लस हॉटस्टार एप पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

अपनी चोट को लेकर जाय रिचर्डसन ने कहा, इससे मैं काफी परेशान था

कोलंबो, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जाय रिचर्डसन ने 2021/22 सीजन में अपनी चोट की परेशानियों पर विचार करते हुए कहा कि चोट से स्टॉप-स्टार्ट की स्थिति के कारण उनको काफी समयस्याएं आई हैं।

हालांकि रिचर्डसन ने एडिलेड में डे-नाइट एशेज टेस्ट के माध्यम से टेस्ट क्रिकेट में वापसी की, लेकिन चोटों के कारण बाकी तीन मैचों के साथ-साथ पाकिस्तान के दौरे से चूक गए।

अपनी चोट की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए उन्हें अब केवल ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका दौरे के टी20 के लिए टीम में शामिल किया गया है और दो लिस्ट अ और इतने ही प्रथम श्रेणी मैचों के लिए देश में ऑस्ट्रेलिया अ के लिए खेलेंगे।

उन्होने कहा, यह एक ऐसा समय था, जहां वास्तव में मुझे काफी परेशानियों से जूझना पड़ा। एक टेस्ट मैच खेलने के लिए जाते हो, फिर चोटों के कारण आप बाहर हो जाते हो और बेहतर करने की कोशिश करते हो, लेकिन यह किसी भी तरह से सही नहीं होता।

रिचर्डसन ने अनप्लेबल पॉडकास्ट पर कहा, चोट ने मुझे परेशान किया, क्योंकि पाकिस्तान श्रृंखला से बाहर होना, मेरे लिए दुख की बात थी। यह उस बिंदु पर पहुंच गया जहां मैं खेल के समय के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश कर रहा था और जब आप इसे ज्यादा करने की कोशिश करते हों तो यह कभी भी अच्छा नहीं होता है।

रिचर्डसन जानते हैं कि मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस टेस्ट में पेसरों के स्थान के लिए सबसे आगे हैं और जोश हेजलवुड के साथ-साथ स्कॉट बोलैंड भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं, श्रीलंका में अपना टेस्ट स्थान वापस पाना एक चुनौती होगी और है लेकिन ए टीम में शामिल होने से खुश हूं।

उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं इससे खुश हूं। अगर मैं ऑस्ट्रेलिया ए में चार दिवसीय मैच खेलने के सभी सकारात्मक पहलुओं को देख रहा हूं, तो यह मेरे लिए एक नई शुरूआत है। यह पिछले कुछ महीनों में मैंने बहुत अच्छी तैयार की है।

गेंदबाज मुजरबानी की जिम्बाब्वे टीम में वापसी

हरारे, एजेंसी। जिम्बाब्वे के आईसीसी पुरुष वनडे रैंकिंग सूची में सर्वोच्च रैंकिंग वाले गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल से वापसी के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी करेंगे। गेंदबाज 15-4 जून के बीच अफगानिस्तान के खिलाफ क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग (सीडब्ल्यूसीएलएस) वनडे के लिए सदस्य टीम में शामिल किए गए हैं। टीम का नेतृत्व क्रेग एर्विन करेंगे और तीन मैचों की एकदिवसीय प्रतियोगिता के लिए जनवरी में श्रीलंका का दौरा करने वाली टीम के ग्यारह खिलाड़ी शामिल होंगे, जिसे मेजबान टीम ने 2-1 से जीता था। दो खिलाड़ी अपने एकदिवसीय डेब्यू के लिए कतार में हो सकते हैं। अनकैप्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज क्लाइव मडांडे अभी तक अपना पहला अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन नहीं दिखा पाए, जिन्होंने पिछले महीने नामीबिया के खिलाफ टी20 में डेब्यू किया था।

संक्षिप्त समाचार

पुर्तगाल ने नेशंस लीग में स्पेन से ड्रॉ खेला

बार्सीलोना, एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर पूरा फोकस रखने के चक्कर में स्पेन की टीम ने पुर्तगाल के दूसरे स्थानापन्न खिलाड़ी पर ध्यान नहीं दिया और नेशंस लीग फुटबॉल में उसे 1.1 से ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। रिकार्डो होर्ता ने पुर्तगाल के लिये बराबरी का गोल दागा। होर्ता 2014 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण के बाद अपना दूसरा ही मैच खेल रहे थे। वह आखिरी मिनटों में मैदान पर उतरे थे और 82वें मिनट में गोल कर दिया। इससे पहले स्पेन के लिये अलवारो मोराता ने 25वें मिनट में गोल किया था। स्पेन को पिछले साल फाइनल में फ्रांस ने हराया था। लीग बी में नॉर्वे ने सर्बिया को 1.0 से हराया जबकि स्वीडन ने स्लोवेनिया को 2.0 से मात दी। इस्राइल ने आइसलैंड से 2.0 से ड्रॉ खेला।

उरुग्वे ने मेक्सिको को 3-0 से हराया

रियो, एजेंसी। एडिंसन कावानी ने हाफ मिनट में दो गोल करके उरुग्वे को गुरुवार को संयुक्त राज्य अमेरिका के फीनिक्स स्टेडियम यूनिवर्सिटी में मेक्सिको पर 3-0 से जीतने में मदद की। माटियास वेसिनो ने 35वें मिनट में सेलेस्टे को एक करीबी रेंज फिनिश के साथ आगे रखा और कावानी ने फेसिंदो के पास के बाद बढ़त को दोगुना कर दिया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मैनचेस्टर युनाइटेड के स्ट्राइकर ने डेमियन सुआरेज के साथ संयोजन के उरुग्वे के लाभ को और बढ़ा दिया। उरुग्वे अगले आठ दिनों में संयुक्त राज्य अमेरिका और जमैका के खिलाफ मैत्री मैच के साथ इस साल के अंत में कतर में विश्व कप के लिए अपनी तैयारी जारी रखेगा। इस बीच, मेक्सिको का सामना उसी समय में इक्वाडोर और सूरीनाम से होगा।

महाराष्ट्र ओपन शतरंज : भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन कल्याण, सेनगुप्ता शीर्ष पर

पुणे, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन कल्याण और दीप सेनगुप्ता ने पहले महाराष्ट्र इंटरनेशनल ओपन ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूनार्मेंट में पांचवें दौर में जीत दर्ज करके जॉर्जिया के लुका पेइचाजे के साथ शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया। चार दौर में जीत दर्ज करने वाले पेइचाजे को पांचवें दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर एम आर ललित बाबू ने ड्रॉ पर रोका। कल्याण ने आदित्य सामंत को और सेनगुप्ता ने अनूप देशमुख को हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त ताजिकिस्तान के फारूख अमोनातोव ने बांग्लादेश के ग्रैंडमास्टर इनामुल हुसैन को 33 चालों में हराया। पिछले दो दौर में उन्होंने ड्रॉ खेला था। अमोनातोव, बोरिस सावचेंको, ललित बाबू और आदित्य मित्तल चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर हैं।

नॉर्वे शतरंज में आनंद की लगातार तीसरी जीत

स्टावेंजर (नॉर्वे), एजेंसी। भारतीय धुरंधर विश्वनाथन आनंद ने नॉर्वे शतरंज टूनार्मेंट के क्लासिकल वर्ग में अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए तीसरे दौर में चीन के वांग हाओ को हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। 52 वर्ष के आनंद ने शुक्रवार केा तड़के आमार्गेडोन (सडन डैथ) में यह मुकाबला जीता चूंकि निर्धारित समय तक 39 चालों के बाद मैच ड्रॉ हो गया था। आनंद ने 44 चालों में हाओ को हराया और अब उनके 7.5 अंक हो गए हैं। अमेरिका के वेसले सो छह अंक लेकर दूसरे और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन साढे पांच अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। आनंद ने इससे पहले क्लासिकल वर्ग में फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव और बुल्गारिया के वेसलीन टोपालोव को हराया था। कार्लसन ने तैमूर राजाबोव को हराकर वापसी की।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिये मलिंगा श्रीलंका के गेंदबाजी रणनीति कोच

कोलंबो, एजेंसी। महान तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा को आस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले सप्ताह से शुरू हो रही सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला के लिये श्रीलंका का गेंदबाजी रणनीति कोच बनाया गया है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाजों में शुमार 38 वर्ष के मलिंगा ने फरवरी में आस्ट्रेलिया दौरे पर भी यह जिम्मेदारी संभाली थी। श्रीलंका क्रिकेट ने एक विज्ञप्ति में कहा, दौरे पर मलिंगा श्रीलंका के गेंदबाजों की सहायता करेंगे और मैदान पर रणनीति बनाने में उनकी मदद करेंगे। श्रीलंका श्रृंखला 4.1 से हार गई थी लेकिन गेंदबाजों ने आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को पूरी श्रृंखला में खुलकर खेलने नहीं दिया। आस्ट्रेलिया का सर्वोच्च स्कोर छह विकेट पर 164 रन था। मलिंगा ने 2021 में क्रिकेट के हर प्रारूप को अलविदा कह दिया था। वह हाल ही में आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाजी कोच थे और टीम फाइनल तक पहुंची थी। श्रीलंकाई टीम तीन टी20 और पांच वनडे मैच खेलेगी।

भारत में शतरंज ओलंपियाड का होना एक बड़े सम्मान की बात : अर्कडी ड्वोरकोविच

चेन्नई, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फीडे) के अध्यक्ष अर्कडी ड्वोरकोविच ने कहा कि यह एक बहुत बड़ा सम्मान है कि इतिहास में पहली बार 'शतरंज की मातृभूमि' भारत इस साल के शतरंज ओलंपियाड की मेजबानी करेगा। इतिहास लिखा जाएगा क्योंकि भारत पहली बार दुनिया के सबसे बड़े शतरंज आयोजन, शतरंज ओलंपियाड की मेजबानी करने के लिए तैयार है। इस टूनार्मेंट के 44वें संस्करण का आयोजन इस साल शतरंज के मक्का, चेन्नई में किया जाएगा। प्रतिभागियों की सूची वर्चुअल होगी, जिसमें 150 से अधिक देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

कोहली को अपनी बल्लेबाजी पर रखना होगा विश्वास : अजहर

दुबई, एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान और स्टाइलिश बल्लेबाज मोहम्मद अजहरुद्दीन का मानना है कि विराट कोहली को अपनी बल्लेबाजी पर विश्वास रखना होगा। हालांकि, ऐसा करने के लिए उन्हें एक शतक की जरूरत है।

अजहर ने शुक्रवार को खलीज टाइम्स के हवाले से कहा, विराट कोहली के साथ ऐसा होता है कि अगर वह 50 रन भी बना लेते है, तो लोग कहते हैं कि वह अपनी बल्लेबाजी में असफल रहे हैं। 59 वर्षीय ने कहा, मुझे लगता है कि यह हर क्रिकेटर के साथ होता है, यहां तक कि सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी इस बुरे दौर से गुजरे हैं।

हालांकि, अजहर ने महसूस किया कि कोहली जब तक एक शतक नहीं लगा देते तब तक उन्हें ऐसे ही आलोचकों का सामना करना पड़ेगा। कोहली ने नवंबर 2019 के बाद से तीनों प्रारूपों में से किसी भी मैच में शतक नहीं जड़ा है।२२

इसके बाद उन्होंने आईपीएल 2022 सीजन में खराब प्रदर्शन किया। उन्होंने 16 मैचों में 22.73 पर 341 रन बनाए। हालांकि, कोहली ने 2016 सीजन में आरसीबी के लिए 973 रन बनाए थे।

स्टोक्स की कप्तानी से प्रभावित हुए नासिर हुसैन

लंदन, एजेंसी। लॉर्डस में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट के पहले दिन बेन स्टोक्स की कप्तानी ने नासिर हुसैन को प्रभावित किया। लेकिन साथ ही इंग्लैंड के पूर्व कप्तान को टीम की खराब बल्लेबाजी ने निराश किया, जिसने न्यूजीलैंड को सिर्फ 132 रन पर ढेर करने के बाद दिन का खेल खत्म होने तक 116 रन पर 7 विकेट खो दिए। इंग्लैंड के कप्तान और मुख्य कोच के रूप में स्टोक्स-ब्रेंडन मैकुलम युग की शुरूआत शानदार रही, क्योंकि युवा तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स ने 9.2 ओवर में 4/13 विकेट लिए, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने भी चार विकेट चटकाए और स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ-साथ स्टोक्स ने भी एक-एक विकेट लिया, जिसे न्यूजीलैंड 132 रन पर ऑलआउट हो गया। बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड 59/0 था और आसानी से बढ़त लेने के लिए तैयार दिख रहा था। लेकिन जैक क्रॉली और ओली पोप के जल्दी आउट होने के बाद इंग्लैंड ने अगली 28 गेंदों में केवल आठ रन पर पांच और विकेट खोकर दिन के अंत तक 116 रन पर सात विकेट खो दिए। उन्होंने कहा, पिछले 17 टेस्ट मैचों में इंग्लैंड ने मैदान में कई चीजें गलत की हैं, जो उन्हें बेन स्टोक्स के पहले दिन पूर्णकालिक कप्तान के रूप में भी देखने को मिलीं, क्योंकि उनकी बल्लेबाजी पूरी तरह से फैल रही। हुसैन ने डेली मेल में लिखा, तेज गेंदबाजों ने अच्छी लेंथ पर गेंदबाजी की। क्षेत्ररक्षकों ने भी सभी कैच पकड़े, जॉनी बेयरस्टो ने विल यंग का कैच लपकने के लिए शानदार प्रयास किए। हुसैन ने कहा, उदाहरण के लिए, ओली पोप को पहली बार नंबर 3 पर बल्लेबाजी पर भेजने का फैसला भी सही साबित नहीं हुआ।

वेस्ट इंडीज ने नीदरलैंड से जीती सीरीज

एम्स्टलवीन, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने नीदरलैंड्स को दूसरे एकदिवसीय मैच में 5 विकेट से हराते हुए तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की विजयी बढ़त हासिल की है। पहले बल्लेबाजी करते हुए नीदरलैंड्स 48.3 ओवर में 214 रनों के कुल स्कोर पर आउट हो गई। जवाब में खेलते हुए वेस्टइंडीज की टीम ने 45.3 ओवर में 5 विकेट पर 217 रन बनाकर मैच जीत लिया। ब्रेंडन किंग को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

नीदरलैंड्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और यह सही साबित हुआ। विक्रमजीत सिंह और मैक्स ओडॉउड ने पहले विकेट के लिए 101 रन की भागीदारी की। इस बीच विक्रमजीत 51 और मैक्स 46 रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद एडवर्ड्स ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। अन्य सभी बल्लेबाज फ्लॉप साबित हुए। एडवर्ड्स के बल्ले से 68 रनों की पारी आई। बाकी सभी बल्लेबाज एक के बाद एक आउट होते रहे और नीदरलैंड्स की पूरी टीम 214 रन के कुल स्कोर पर आउट हो गई। वेस्टइंडीज के लिए अकील होसैन ने सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके। अल्जारी जोसेफ को भी 2 विकेट मिले। जवाब में खेलते हुए वेस्टइंडीज की टीम बेहतर शुरूआत करने में नाकाम रही। ओपनर बल्लेबाज ब्रूक्स महज 6 रन के निजी स्कोर पर आउट हो गए। उनके बाद शाई होप भी 18 रन बनाकर आउट हो गए। दो विकेट और गिरकर स्कोर 4 विकेट पर 60 रन हो गया। यहाँ भी स्थिति नहीं संभल पाई। काइल मैयर्स 22 रन के निजी स्कोर पट चलते बने और विंडीज का स्कोर 99/5 हो गया। इस समय टीम मुश्किल में थी लेकिन ब्रेंडन किंग ने धाकड़ बल्लेबाजी टीम को संकट से बाहर निकाला। केसी कार्टी ने किंग का बखूबी साथ निभाया। दोनों ने मिलकर छठे विकेट के लिए शतकीय भागीदारी की। ब्रेंडन किंग 91 और कार्टी 43 रन बनाकर नाबाद रहे और वेस्टइंडीज ने 5 विकेट से मैच जीत लिया।

हॉकी 5 एस टूनार्मेंट के लिए हम तैयार : कप्तान गुरिंदर

लुसाने, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान गुरिंदर सिंह ने शनिवार को मेजबान स्विट्जरलैंड के खिलाफ एफआईएच हॉकी 5एस के शुरूआती मैच से पहले कहा है कि इस खेल के प्रारूप के लिए परिस्थितियों के अनुकूल होना बेहद जरूरी होगा। साथ ही कहा कि यहां प्रशिक्षण सत्रों से टीम को मदद मिली है। एफआईएच हॉकी 5एस के पहले सीजन में भारतीय पुरुष टीम खेल के सबसे छोटे प्रारूप में एक छाप छोड़ने के लिए तैयार है। पहले दिन मेजबान स्विट्जरलैंड और पाकिस्तान से खेलने के बाद भारत का सामना 5 जून को क्रमशः मलेशिया और पोलैंड से होगा। गुरिंदर ने कहा, हम यहां लुसाने में आकर वास्तव में उत्साहित हैं। यहां बहुत अच्छा माहौल है। हमारे पास अच्छे प्रशिक्षण सत्र भी थे और हम टूनार्मेंट के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा, हम कुछ गुणवत्ता टीमों के खिलाफ खेलेंगे और चूंकि प्रारूप नया है, यह हमारे लिए एक चुनौतीपूर्ण काम होगा। यह तेज गति वाला प्रारूप है और हमें जितनी जल्दी हो सके परिस्थितियों के अनुकूल होने की आवश्यकता होगी। नौ सदस्यीय टीम में पवन, संजय और रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम शामिल हैं, जो 2018 युवा ओलंपिक खेलों में हॉकी 5एस में रजत पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे।

शारापोवा के बाद सबसे युवा फाइनलिस्ट बनीं गॉफ

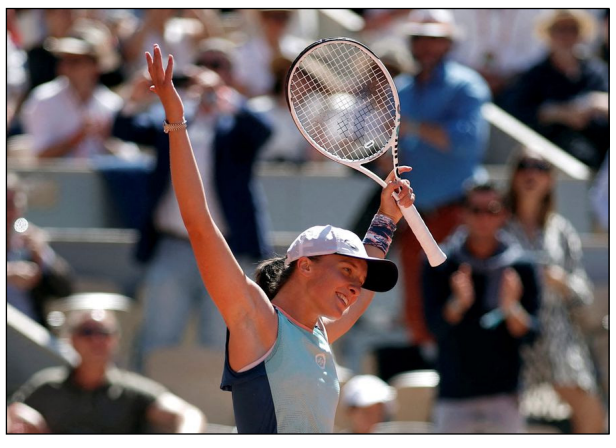

पेरिस, एजेंसी। फ्रेंच ओपन वूमंस सिंगल्स टाइटल के सेमीफाइनल में मार्टिना ट्रेविसन को सीधे सेटों में शिकस्त देने वाली कोको गॉफ 2004 के बाद ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट बनने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गई हैं। फ्रेंच ओपन वूमंस सिंगल्स टाइटल के लिए कोको गॉफ वर्ल्ड नंबर वन इगा स्वियातेक का सामना करेंगी। यह इस टीनएजर का पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल होगा। गॉफ ने फाइनल में अपनी जगह बेहद आसानी से बनाई। उन्होंने सेमीफाइनल में मार्टिना ट्रेविसन को सीधे सेटों में शिकस्त दी। हालांकि, 18 साल की इस अमेरिकन खिलाड़ी ने इस मुकाबले को 6-3, 6-1 से जीता, लेकिन यह मैच पहली बार किसी मेजर का सेमीफाइनल खेल रहीं दोनों ही खिलाड़ियों को कुछ हद तक नर्वस करने वाला भी था।

2004 के बाद सबसे युवा ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट

इस जीत के साथ, गॉफ 2004 के बाद ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट बनने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गई हैं. 2004 में, मारिया शारापोवा ने 18 साल की उम्र में विंबलडन का खिताब जीता था. इस जीत के बाद गॉफ ने कहा, ह्यमुझे लगता है कि मैं अभी किसी शॉक में हूं। मुझे समझ में नहीं आ रहा कि मैं कैसे रिएक्ट करूं। मेरे पास कोई शब्द नहीं हैं।ह्व पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने 37 अनफोर्स्ड एरर्स किए। इतनी सारी गलतियों ने यकीनन पहले सेट में खेल के स्तर को खराब किया। ट्रेविसन ने गलतियां ज्यादा की लेकिन गॉफ का खेल भी एरर-फ्री नहीं था. इस सेट को गॉफ ने 6-3 से जीता।

फ्रेंच ओपन वूमंस सिंगल्स सेमीफाइनल के दूसरे सेट में मुकाबला पूरी तरह से एकतरफा हो गया। इटली की वर्ल्ड नंबर 59 ट्रेविसन ने इस सेट के शुरू होने से पहले मेडिकल ब्रेक लिया। वह जब कोर्ट पर लौटीं तब कोको गॉफ ने देखते ही देखते मैच को पूरी तरह से अपने कंट्रोल में ले लिया। लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंचीं ट्रेविसन के लिए ये मुकाबला किसी हादसे से कम नहीं था। उन्होंने इस मैच में चार डबल फॉल्ट और 36 अनफोर्स्ड एरर्स किए। वहीं अमेरिकन खिलाड़ी गॉफ ने दूसेर सेट में मार्टिना के चार सर्विस ब्रेक किए और इस सेट को 6-2 से जीतकर फ्रेंच ओपन वूमंस फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

इगा स्वियातेक फ्रेंच ओपन के फाइनल में, कोको गॉफ से होगी भिड़ंत

पेरिस, एजेंसी। विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज पोलैंड की इगा स्वियातेक ने गुरूवार को यहां रूस की दारिया कसातकिना को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम के महिला एकल फाइनल में प्रवेश किया जिसमें उनका सामना अमेरिका की 18 वर्षीय कोको गॉफ से होगा। शीर्ष वरीय स्वियातेक दूसरी बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंची हैं जबकि 18वीं वरीयता प्राप्त गॉफ का यह पहला ग्रैंडस्लैम फाइनल होगा। स्वियातेक ने सेमीफाइनल में 20वीं रैंकिंग की कसातकिना पर 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की जिससे उन्होंने लगातार 34 मैचों में जीत हासिल की। स्वियातेक ने 22 विनर लगाये जबकि कसातकिना केवल 10 विनर लगा पायीं। स्वियातेक की ह्यअनफोर्स्डह्व गलतियां 13 रहीं। कोको गॉफ ने दूसरे सेमीफाइनल में इटली की मार्टिना ट्रेविसान पर 6-3, 6-1 से जीत दर्ज कर शनिवार को होने वाले फाइनल में जगह बनायी। स्वियातेक ने 2020 में रोलां गैरां ट्रापी हासिल की थी और अब उनकी कोशिश लाल बजरी पर दूसरा खिताब हासिल करने की होगी।

स्वियातेक ने अपने पिछले पांच टूनार्मेंट जीते हैं, उन्हें सिर्फ फरवरी में 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन येलेना ओस्टापेंको से हार का सामना करना पड़ा था। टेनिस में मेजर एकल खिताब जीतने वाली एकमात्र पोलिश खिलाड़ी स्वियातेक अब लगातार जीत दर्ज करने के मामले में सेरेना विलियम्स के बराबर पहुंच गयी हैं जिन्होंने 2013 में 34 जीत हासिल की थीं। लगातार सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने के मामले में वीनस विलियम्स सबसे आगे हैं जिन्होंने 2000 में 35 जीत हासिल की थीं। पुरूष वर्ग के सेमीफाइनल में शुक्रवार को 13 बार के फ्रेंच ओपन चैम्पियन रफाएल नडाल का सामना तीसरे वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा तथा 2014 अमेरिकी ओपन चैम्पियन मारिन सिलिच की भिड़ंत कैस्पर रूड से होगी।